एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:49 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083

रविवार, 19 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 71, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ ममता को सत्ता से हटाएं वरना हमसे बंगाल छीन लेंगे बांग्लादेशी मुसलमान : हेमंत - 11

■ पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी बोले- एसआईआर प्रक्रिया जनता के खिलाफ षडयंत्र - 11

■ तेल और गैस की खोज को डेटा आधारित करने की दिशा में बढ़ा भारत: पुरी - 12

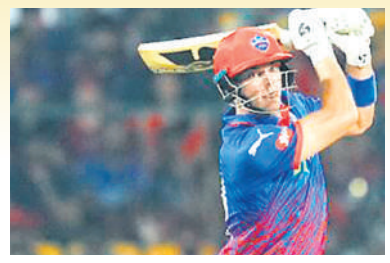

■ आखिरी ओवर में डेविड मिलर के तूफान से आरसीबी की उम्मीदों पर फिरा पानी - 14

नोएडा हिंसा का मुख्य साजिशकर्ता त्रिच्चुरापल्ली स्टेशन से गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● लगातार बदल रहा था ठिकाना एक लाख का था इनाम

अमृत विचार: नोएडा में श्रमिक आंदोलन में हिंसक घटनाओं का मुख्या साजिशकर्ताओं में शामिल आदित्य आनंद उर्फ रस्टी को तामिलनाडु के त्रिच्चुरापल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। नोएडा पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त टीम ने शनिवार तड़के कार्रवाई करते हुए दबोचा। आदित्य आनंद पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह हिंसा वाले दिन से ही फरार चल रहा था।

एसटीएफ के एएसपी राजकुमार मिश्रा के मुताबिक आदित्य आनंद उर्फ रस्टी मूलतः बिहार के हाजीपुर के मढैया का रहने वाला है। वह वर्तमान में हरियाणा गुरुग्राम के सरस्वती विहार सेक्टर-28 में रहता था। पुलिस के अनुसार श्रमिकों के धरना-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच शुरू की गई। जिसमें सामने आया कि भड़काऊ गतिविधियों और हिंसा को संगठित करने में आदित्य आनंद की मुख्य भूमिका थी। जांच में उसे पूरे घटना का साजिशकर्ता पाया गया। नोएडा के थाना फेज-2 में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने सर्विलांस, लोकेशन ट्रैकिंग की। आरोपी की लोकेशन तमिलनाडु में मिली। इसके बाद विशेष टीम को वहां भेजा गया। तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक आदित्य आनंद की गिरफ्तारी के श्रमिक आंदोलन में हुई हिंसा के बारे में पूछताछ की जाएगी। ताकि पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा हो सकेगा।

विपक्षी दलों ने विधेयक का विरोध कर 'भ्रूण हत्या का पाप' किया

● प्रधानमंत्री बोले- महिलाएं इस पाप के लिए उन्हे कभी माफ नहीं करेंगी, कहा- मैं देश की सभी महिलाओं से क्षमा मांगता हूं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस व उसके सहयोगियों को चेताया कि महिला आरक्षण संबंधी संशोधन का विरोध करके उसने जो 'भ्रूण हत्या का पाप' किया है, उसके लिए भारत की महिलाएं उन्हें सजा जरूर देंगी। देश को संबोधित करते हुए मोदी ने महिलाओं से माफी मांगी और कहा कि सरकार भले ही विधेयक पारित न करा पाई हो लेकिन वह महिलाओं को सशक्त बनाने के अपने प्रयासों को कभी नहीं छोड़ेगी। कहा, आज देश के सामने जितनी भी बड़ी चुनौतियां हैं, वो कांग्रेस के इसी रवैये से उपजी हुई हैं।

एक महिला सबकुछ भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान नहीं भूलती

मोदी ने कांग्रेस पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप भी लगाया और कहा कि कांग्रेस उत्तर-दक्षिण विभाजन के बारे में झूठी बातें फैला रही है। उन्होंने कहा, एक महिला सबकुछ भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान नहीं भूलती। कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा किया गया यह अपमान हर महिला के दिल में हमेशा रहेगा। मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन समय की आवश्यकता थी और उत्तर, दक्षिण, पूर्व तथा पश्चिम में संतुलित सशक्तीकरण सुनिश्चित करने का एक ईमानदार प्रयास था। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने राष्ट्र निर्माण और देश में सुधार के सभी प्रयासों का हमेशा विरोध किया है।

लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण 2029 के संसदीय चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। इस घटनाक्रम के एक दिन बाद मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, भले ही, विधेयक पारित कराने के लिए जरूरी 66 प्रतिशत वोट हमें नहीं मिले हों, लेकिन मैं जानता हूं, देश की 100% नारीशक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। विपक्षी दलों ने सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद संसद में विधेयक को पारित न होने देकर महिलाओं के सपनों को निर्दयतापूर्वक कुचल दिया है। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने और महिलाओं के सशक्तीकरण के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करेगी। मोदी ने अपने 30 मिनट के भाषण में आरोप लगाया कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश के नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन का विरोध करने वाले विपक्षी दल महिला शक्ति को हल्के में ले रहे हैं। आज हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, सुनहरे अतीत की परछाई लाल इमली मिल व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नया नोटिस देने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली। विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति की ओर से अस्वीकार किए जाने के बाद अब एक नया नोटिस देने की योजना बना रहे हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक कई विपक्षी दलों के नेता बातचीत कर रहे हैं और कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित विभिन्न दलों के पांच वरिष्ठ सांसद नये नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं।

होर्मुज में भारतीय जहाजों पर गोलीबारी

ईरान ने भारत आ रहे 14 जहाजों को पार करने से रोका, होर्मुज स्ट्रेट फिर किया बंद | भारत ने ईरान के राजदूत को किया तलब अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप

नई दिल्ली/काहिरा, एजेंसी

होर्मुज में जारी दोहरी घेराबंदी शनिवार को एक अनिश्चित और खतरनाक स्थिति में पहुंच गई। एक ओर जहां अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी करने के अपने अभियान को और तेज कर दिया है, वहीं दूसरी ओर ईरान ने जलमार्ग खोलने के अपने शुरुआती कदम को वापस लेते हुए वहां से गुजरने की कोशिश कर रहे जहाजों पर गोलीबारी कर दी। इनमें दो भारतीय जहाज भी शामिल हैं। गोलीबारी की घटना के बाद भारत आ रहे 14 भारतीय जहाजों को भी वापस लौटना पड़ा। इसी बीच एक भारतीय पोत ने होर्मुज पार कर लिया।

होर्मुज में घटी घटना को लेकर नई दिल्ली में तैनात ईरानी राजदूत मोहम्मद फताअली को भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को तलब किया और इस घटना को लेकर राजदूत के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। वहीं, एक अधिकारिक सूत्र ने बताया कि भारत आ रहे कच्चे तेल और गैस से लदे 14 जहाजों के एक काफिले को ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने होर्मुज से गुजरते समय रोक दिया और उनमें से दो जहाजों पर गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप 13 जहाज फारस की खाड़ी में अलग-अलग स्थानों पर लौट गए। होर्मुज पार करते समय भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर आईआरजीसी की गोलीबारी हुई, जिसमें कच्चा तेल लदा हुआ था। जहाज की एक खिड़की का शीशा टूट गया, जिसके कारण उसे यात्रा रोककर वापस लौटना पड़ा। दूसरे जहाज को कितना नुकसान हुआ, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन वह भी वापस लौट चुका है। 'गनबोट' ओमान से 37 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित टैंकर के पास पहुंचीं, जिसके कारण अन्य जहाजों को यात्रा पूरी किए बिना ही वापस लौटना पड़ा।

यह घटना केशम और लारक द्वीपों के बीच के जलक्षेत्र में घटी। भारत आने वाले 14 जहाजों में से सात पर भारतीय ध्वज, चार पर लाइबेरिया का ध्वज, दो पर मार्शल द्वीप समूह का ध्वज और एक पर वियतनाम का ध्वज लगा हुआ है। इनमें से छह जहाजों में कच्चा तेल, तीन में एलपीजी और चार में उर्वरक लदे हुए हैं। इनमें से पांच मालवाहक जहाज हैं। सभी 14 जहाज एक कतार में थे। इनमें से 13 जहाजों को ईरानी नौसेना ने रोक लिया और उन्हें इंतजार करने का निर्देश दिया।

सीजफायर के बीच ट्रंप की धमकी, कहा- हम बमबारी कर देंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को फिर से धमकी देते हुए कहा कि सीजफायर को अब और आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। डील फेल होने पर सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ सीजफायर तब तक आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, जब तक बुधवार तक कोई दीर्घकालिक समझौता नहीं हो जाता। उन्होंने चेतावनी दी कि दबाव बनाने वाले उपाय अभी भी विचाराधीन रहेंगे। इनमें ईरानी बंदरगाहों पर लगातार नाकेबंदी और फिर से बमबारी की संभावना शामिल है।

नौसेना शत्रुओं को करारी हार देने को तैयार : मोजतबा

काहिरा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने कहा है कि ईरान की बहादुर नौसेना अपने दुश्मनों को करारी हार देने के लिए तैयार है। ईरानी सेना की स्थापना की वर्षगांठ के मौके पर एक संदेश में, उन्होंने युद्ध के दौरान दुश्मनों को निशाना बनाकर किए गए ईरान के ड्रोन हमलों की सराहना की।

इराक से 20 लाख बैरल तेल लेकर निकला था जहाज

जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले पोर्टल ने बताया कि ईरान के 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' की गोलीबारी की खबरों के बाद होर्मुज में दो भारतीय जहाजों को अपना रास्ता बदलना पड़ा। इनमें भारतीय ध्वज वाला एक सुपर टैंकर भी शामिल है जो इराक से 20 लाख बैरल तेल लेकर जा रहा है।

केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता 2% बढ़ाया, यूपी-आंध्र में 601 किमी की रेल लाइन मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने शनिवार को केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) दो प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया। इससे केंद्र सरकार के लगभग 50.46 लाख कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। साथ ही रेल मंत्रालय की लगभग 24,815 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में उत्तर प्रदेश में 403 किलोमीटर लंबी गाजियाबाद-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन और आंध्र प्रदेश में 198 किलोमीटर लंबी राजामुंदरी-विशाखापत्तनम तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महंगाई भत्ते और महंगाई राहत, दोनों में वृद्धि के कारण सरकारी खजाने पर कुल 6,791.24 करोड़ रुपये सालाना का बोझ पड़ेगा। मूल वेतन या पेंशन की मौजूदा 58 प्रतिशत की दर पर दो प्रतिशत की यह वृद्धि, महंगाई की भरपाई के लिए है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को डीए और पेंशनभोगियों को डीआर की यह अतिरिक्त किस्त एक जनवरी, 2026 से दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लिए कई अहम फैसले

● 50.46 लाख कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को होगा लाभ

● 24,815 करोड़ रुपये से पूरी की जाएंगी रेलवे की दोनों परियोजनाएं

यह वृद्धि स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार है, जो सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। वहीं, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश राज्यों के 15 जिलों से गुजरने वाली रेल की दो परियोजनाएं भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 601 किलोमीटर तक बढ़ाएंगी। दोनों परियोजनाओं के लाभों को रेखांकित करते हुए सरकार ने कहा कि ये कोयला, अनाज, सीमेंट, लोहा और इस्पात, कंटेनर, उर्वरक, चीनी, रासायनिक लवण, चूना पत्थर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। गाजियाबाद-सीतापुर रेलखंड पर इस समय दोहरी लाइन है, जो दिल्ली-गुवाहाटी उच्च घनत्व नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

(संबंधित कारोबार पेज पर)

भीषण गर्मी दिखाने लगी असर, पारा 45 पार जाने के आसार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● अगले दो-तीन दिन शुष्क मौसम पूर्वी यूपी में लू चलने की चेतावनी

अमृत विचार: प्रदेश में अप्रैल के मध्य में ही भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। जबकि 16 शहरों में पारा 40 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया। शनिवार को बांदा में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक है। राजधानी लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज समेत करीब 50 शहरों में तेज धूप और लू जैसे हालात बने हुए हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि शुष्क पछुआ हवाओं और आंतरिक महाराष्ट्र के आसपास बने प्रति चक्रवात के प्रभाव से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भागों में दिन के समय कहीं-कहीं उष्ण लहर (लू) चलने की संभावना है।अगले दो-तीन दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी के आसार हैं। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, झांसी और बुंदेलखंड क्षेत्र में दिन के समय तेज धूप और गर्म पछुआ

हवाओं ने जनजीवन प्रभावित किया। लखनऊ में भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और आगामी तीन दिनों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। राजधानी में मौसम शुष्क रहेगा तथा गर्म हवाएं चलने की संभावना है। प्रयागराज में गर्मी और अधिक तीखी रहने के संकेत हैं। सुबह से ही गर्म हवाएं चलने लगी हैं, जिससे लोगों को घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है।

स्कूल जाने वाले बच्चे चेहरे ढककर और छाते लेकर निकलते दिखाई दे रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार करने के साथ आने वाले दिनों में शुष्क पछुआ हवा चलेगी, लू चलेगी।

भारत को राहत, रूसी तेल खरीद के लिए अमेरिका ने एक महीने की छूट बढ़ाई

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने जारी किए आदेश

अमेरिका ने रूस से पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद की अनुमति देने वाली छूट की अवधि को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है जबकि कुछ दिन पहले ही उसने यह विशेष राहत देने संबंधी कदम को आगे नहीं बढ़ाने की बात कही थी।

अमेरिका ने शुक्रवार देर रात एक आदेश जारी कर रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों से छूट की अवधि को 17 अप्रैल या उससे पहले समुद्र में मौजूद तेल के लिए 16 मई तक बढ़ा दिया है। इससे पहले भारत को पांच मार्च से एक महीने के लिए रूसी तेल खरीदने पर प्रतिबंधों से छूट दी थी। इसके कुछ दिन बाद अन्य देशों को भी छूट दी गई थी जो 11 अप्रैल को समाप्त हो गई। अमेरिका द्वारा जारी सामान्य लाइसेंस ईरान, उत्तर कोरिया, क्यूबा या यूक्रेन के कुछ हिस्सों में स्थित किसी व्यक्ति, संस्था या संयुक्त उद्यम से जुड़े किसी भी लेनदेन को अधिकृत नहीं करता है।

बिना नोटिस राहुल पर एफआईआर का आदेश असंगत

विधि संवाददाता, लखनऊ

दोहरी नागरिकता मामला

● हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ओपन कोर्ट में सुनाए गए आदेश पर लगाई रोक

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कथित दोहरी नागरिकता मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के ओपन कोर्ट में सुनाए गए अपने आदेश को रोक दिया है। शनिवार को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध आदेश में कोर्ट ने कहा है कि सुनवाई के दौरान याची समेत केंद्र व राज्य सरकार के अधिवक्ताओं से पूछा गया था कि क्या इस मामले में विपक्षी संख्या एक (राहुल गांधी) को नोटिस जारी किए जाने की आवश्यकता है।

आदेश में कहा गया है कि अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि नोटिस जारी किए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है, तत्पश्चात ओपन कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने का विस्तृत आदेश पारित कर दिया गया। हालांकि उक्त आदेश के टाइप होने और उस पर हस्ताक्षर होने के पूर्व ही न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने पाया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने वर्ष 2014 में पारित एक निर्णय में कहा है कि एफआईआर दर्ज किए जाने के मांग वाले प्रार्थना पत्रों के खारिज होने पर पुनरीक्षण याचिका ही पोषणीय है। ऐसी याचिका पर प्रस्तावित अभियुक्त को नोटिस भेजा जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा की इस विधिक स्थिति को देखते हुए बिना विपक्षी संख्या एक (राहुल) को नोटिस जारी किए मामले को निर्णित करना उचित नहीं है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तिथि नियत की है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक निवासी याची एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर न्यायालय ने शुक्रवार को राहुल गांधी के विरुद्ध कथित दोहरी नागरिकता के मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना का आदेश ओपन कोर्ट में डिक्टेट किया था।

सियासत | बंगाल में गरजे मुख्यमंत्री योगी, टीएमसी पर बोला तीखा हमला, भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

पश्चिम बंगाल में भी लव और लैंड जिहाद पर लग जाएगी रोक : योगी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में शनिवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जोरदार हुंकार भरी। माथाभांगा और धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला और भाजपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा।

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस, टीएमसी और अन्य दल महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में नहीं हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों की पैरोकारी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इन लोगों ने आधी आबादी को उनका हक देने में बाधा डाली, जो महिलाओं का अपमान है। योगी ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा अराजक स्थिति के लिए टीएमसी को दोषी ठहराते हुए ऐलान किया कि ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है। योगी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर यूपी की ही भांति पश्चिम बंगाल में भी लव जिहाद व लैंड जिहाद पर रोक लगा दी जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि मानुष टीएमसी की गुंडागर्दी से भयभीत है। साथ ही दावा किया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और उद्योग-धंधे ठप हो रहे हैं। किसान पलायन करने को विवश है। टीएमसी के 15 वर्ष के कार्यकाल में सात हजार से अधिक बड़े कारखाने बंद हुए। केंद्र सरकार विकास के लिए जो पैसा देती है, वह जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचता। यह पैसा तृणमूल के गुंडे व बांग्लादेशी घुसपैठिए खा जाते हैं। सैंड माफिया, बागान माफिया सभी आपके हक पर डकैती डाल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल के पास अब परिवर्तन का अवसर है और भाजपा की सरकार बनने पर विकास को गति मिलेगी। ममता दीदी को तो हिंदुओं व जय श्रीराम के उद्घोष से चिढ़ है।

पश्चिम बंगाल के माथाभांगा जिला कुचबिहार विधान सभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी ने बांग्ला में किया संवाद

जनसभाओं में मतदाताओं से बांग्ला भाषा में संवाद करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आमार सोनार बांग्ला (हमारा सोने जैसा बंगाल), जनता ने जवाब दिया- टीएमसी मुक्तो बांग्ला (टीएमसी मुक्त बंगाल)। सीएम ने कहा, ऑन्धकार, जनता बोली- हटबे, मुख्यमंत्री ने कहा- सूरोज, जनता बोली- उगेबे, सीएम बोले- कोमोल, जनता ने कहा- खिलबे (अंधेरा-हटेगा, सूरज-उगेगा, कमल-खिलेगा)। मुख्यमंत्री ने यह कहकर अपनी बात संपन्न की- पलटानो दोरकार (परिवर्तन की जरूरत), इसका भी जनता ने उत्तर दिया- चाई बीजेपी सोरकार (चाहिए भाजपा सरकार)। जनसमूह ने कई बार अपने दोनों हाथ उठाकर इसे दोहराया।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार,19 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रकवि दिनकर की पुण्यतिथि पर 'रश्मिरथी पर्व' 24 से

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी लखनऊ में 24 से 26 अप्रैल तक राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति रश्मिरथी के हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 'रश्मिरथी पर्व' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होगा। शनिवार को लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि यह आयोजन राष्ट्रकवि दिनकर स्मृति न्यास, नई दिल्ली द्वारा सांस्कृतिक कार्य विभाग के सहयोग से कराया जा रहा है। 24 अप्रैल को दिनकर की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इस दिन 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का लोकार्पण और दानवीर कर्ण के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम में प्रतिदिन शाम 5 :30 बजे से सांस्कृतिक आयोजन होंगे।

कन्या सुमंगला योजना से 27 लाख से अधिक बालिकाएं लाभान्वित

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में योगी आदित्यनाथ सरकार की 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' प्रभावी साबित हो रही है। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना के तहत अब तक 27 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभ मिल चुका है। साल 2019 में शुरू हुई इस योजना के अंतर्गत अब तक 674 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है। योजना के तहत बालिका को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक छह चरणों में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उनके भविष्य को मजबूत आधार मिल रहा है। योजना का संचालन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। पीएफएमएस के जरिए धनराशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी जाती है, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना नहीं रहती। योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलता है जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक है और अधिकतम दो बालिकाएं ही पात्र होती हैं। योजना के तहत जन्म पर 5 हजार, टीकाकरण पर 2 हजार, कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश पर क्रमश: 3-3 हजार और 5 हजार रुपये तथा उच्च शिक्षा में प्रवेश पर 7 हजार रुपये की सहायता दी जाती है।

महिला आरक्षण बिल पर भाजपा की बदनीयत की हार

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि जनता के बढ़ते विरोध और

आक्रोश से ध्यान हटाने के लिए साजिशन लाए गए 'महिला आरक्षण बिल' की हार भाजपा की हार है। ये भाजपा की बदनीयत की भी हार है। सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा का हर प्रयास, हर बिल या तो कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए होता है या समाज को बांटने का छल-छलावा होता है। इस बार भाजपा इस बिल के माध्यम से महिलाओं की एकता में दरार डालकर उनको ठगना चाहती थी, लेकिन विपक्ष की एकता ने भाजपाई मंसूबों को धूल चटा दी। ये भाजपा के खिलाफ देश की सक्रिय हो चुकी जन चेतना की जीत है, जिसका प्रतिनिधित्व देश का विपक्ष कर रहा है। भाजपा ने सरकार में बने रहने का नैतिक आधार खो दिया है। कहा कि जो लोग परिवार को नकारते हैं, वे लोग दूसरी तरह से परिवार की धुरी मतलब महिला को नकारते हैं।

योगी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, बंगाल की सड़कों पर गूंजे जय श्रीराम के नारे

मुख्यमंत्री योगी ने भाजपा प्रत्याशी के लिए मांगे वोट, लोगों ने घरों की छत पर खड़े होकर किया जोरदार स्वागत

राज्य ब्यूरो,लखनऊ/बांकुड़ा

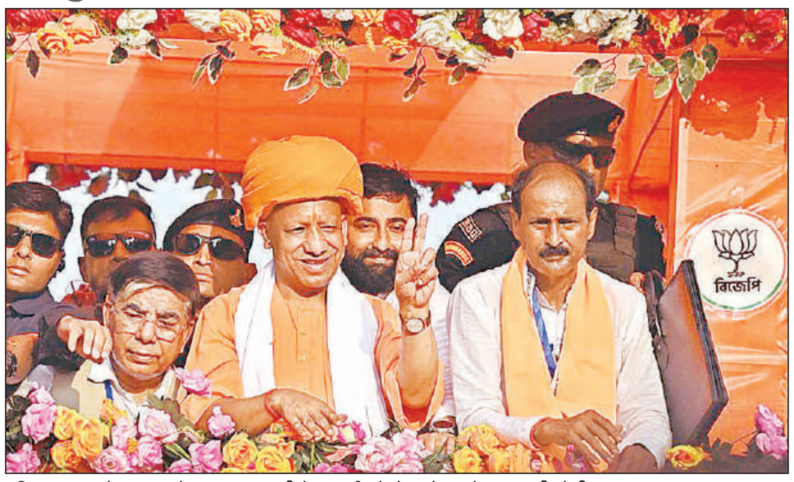

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी को देखने के लिए सड़कों पर उमड़ा लोगों का हुजूम। अमृत विचार

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो में जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'बुलडोजर बाबा' के नाम से चर्चित सीएम योगी को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे। पूरे रोड शो के दौरान 'देखो-देखो कौन आया, शेर आया' और 'जय श्रीराम' के नारे गूंजते रहे।

सीएम योगी ने शनिवार को बांकुड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीलाद्रि शेखर दाना के समर्थन में जनसमर्थन मांगा। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'योगी-योगी' के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। रोड शो के दौरान सीएम योगी ने हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। लोगों ने हाथ उठाकर भाजपा को समर्थन देने का भरोसा जताया। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में जनता का आभार जताते हुए कहा कि बंगाल का उत्साह बदलाव का संकेत दे रहा है।

सीएम योगी की एक झलक पाने के लिए महिलाएं और बच्चे घरों की छतों पर खड़े नजर आए। कई लोग मोबाइल से वीडियो और तस्वीरें बनाते दिखे। मुख्यमंत्री ने भी सभी का अभिवादन स्वीकार किया। रोड शो में उमड़ी भीड़ और लोगों के उत्साह को देखते हुए इसे भाजपा के लिए अहम राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

संदिग्ध आतंकियों का मुख्य साथी दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

विदेश में बैठकर सोशल मीडिया पर संचालित कर रहा था नेटवर्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मैजुल समेत अब तक गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

अमृत विचार: आतंकी संगठन आईएसआईएस का देश में नेटवर्क खड़ा करने व देश में हिंसात्मक आंदोलन की साजिश रचने वाले गिरोह के मुख्य सदस्य मैजुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बिजनौर पुलिस ने आरोपी मैजुल को इंदिरागांधी एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। मामले में आकिब, मैजुल और आजाद के खिलाफ बिजनौर के नागल थाने में एफआईआर दर्ज है। यूपी एटीएस ने 2 अप्रैल को मेरठ के साकिब, अरबाब और गौतमबुद्धनगर के विकास व लोकेश को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उबैद मलिक, जलाल हैदर और समीर को गिरफ्तार किया गया था। असलहों के साथ वीडियो में दिख रहे आकिब, आजाद और मैजुल विदेश में रह रहे हैं। इन तीनों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया है।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी मैजुल मूलतः बिजनौर के नांगल स्थित सौफतपुर का रहने वाला है। वह वर्तमान में दक्षिणी अफ्रीका में रहकर सोशल मीडिया के माध्यम से देश में कट्टरपंथी व हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। इसके लिए करीबी सदस्य नेटवर्क में देश के कई प्रमुख हिस्सों के युवाओं को जोड़ रहे थे। सभी सोशल मीडिया के माध्यम से देश में विद्रोह कराने की फिराक में थे। एडीजी कानून-व्यवस्था ने बताया कि मैजुल शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा हिरासत में

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी मैजुल।

लेने के बाद सूचना दी गई। नांगल पुलिस के पहुंचने पर अथॉरिटी ने सुपुर्द किया। पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई नवंबर 2025 में नांगल में दर्ज एफआईआर में की गई है। 23 नवंबर 2025 को इंस्टाग्राम पर वायरल वीडियो में आकिब अपने साथियों के साथ लाइव आकर हाथियारों का प्रदर्शन रक रहा था। जिसे मैजुल ने अपनी प्रोफाइल से पोस्ट की थी। जांच में सामने आया कि इस वीडियो में मैजुल, आकिब, आजाद और उवैद मलिक सहित चार लोग शामिल थे। मामले में पुलिस ने पहले ही उवैद मलिक और जलाल हैदर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, मैजुल, आकिब और आजाद के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में 15 अप्रैल को समीर उर्फ रूहान को भी गिरफ्तार किया गया था। समीर सोशल मीडिया प्लेटफार्म टेलीग्राम से जुड़ा है। उसके मोबाइल से राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से संबंधित साक्ष्य मिले थे। पुलिस व एटीएस की टीम मैजुल के पास से बरामद मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट की जांच शुरू कर दी है। ताकि उससे मिले सुराग के आधार पर अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

डिजिटल अरेस्ट कर करोड़ों की ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसटीएफ ने कानपुर के नौबस्ता से दबोचा, कई दस्तावेज बरामद

पकड़े गए ठगी के दोनों आरोपी।

अमृत विचार: यूपी एसटीएफ ने शेयर बाजार में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने और डिजिटल अरेस्ट कर करोड़ों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया। इस गिरोह के दो सदस्यों को कानपुर के नौबस्ता से शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से विभिन्न बैंकों के डेबिट और क्रेडिट कार्ड, ब्लैंक चेक, बैंक दस्तावेज, नकदी, दो आईफोन और कई बैंक खातों के लेन-देन से जुड़े स्क्रीनशॉट बरामद किए हैं।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी शुधांशु शेखर के मुताबिक पकड़े गये आरोपी पंजाब के फजिल्का स्थित सिटी अबोहर के स्ट्रीट नंबर नई आबादी का करन कसेरा और नई आबादी बड़ी पौड़ी का गुलशन शामिल है। डिप्टी एसपी के मुताबिक कुछ दिनों से यूपी को म्यूल खातों का प्रयोग कर श्रीलंका व ब्रिटेन समेत दर्जनों देशों के नंबर व पहचान का प्रयोग कर टेलीग्राम व व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये गिरोह बनाकर भारतीय नागरिकों को शेयर बाजार में निवेश व डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की जा रही है। जानकारी होने पर टीम ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि यह गिरोह म्यूल खातों का इस्तेमाल कर ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर कर छिपाता था। अब तक इस गिरोह के खिलाफ देशभर में 650 से अधिक ऑनलाइन शिकायतें मिल चुकी हैं और विभिन्न राज्यों में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि दोनों अभियुक्त थाना नौबस्ता, कानपुर नगर में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे थे।

सहायक आचार्य पुनर्परीक्षा में शामिल हुए 19,718 अभ्यर्थी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा सहायक आचार्य (विज्ञापन संख्या-51) के अंतर्गत 17 विषयों की पुनर्परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 53 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और नकलविहीन ढंग से सम्पन्न हो गई। इस परीक्षा में कुल 19,718 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें 41.35 प्रतिशत महिला और 58.65 प्रतिशत पुरुष अभ्यर्थी शामिल रहे। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग के एआई इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की लाइव निगरानी की गई। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार, सचिव, परीक्षा नियंत्रक और उपसचिव की मौजूदगी में एआई कैमरों के जरिए परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई।

परशुरामपुरी का 18 करोड़ रुपये से हो रहा कायाकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/शाहजहांपुर

- जुलाई 2026 तक सौंदर्यीकरण पूरा होने की उम्मीद

अमृत विचार: भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर शाहजहांपुर स्थित परशुरामपुरी एक बार फिर श्रद्धा और आस्था का केंद्र बन गई है। उनकी जन्मस्थली मानी जाने वाली यह पावन भूमि हर वर्ष जयंती पर श्रद्धालुओं से गुलजार हो उठती है।

अब इस ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल को नई पहचान देने के लिए प्रदेश सरकार ने व्यापक विकास कार्य शुरू किए हैं। पर्यटन विभाग की ओर से करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण और कायाकल्प कराया जा रहा है, जिसमें से अब तक 11 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना जुलाई 2026 तक पूरी होने की संभावना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि परशुरामपुरी, जो पहले जोगीखेड़ा और जलालाबाद के नाम से जानी जाती थी, अब अपनी मूल पहचान में लौट रही है। परियोजना के तहत सत्संग भवन, मल्टीपर्पस हॉल, मंदिर मंडप, पार्किंग, डॉरमेट्री, ट्रस्ट कार्यालय और पुजारी कक्ष बनाए जा रहे हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री मोदी 29 को हरदोई से करेंगे लोकार्पण

- मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबा एक्सप्रेसवे 12 जिलों को जोड़ेगा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के बहुप्रतीक्षित गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हरदोई में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तैयार यह मेगा परियोजना प्रदेश के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है।

594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जुडापुर दांदू गांव तक जाएगा। इससे पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा संभव होगी। यह एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 जिलों को जोड़ेगा। इससे 500 से अधिक गांवों में आर्थिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है।

गंगा एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे राज्य की स्थिति और मजबूत होगी। बेहतर कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इससे नए औद्योगिक कॉरिडोर विकसित होंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। किसानों को अपने उत्पाद तेजी से बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी, वहीं प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटन को भी गति मिलेगी। गंगा एक्सप्रेसवे को प्रदेश के आर्थिक विकास का नया इंजन माना जा रहा है।

सोलर क्रांति में लखनऊ सबसे आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पीएम सूर्य घर योजना

- सूरत को पछाड़कर बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड
- रूफटॉप संयंत्रों की कुल संख्या 87 हजार के पार

अमृत विचार: राजधानी लखनऊ ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाते हुए देश में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। योगी आदित्यनाथ सरकार के नेतृत्व में चल रहे अभियान और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभाव से यह उपलब्धि संभव हो सकी है।

उप्र. नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) के निदेशक इंद्रजीत सिंह के अनुसार, लखनऊ में अब तक 87,000 से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, जो किसी भी जिले में सबसे अधिक हैं। वहीं 15 अप्रैल तक चालू वित्तीय वर्ष में 3,133 नए संयंत्र लगाए गए हैं, जिससे लखनऊ ने सोलर अपनाने में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। जो कि अभी तक सूरत के नाम था।

विशेषज्ञों के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में इंडक्शन कुकटॉप और इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग से बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है। ऐसे में उपभोक्ता बिजली बिल कम करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सोलर ऊर्जा की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। रूफटॉप सोलर सिस्टम न केवल दीर्घकालिक बचत दे रहे हैं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता भी बढ़ा रहे हैं।

34 हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीक डिमांड 33 हजार मेगावाट पार होने का अनुमान
- सभी थर्मल यूनिट्स चालू घाटमपुर की तीसरी यूनिट 30 तक होगी शुरू
- बिजली एक्सचेंज के जरिये पूरी की जाएगी अतिरिक्त मांग

अमृत विचार : भीषण गर्मी के बीच प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऊर्जा विभाग ने इस वर्ष पीक (अत्यधिक गर्मी के दौरान) मांग को ध्यान में रखते हुए लगभग 34,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार की है।

ऊर्जा विभाग के मुताबिक, अप्रैल से सितंबर के बीच बिजली की मांग में तेजी से वृद्धि होती है। इस वर्ष जून में पीक डिमांड 33,375 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि मई और जुलाई में यह 31 से 32 हजार मेगावाट के बीच रह सकती है। इसे देखते हुए सभी नए थर्मल पावर प्लांट यूनिट्स को चालू कर दिया गया है। घाटमपुर, खुर्जा, पनकी, ओबरा और जवाहरपुर परियोजनाओं से उत्पादन शुरू हो चुका है, जबकि घाटमपुर की तीसरी यूनिट 30 अप्रैल तक चालू हो जाएगी, जिससे आपूर्ति और मजबूत होगी।

पंकज कुमार (यूपीपीसीएल) के एमडी ने बताया कि पीक आवर्स में करीब 80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से किए गए लांग टर्म एमओयू के जरिए पूरी की जाएगी। वहीं शेष मांग पूरा करने को इंडियन एनर्जी एक्सचेंज, पावर एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड और हिंदुस्तान पावर एक्सचेंज जैसे प्लेटफॉर्म से खरीदी जाएगी। इसके अलावा अन्य राज्यों के साथ 4,663 मिलियन यूनिट बिजली की बैंकिंग व्यवस्था भी की गई है, जिससे जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने बिजली आपूर्ति को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में उपभोक्ताओं को परेशानी न हो।

बढ़ते कदम | 'दुग्ध स्वर्ण महोत्सव 2026' में मुख्यमंत्री योगी का संदेश पढ़ा गया

25 हजार करोड़ के एमओयू से डेयरी क्षेत्र को नई ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 हजार से अधिक पशुपालक कार्यक्रम में हुए शामिल

दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में किए गए एएमयू दिखाते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार : उप्र. दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित 'दुग्ध स्वर्ण महोत्सव 2026' का समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें दुग्ध विकास को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया गया।

लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव में प्रदेशभर से करीब 10 हजार पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों और निवेशकों ने भाग लिया, जबकि लाखों लोग वेबकास्टिंग के माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में स्वदेशी नस्ल के गोपालन और आधुनिक डेयरी तकनीक पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।'नंद बाबा दुग्ध मिशन' के तहत अब तक 10 हजार से अधिक लाभार्थियों को करीब 84 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए गए। महोत्सव के दौरान डेयरी क्षेत्र में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 796 एमओयू निष्पादित हुए, जिससे लगभग 60 हजार रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इसके अलावा 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 59 नए एमओयू भी साइन किए गए, जिनसे 13 हजार अतिरिक्त रोजगार मिलेंगे। प्रदेश में 4 हजार से अधिक नई दुग्ध सहकारी समितियों के गठन से करीब 1.5 लाख दुग्ध उत्पादक लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम में पशुधन, दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालकों, उद्यमियों व अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया।

प्रदेश के 1.03 लाख गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में मिला दाखिला

आरटीई : नामांकन में लखनऊ अव्वल, दूसरे नंबर पर वाराणसी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार की पहल से वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1,03,439 बच्चों का निजी स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित किया जा चुका है। अभी नामांकन प्रक्रिया जारी है, ऐसे में आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है।

जारी आंकड़ों के अनुसार लखनऊ 7,952 नामांकन के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है। इसके बाद वाराणसी (4,957), बुलंदशहर (4,154), बदायूं (3,599), मुरादाबाद (3,246) और आगरा (3,086) प्रमुख हैं। कानपुर नगर (2476), गोरखपुर (2352), अलीगढ़ (2320) और गाजियाबाद (2209) भी टॉप-10 में शामिल हैं।

ऑनलाइन प्रक्रिया से बढ़ी पारदर्शिता : सरकार ने आवेदन और चयन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया है। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार जुलाई तक चलने वाली प्रक्रिया में और अधिक बच्चों को जोड़ा जाएगा, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास को नई गति मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

योजनाओं के पत्रक बांट किया जनता से संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : कैंट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाबू कुंज बिहारी ओम नगर वार्ड के मोहल्ला कोरियाना में विशेष बस्ती संपर्क अभियान का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने क्षेत्रीय नागरिकों से भेंट की और केंद्र व प्रदेश सरकार की संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पत्रक वितरित किए। अभियान के दौरान नेताओं ने लोगों से सीधा संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी और सरकार की उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समस्याएं व सुझाव साझा किए।

तकनीकी महोत्सव यंत्रोत्सव का आयोजन

अमृत विचार, निगोहां : कस्बे स्थित बाबू सुंदर सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में इनोविस्टा द्वारा आयोजित तकनीकी महोत्सव यंत्रोत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम दिवंगत प्रो. दिवाकर सिंह यादव की स्मृति को समर्पित रहा। अब्दुल कलाम हॉल में अतिथियों ने छात्रों के प्रोजेक्ट्स और मॉडलों का अवलोकन कर उनके नवाचार की सराहना की। मुख्य अतिथि रोहित कुमार और विशिष्ट अतिथि अरुणिमा सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

गुरु अंगद देव का प्रकाश पर्व श्रद्धा से मनाया गया

अमृत विचार, लखनऊ : गुरुद्वारा नाका हिंडोला में सिखों के दूसरे गुरु, गुरु अंगद देव का प्रकाश पर्व श्रद्धा व सत्कार के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6 :30 बजे रहिरास साहिब के पाठ से हुई। हजूरी रागी जत्था गुरविंदर सिंह ने शबद कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। ज्ञानी विनोद सिंह ने गुरु अंगद देव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका प्रारंभिक नाम भाई लाहिणा था और गुरु नानक देव की वाणी से प्रभावित होकर उन्होंने स्वयं को गुरु को समर्पित कर दिया। उनकी सेवा, विनम्रता और समर्पण से प्रसन्न होकर गुरु नानक देव ने उन्हें गुरु गद्दी सौंपी।

जीजीआईसी में लगी आग, मचा हड़कंप

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के दौरान हुई घटना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गोमतीनगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में शनिवार को चल रही असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के दौरान प्रधानाचार्या के कमरे में आग लग गई। आग की लपटें देख मौके पर मौजूद कॉलेज प्रशासन ने तुरंत परिसर खाली करा दिया। इसके बाद दमकल को सूचना दी। मौके से पहुंची एक गाड़ी की मदद से दमकलकर्मियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

विनयखंड-4 स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शनिवार सुबह असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी बैठे थे। इसी दौरान करीब 9:15 बजे प्रधानाचार्या के कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग लग गई। कमरे से धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में आग फैल गयी।

आग बुझाता दमकलकर्मी।

मौके पर मौजूद कॉलेज प्रशासन ने परीक्षा केंद्र पर मौजूद अभ्यर्थियों और स्टॉफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कंट्रोल रूम पर सूचना मिलते ही गोमतीनगर फायर स्टेशन से एक गाड़ी मौके पर पहुंची दमकलकर्मियों ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि आग से कमरे में रखा फर्नीचर व दस्तावेज समेत सभी सामान जलकर बर्बाद हो गया।

बंगला बाजार उसरी के ट्रांसफार्मर में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र स्थित बंगला बाजार उसरी इलाके में शनिवार को एक बड़ा हादसा होते होते बच गया। शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली का ट्रांसफार्मर अचानक धू-धू कर जलने लगा और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रांसफार्मर से उठती तेज लपटों के कारण आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भयानक थी कि पास में स्थित एक परचून की दुकान इसकी चपेट में आने वाली थी, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता और सतर्कता से बड़ा नुकसान होने से बच गया। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि इस ट्रांसफार्मर की खराब स्थिति को लेकर पहले भी कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई थी, लेकिन हर बार इसे नजरअंदाज किया गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत या बदलाव किया जाता, तो इस तरह की घटना नहीं होती। सूचना मिलते ही क्षेत्र की बिजली सप्लाई को बंद कर दिया गया।

धू-धू कर जलता ट्रांसफार्मर।

भौली में गूंजा सुंदरकांड पाठ भक्ति में सराबोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- साध्वी रितु भारती ने हनुमान-विभीषण मिलन प्रसंग से बताया ब्रह्मज्ञान का महत्व

अमृत विचारः बख्शी का तालाब क्षेत्र के भौली गांव स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर परिसर में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। संस्थान जो आशुतोष महाराज द्वारा स्थापित एवं संचालित है, जिसमें समय-समय पर आध्यात्मिक एवं सामाजिक जनजागरण के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है।

द्वितीय दिवस पर संस्थान की शिष्या साध्वी रितु भारती ने सुंदरकांड के प्रसंगों का मार्मिक वर्णन करते हुए हनुमान और विभीषण की प्रथम भेंट को विस्तार से समझाया। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई का उल्लेख करते हुए कहा कि बिना प्रभु कृपा के संतों का सान्निध्य प्राप्त नहीं होता।साध्वी ने कहा कि विभीषण, रावण की लंका जैसे तामसी वातावरण में रहते हुए भी उनके हृदय में प्रभु भक्ति की गहरी लालसा थी। यह दर्शाता है कि आत्मा का परमात्मा से मिलन तभी संभव है, जब जीवन में संत रूपी मार्गदर्शक का आगमन हो। उन्होंने ब्रह्मज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्मनिष्ठ गुरु ही साधक को दिव्य दृष्टि प्रदान करते हैं, जिससे वह अपने अंतर्मन में ही ईश्वर का साक्षात्कार कर सकता है।

कार्यक्रम के दौरान साध्वी कात्यानी भारती, साध्वी मंदाकिनी भारती, साध्वी दीपा भारती व साध्वी अर्पण भारती ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते नजर आए।

अतिक्रमण हटाते समय व्यापारी को आया हार्ट अटैक, मौत

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : नगर निगम जोन 2 के राजाजीपुरम ई ब्लाक में अतिक्रमण हटाने के दौरान शनिवार को व्यापारी कुशाल बलेचा को हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से व्यापारियों में आक्रोश फैल गया और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक कुशाल बलेचा

- परिजनों ने लगाया आरोप सामान हटाने का नहीं दिया समय

परिजनों का आरोप है कि दुकानों के शटर और सामान को नुकसान पहुंचाया गया। तोड़ने से पहले सामान हटाने का 5 मिनट का भी समय नहीं दिया गया। नगर निगम के जोनल अधिकारी संजय यादव ने बताया कि यह कार्रवाई राजाजीपुरम व्यापार मंडल के अध्यक्ष ऋषभ गुप्ता की शिकायत के आधार पर की गई। अभियान के दौरान कहीं भी किसी प्रकार का विवाद, तनाव या अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस दुःखद घटना का अतिक्रमण हटाओ अभियान से कोई संबंध नहीं है।

तय समय में हो समस्याओं का समाधान : उपजिलाधिकारी

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार : मलिहाबाद तहसील में आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं एसडीएम अंकित मौर्य ने सुनीं। समाधान दिवस में कुल 79 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय में सभी शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

समाधान दिवस में समस्याएं लेकर पहुंचे लोग।

मिर्जागंज निवासी शारिक शमीम ने शिकायत करते हुए बताया कि उनकी पुत्री सुजैन खान की टीसी देने के लिए सेंट मैरी विद्यालय द्वारा 500 रुपये की मांग की जा रही है। इस पर उपजिलाधिकारी ने खंड शिक्षा अधिकारी को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वहीं बहेलिया निवासी मुन्ना ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत बहेलिया के विकास कार्य का धन पड़ोस की ग्राम पंचायत कसमंडी कला के खसरा संख्या 1153 में स्थित निजी प्लॉटों में खर्च किया गया। आरोप है कि ग्राम प्रधान ओम प्रकाश और उनके परिजनों के प्लॉट पर नियमों के विरुद्ध इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कर लगभग सात लाख रुपये का दुरुपयोग किया गया है।

इसके अलावा सामाजिक न्याय सभा के जीशान वली ने 33 केवी लाइन की बार-बार खराबी और नई लाइन डालने के बावजूद चालू न होने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। इस संबंध में भी जांच की मांग की गई है।

तहसीलदार की अध्यक्षता में हुआ समाधान दिवस

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता तहसीलदार सुखबीर सिंह ने की। समाधान दिवस में भूमि विवाद, अवैध कब्जा और प्लाटिंग से जुड़ी शिकायतों की भरमार रही। फरियादियों ने विभिन्न गांवों की सरकारी व पैतृक जमीनों पर कब्जा और अनियमितताओं के आरोप लगाए। मिर्जापुर (बेंती) निवासी राम सुमेर ने गाटा संख्या 1132 को लेकर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उक्त भूमि उनकी पैतृक संपत्ति है, जिसमें सभी भाइयों का हिस्सा है, लेकिन अभी तक राजस्व अभिलेखों में बंटवारा नहीं हुआ है। इसके बावजूद चचेरे भाई गया प्रसाद व अन्य लोग जमीन पर जबरन निर्माण करा रहे हैं। उन्होंने निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की। हरिहरपुर के भाजपा बूथ अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने ऊसर, बंजर व तालाब के रूप में दर्ज सरकारी भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर बिक्री किए जाने का आरोप लगाया और रोक लगाने की मांग की। वहीं संदीप सिंह ने ग्राम सभा बिजनौर की गाटा संख्या 956 पर कब्जा कर प्लाटिंग किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री पोर्टल पर पूर्व में शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। खटोला निवासी राजेश कुमार ने रतौली गांव की पशु मरघट भूमि (खसरा संख्या 144) पर कब्जा कर प्लाटिंग किए जाने की शिकायत करते हुए जमीन को कब्जामुक्त कराने की मांग की। अन्य फरियादियों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने सभी प्रकरणों में संबंधित विभागों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

सरोजनीनगर में तहसील में समस्या सुनते अधिकारी।

पूरब विधानसभा में नीरज सिंह ने किया प्रतिभागियों का सम्मान

कार्यालय संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार : पूरब विधानसभा क्षेत्र के इंदिरा नगर स्थित मैथिली शरण गुप्त वार्ड के दत्त भवन में संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा नेता डॉ. नीरज सिंह और विधायक ओपी श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न वार्डों से आए सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र प्रताप सिंह, मनोज, जितेंद्र वाल्मीकि, रमेश वाल्मीकि और रामप्रवेश रावत को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि समाज के वंचित और पीड़ित वर्गों को अधिकार और सम्मान दिलाने वाले महान समाज सुधारक भी थे। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सौरभ वाल्मीकि, जीडी शुक्ला, सीता नेगी, मंडल अध्यक्ष रीना चौरसिया, कार्यालय प्रभारी डेनिश सोनकर, पूर्व उपाध्यक्ष राकेश सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

समाजसेवी को सम्मानित करते हुए भाजपा नेता नीरज सिंह ।

वन भूमि कब्जे व किसान योजना के मुद्दे गूंजे

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : बख्शी का तालाब तहसील में आयोजित समाधान दिवस में प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही के मुद्दे प्रमुखता से उठे। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अजय जैन के समक्ष पेश शिकायतों ने राजस्व और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए।

ग्राम उमरिया निवासी सनी कुमार ने आरोप लगाया कि गाटा संख्या 429, 430 व 423, जो राजस्व अभिलेखों में वन विभाग की भूमि दर्ज है, उस पर करीब 15 वर्ष पूर्व अवैध रूप से मस्जिद का निर्माण कर लिया गया। उनका कहना है कि यह निर्माण वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से संभव हुआ। साथ ही संबंधित वन दरोगा के लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात रहने पर भी सवाल उठाए गए। शिकायतकर्ता ने भूमि को कब्जामुक्त कराते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। वहीं भाकियू नेता अमरेंद्र सिंह ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना में लापरवाही का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि तहसील बीकेटी में सैकड़ों लाभार्थियों की फाइलें तहसीलदार कार्यालय में लंबित हैं, विशेषकर वे मामले जिनमें लाभार्थियों के माता-पिता का निधन हो चुका है और वारिस पात्र हैं, फिर भी कार्रवाई नहीं हो रही है।

तहसील समाधान दिवस में सुनवाई करते सीडीओ व अन्य अधिकारी।

मलौली अग्निकांड: फसल बर्बादी पर मुआवजे की मांग

अमृत विचार, गोसाईंगंज : गोसाईंगंज की ग्राम पंचायत मलौली में बीते दिनों हुई भीषण आगजनी में किसानों की पकी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। इस मामले को लेकर तहसील दिवस (मोहनलालगंज) में क्षेत्र पंचायत सदस्य (वार्ड-66) श्रीमती रेनू यादव ने प्रशासन को शिकायती पत्र सौंपकर पीड़ित किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की। रेनू यादव के प्रतिनिधि मोती लाल यादव ने बताया कि 16 अप्रैल 2026 को लगी आग में करीब एक दर्जन किसानों की 8 से 10 बीघा तैयार फसल नष्ट हो गई। घटना के बाद लेखपाल और राजस्व टीम ने मौके का मुआयना किया, लेकिन अब तक किसी भी किसान को आर्थिक सहायता नहीं मिली है। इस अग्निकांड में किसानों की सालभर की मेहनत बर्बाद हो गई, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। शिकायती पत्र में मांग की गई है कि नुकसान का सही आकलन कर प्राथमिकता के आधार पर राहत कोष से जल्द मुआवजा दिया जाए।

फसल बर्बादी की मांग करते किसान।

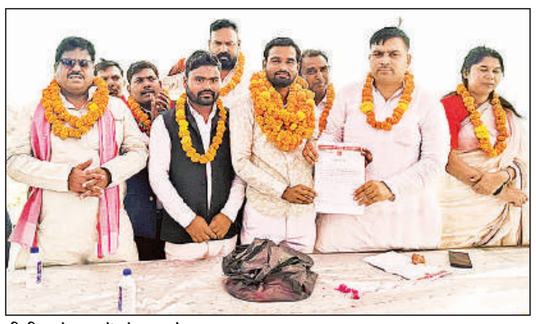
पीडीए चौपाल में मौजूद लोग।

सपा ने किया पीडीए चौपाल व तहरी भोज का आयोजन

संवाददाता, गोसाईंगंज

- संविधान की रक्षा और 2027 में बदलाव का लिया संकल्प

अमृत विचार : मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के गोसाईंगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा रटई मजरा काजी खेड़ा में समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा PDA चौपाल एवं तहरी भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए।

पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने उपस्थित लोगों का आभार जताते हुए वंचित, शोषित, गरीब, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है, जिसकी रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और समान अवसर के सिद्धांतों को धरातल पर उतारने के लिए जनभागीदारी जरूरी है। साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव में बदलाव लाने और सपा को भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया गया।

सपा लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष शशिलेंद्र यादव ने पूर्व सपा सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दोबारा सरकार बनने पर गरीब और पिछड़े वर्गों के हित में नई योजनाएं लागू की जाएंगी।

न्यूज ब्रीफ

बेकाबू वोल्वो की टक्कर से कार चालक गंभीर

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार वोल्वो कार ने सड़क किनारे खड़ी स्विफ्ट डिजायर को टक्कर मार दी। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बदायूं निवासी सत्यभान सिंह (30) शहीद पथ की सर्विस रोड पर औरंगाबाद अंडरपास के पास अपनी कार खड़ी कर आराम कर रहा था। तभी विपरीत दिशा से आई वोल्वो कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि स्विफ्ट डिजायर पलट गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद वोल्वो सवार चार युवक कार छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को पहले लोक बंधु अस्पताल, फिर ट्रॉमा सेंटर लखनऊ भेजा। पुलिस ने दोनों वाहन कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

दुष्कर्म के आरोपी पर लूट की धारा बढ़ी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : शराब पिलाकर महिला से दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार आरोपी अभिमन्यु राजपूत उर्फ मन्ना को पुलिस ने शनिवार को जेल भेज दिया। जांच में लूट की पुष्टि होने पर पुलिस ने मुकदमे में लूट की धारा भी बढ़ा दी है। उन्नाव निवासी पीड़ित के अनुसार, 15 अप्रैल को आरोपी महिला को दरोगा खेड़ा स्थित एक ढाबे पर ले गया, जहां उसे शराब पिलाकर नशे की हालत में दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी महिला के गहने भी लेकर फरार हो गया।

विद्यार्थियों ने पदयात्रा कर दिया संदेश

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में एनएसएस के तहत नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर तीन दिवसीय कार्यक्रम हुआ। परिचर्चा में वक्ताओं ने इसे महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाला अहम कदम बताया। डॉ. आद्या शक्ति राय और डॉ. विजय शंकर शर्मा ने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। तीसरे दिन एनएसएस व एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में पदयात्रा निकाली गई। विद्यार्थियों ने नारे लगाकर जागरूकता फैलाई। कार्यक्रम के माध्यम से परिसर व आसपास के क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और समानता का संदेश दिया गया।

आईआईएम में महिलाओं की भूमिका पर मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ में लोकनीति भारत के सहयोग से 'नारी निर्माण, नेतृत्व निर्माण 2047' विषय पर दो दिवसीय विमर्श आयोजित हुआ। इसमें विकसित भारत 2047 के परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की भूमिका और नेतृत्व पर व्यापक चर्चा की गई। प्रो. संजय सिंह ने कहा कि बदलाव के लिए सक्रिय भागीदारी जरूरी है और महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। तकनीकी सत्र में डॉ. नवनीत कुमार शुक्ला ने महिलाओं को उद्यमिता नीतियों का लाभ उठाने की सलाह दी।

पंचायत चुनाव: फिर बढ़ी मतदाता सूची की तारीख

पांचवीं बार बढ़ी तारीख, अंतिम प्रकाशन अब 10 जून को

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया संशोधित कार्यक्रम

अमृत विचार : प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर एक बार फिर बदलाव देखने को मिल रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख एक बार फिर बढ़ा दी है। अब यह सूची 10 जून 2026 को जारी की जाएगी। यह पांचवीं बार है, जब सूची के प्रकाशन की तारीख आगे बढ़ाई गई है।

आयोग के नए कार्यक्रम के अनुसार, 21 अप्रैल से 28 मई तक मतदाता सूचियों का कंप्यूटरीकरण और डुप्लीकेशन हटाने का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 29 मई से 9 जून तक मतदेय स्थलों की मैपिंग, वार्डों का क्रमांकन और फोटो प्रतियां तैयार की जाएंगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद 10 जून को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।

पहले कई बार बढ़ चुकी है तारीख : गौरतलब है कि प्रारंभिक रूप से मतदाता सूची का प्रकाशन 15 जनवरी को प्रस्तावित था। इसके बाद इसे क्रमशः 6 फरवरी, 28 मार्च, 15 अप्रैल और 22 अप्रैल तक बढ़ाया गया। अब पांचवीं बार तारीख बढ़ाकर 10 जून कर दी गई है।

40 लाख से अधिक बढ़े मतदाता : आयोग की ओर से 23 दिसंबर 2025 को जारी अनंतिम सूची में प्रदेश में कुल 12.69 करोड़ मतदाता दर्ज किए गए थे, जो पिछले चुनाव की तुलना में करीब 40.19 लाख अधिक थे। इस पर प्रदेशभर से दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई थीं, जिनकी सुनवाई पूरी कर ली गई है।

अंतिम आंकड़ों का इंतजार : अब शेष तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। अंतिम सूची जारी होने के बाद ही प्रदेश में मतदाताओं की वास्तविक संख्या और बढ़ोतरी का स्पष्ट आंकड़ा सामने आएगा।

हाईवे पर कारोबारी और उसकी महिला रिश्तेदारों से मारपीट

अमृत विचार, सरोजनीनगर : गोमतीनगर विस्तार के भरवारा दुर्गापुरी कॉलोनी निवासी उदय उपाध्याय शनिवार शाम अपनी दो महिला रिश्तेदारों के साथ बंथरा स्थित डी-मार्ट से खरीदारी कर लौट रहे थे। बंथरा थाने के पास पिलर संख्या पी-52 के निकट आगे चल रही आई-20 कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे टक्कर होने से बची। इस पर कारोबारी द्वारा टोके जाने पर आई-20 सवार चार-पांच युवक गाड़ी रोककर नीचे उतर आए और गाली-गलौज करते हुए बेल्ट से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई महिला रिश्तेदारों के साथ भी अभद्रता की गई। हमलावरों ने ईंट से फॉर्च्यूनर का शीशा तोड़ दिया। घटना का वीडियो राहगीरों ने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पति ने निजी अंग में डाली मिर्च

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गुडंबा थाने में पति समेत चार पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: गुडंगा थाने में महिला ने पति व ससुरालवालों पर उत्पीड़न, मारपीट और दुष्कर्म का आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पति ने जबरदस्ती करते हुए निजी अंगों पर लाल मिर्च पाउडर डाल दिया। पुलिस ने पति समेत चार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सीतापुर निवासी पीड़िता ने बताया कि 30 अक्टूबर 2010 को उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद पति के शराबी होने की जानकारी हुई। इसके बाद आए दिन मारपीट करने लगा। ससुराल पक्ष की तरफ से 10 लाख रुपए दहेज की मांग की जाती रही। पीड़िता ने अपने पिता से 2 लाख लेकर पति को दिए, लेकिन इसके बावजूद उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। आरोप है कि पति, सास, ससुर और देवर ने मिलकर सारे जेवर अपने पास रख लिए और उसे बच्चों सहित घर से निकाल दिया। इसके बाद महिला किराए पर रहकर ब्यूटीशियन का काम करने लगी। 10 जून 2024 को पति ने माफी मांगकर दोबारा साथ रहने लगा। तीन महीने बाद उसने नशे की दवाइयां देना शुरू कर दी, जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई। शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई और आरोपी पति हैदराबाद भाग गया। अक्टूबर 2024 को पति वापस आया और फिर माफी मांगकर साथ रहने की बात कही। लेकिन कुछ ही दिनों बाद उसने दोबारा मारपीट की और जबरन गलत काम करते हुए लाल मिर्च डाल दी। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गया। इंस्पेक्टर गुडंबा अंजनी मिश्रा का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

संवाददाता, माल

सुनैना

अमृत विचार : माल थाना क्षेत्र के शाहमऊ कंधरतला गांव में 25 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के भीतर फंदे से लटका मिला। मृतका के भाई ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, शाहमऊ कंधरतला निवासी सूरज रैदास की पत्नी सुनैना शुक्रवार शाम किसी बात को लेकर विवाद के बाद घर पर अकेली थी। सूरज गांव में आयोजित अंबेडकर जयंती मेले में चला गया था। देर रात जब वह घर लौटा तो उसने सुनैना का शव कमरे में कुंडे से रस्सी के सहारे लटका देखा। शोर मचाने पर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन महिला को नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित लविवि की डॉ. भुवनेश्वरी और प्राचार्या मंजुला उपाध्याय व अन्य।

रामायण के पात्र राम के व्यक्तित्व को और अधिक बनाते हैं प्रभावी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नवयुग कन्या महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राम के आदर्श व्यक्तित्व को रामायण के अन्य पात्र और प्रभावी बनाते हैं। शिल्पी सेन ने कहा कि सीता के बिना राम मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं हो सकते। अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने नारी शक्ति, नैतिक मूल्यों और रामचरितमानस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने राम-सीता को आदर्श बताया। प्रतियोगिता में आस्था त्रिपाठी प्रथम रहीं।

सैन्यकर्मी की पत्नी से 60 लाख ठगने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : पीजीआई पुलिस ने प्लॉट दिलाने का झांसा देकर सैन्यकर्मी की पत्नी से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी गौरव अवस्थी मोहनलालगंज के दैहर गांव का निवासी है। पुलिस इस मामले में पहले ही तीन आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

मूल रूप से उन्नाव निवासी सैन्यकर्मी विजय कुमार सिंह की पत्नी गायत्री देवी ने 9 जनवरी 2025 को धोखाधड़ी और जालसाजी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि आरोपियों ने प्लॉट दिलाने का झांसा देकर 73 लाख रुपये वसूले और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रजिस्ट्री कर दी। फर्जीवाड़ा सामने आने पर पीड़िता ने रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने केवल 13 लाख लौटाए, शेष रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि थाने में सुनवाई न होने पर उन्होंने उच्च अधिकारियों को शिकायत भेजी, जिसके बाद मुकदमा दर्ज हुआ। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह के अनुसार, शनिवार को आरोपी को वृंदावन सेक्टर-14 स्थित नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरोह के अन्य सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) टोल–फ्री 1800 1800 5000 वेबसाइट "www.ldalucknow.in"

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यवसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेंट–ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तांतरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन/फ्लैट संख्या	योजना का नाम व सेक्टर/खण्ड	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) का संबंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	स्व0 बालादीन	भूखण्ड संख्या–2/96	विक्रान्त खण्ड गोमती नगर	19.11.2020	श्री सुनील प्रताप सिंह श्रीमती सुधा सिंह	उत्तराधिकार के आधार पर श्रीमती सुषमा प्रकाश, श्रीमती सुमन चौधरी	पुत्र विवाहित पुत्रियां
2.	स्व0 मो अकबर खान ज़मज़म	भवन संख्या–E-1/55	सेक्टर–बी, अलीगंज योजना	29.11.2022	श्रीमती अनीसा खातून रजिस्टर्ड वसीयत के अनुसार	–––	बहू
3.	आवंटी/मृतक श्री राम गुलाम	भवन सं.–ई–63 सेक्टर–सी–1	कानपुर रोड	31.07.2013	श्री सुशील कुमार रावत	श्रीमती कलावती, श्रीमती गायत्री रावत, श्रीमती माया	पत्नी, विवाहित पुत्रियां
4.	श्री न्यादर मल	भूखण्ड संख्या – एच–60	सेक्टर–एच साउथ सिटी शारदा नगर योजना	02.01.2018	1. श्री विनोद कुमार संगल 2. श्रीमती मधु संगल	रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर	पुत्र पुत्रवधू
5.	स्व0 पन्ना मिश्रा स्व0 सत्येन्द्र दत्त मिश्रा श्री ज्ञानेन्द्र दत्त मिश्रा	भूखण्ड संख्या–बी 2/78	विशाल खण्ड गोमती नगर योजना	22.11.1995 17.04.2021	श्रीमती कविता मिश्रा कु0 रूपल मिश्रा, कु0 रुचि मिश्रा, कु0 वाणी मिश्रा, श्री ज्ञानेन्द्र दत्त मिश्रा	–––	पत्नी, पुत्री, पुत्री, पुत्री पुत्र/भाई

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

राजमिस्त्री ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, लखनऊ: पीजीआई क्षेत्र के बरौली गांव में शनिवार सुबह 42 वर्षीय संजय गौतम का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। वह पेशे से राजमिस्त्री था। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार रात खाना खाने के बाद वह कमरे में सोने गए थे। सुबह देर तक बाहर न आने पर परिजन पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखने पर वह पंखे से लटके मिले। दरवाजा तोड़कर उन्हें ट्रॉमा सेंटर लखनऊ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

वीडियो बनाने के विरोध पर युवक को पीटा, पैर टूटा

संवाददाता, माल

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के मंझी गांव में गोमती नदी में स्नान कर रहीं महिलाओं का वीडियो बनाने के विरोध पर मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि आधा दर्जन से अधिक युवकों ने एक युवक को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसका पैर टूट गया।

पीड़िता के अनुसार, शनिवार शाम वह परिवार व अन्य महिलाओं के साथ विसर्जन के लिए नदी गई थी। इसी दौरान नाव पर सवार कुछ युवक मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने डंडों से हमला कर दिया। बाद में भाग रहे परिजनों का पीछा कर रामनगर के पास रिश्तेदार छोटू को फिर पीटा।

घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

जाली रजिस्ट्री कर 38 लाख का लोन हड़पा, दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : वजीरगंज पुलिस ने फर्जी रजिस्ट्री कर रिटायर्ड दरोगा का मकान बेचकर 38 लाख रुपये का लोन लेने वाले दो जालसाजों को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से आधार, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, आलमनगर प्रभातपुरम निवासी रिटायर्ड दरोगा बाबूराम की तहरीर पर मामला दर्ज हुआ था। जांच में कृष्णानगर निवासी दयानंद पांडेय और राजकमल सिंह की संलिप्तता सामने आई। दयानंद ने खुद को बाबूराम बताकर मकान की फर्जी रजिस्ट्री कर दी, जबकि राजकमल बैंक में सेटिंग कर लोन पास कराता था।

पुलिस ने दोनों को शहीद स्मारक के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

सपा नेता पर अफसर को धमकी देने का आरोप, एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ: कलेक्ट्रेट परिसर स्थित चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी के कार्यालय में एक सपा नेता द्वारा हंगामा और धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नेता ने अपने पक्ष में आदेश कराने के लिए दबाव बनाया और विरोध होने पर आत्महत्या की धमकी दी। चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी विनोद कुमार सिंह के अनुसार, बंथरा बीबीपुर निवासी राम बाबू चौरसिया 6 अप्रैल को कक्ष संख्या 20 में जबरन घुस आए और कर्मचारियों के बीच हंगामा करने लगे। उस समय कर्मचारी सरकारी कार्य में व्यस्त थे। आरोप है कि उन्होंने कर्मियों को धमकाया और आदेश पक्ष में न होने पर आत्महत्या की बात कही, जिससे कार्य बाधित हुआ। मामले में कैसरबाग थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इंस्पेक्टर अंजनी मिश्रा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में गिरफ्तार मजदूरों की रिहाई की मांग

केंद्रीय श्रम संगठनों की बैठक में आंदोलन के दमन की निंदा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः सीटू के राज्य कार्यालय में केंद्रीय श्रम संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई, जिसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा में चल रहे मजदूर आंदोलन पर सरकारी कार्रवाई की कड़ी आलोचना की गई। बैठक के बाद जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि यह केवल औद्योगिक विवाद नहीं, बल्कि मजदूरों के अधिकारों का संघर्ष है, जिसे दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

बैठक के बाद जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि 9 अप्रैल से शुरू हुआ आंदोलन तेजी से फैलते हुए हजारों मजदूरों को जोड़ चुका है।

आंदोलकारी मजदूरों के दमन के खिलाफ मार्च निकालते ऐक्टू के सदस्य।

संगठनों ने आरोप लगाया कि प्रदेश में 2014 के बाद वेतन संशोधन नहीं हुआ और श्रम कानूनों का पालन नहीं किया जा रहा है। ठेका मजदूरों से कम वेतन पर अधिक समय तक काम कराया जा रहा है, जबकि उन्हें ओवरटाइम, अवकाश, ईएसआई, पीएफ और बोनस जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

बैठक में 350 से अधिक मजदूरों की गिरफ्तारी, महिला मजदूरों के साथ दुर्व्यवहार और आंदोलन को बदनाम करने के प्रयासों की भी निंदा की गई। इस दौरान इंटक, एटक, एचएमएस और सीटू के पदाधिकारी मौजूद रहे।

परिवर्तन चौक से डीएम कार्यालय तक निकाला जुलूस

अमृत विचार, लखनऊ : नोएडा में आंदोलनकारी मजदूरों पर हो रहे दमन के विरोध में ऑल इंडिया सेंट्रल काउन्सिल ऑफ ट्रेड यूनियन्स (ऐक्टू) के आह्वान पर शनिवार को परिवर्तन चौक से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च निकाला गया। जिला मंत्री का. कुमार मधुसूदन मगन के नेतृत्व में मजदूरों ने नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारियों ने गिरफ्तार मजदूरों की रिहाई और दमनकारी कार्रवाई बंद करने की मांग की। जुलूस डीएम कार्यालय पहुंचा, जहां राज्यपाल को संबोधित पांच सूत्रीय मांगपत्र अपर जिलाधिकारी (भूमि अधिग्रहण) कमलेश कुमार को सौंपा गया।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 19 अप्रैल 2026 www.amritvichar.com

सुनहरे अतीत की परछाई
लाल इमली मिल

150 साल पहले स्थापित मिल जो 'मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट' की थी पहचान, अब इतिहास का हिस्सा

कभी मिलों-फैक्ट्रियों के एक के बाद एक बजते सायरन, मशीनों की गड़गड़ाहट और सड़कों पर मजदूरों की साइकिलों की घंटियों से गुलजार रहने वाले शहर कानपुर की शान कही जाती थी, लाल इमली। एक ऐसी मिल जिसने इस शहर को न सिर्फ दुनियाभर में प्रसिद्धि दिलाई, बल्कि पूरब को मैनचेस्टर बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। 'लाल इमली' ब्रांड भरोसे और गुणवत्ता की पहचान था। देश में तो लोग गर्व से इस मिल में निर्मित ऊनी कपड़े पहनते ही थे, इंग्लैंड और यूरोप तक भी यहां के उत्पादों की धाक थी। आज यह मिल भले ही बंद हो चुकी हो, लेकिन कानपुरवासियों के लिए इसकी भव्य इमारत सांस्कृतिक विरासत का केंद्र होने के साथ गौरव, मेहनत और शिल्प कौशल की तमाम यादें संजोए है। इसकी लाल ईंटें और खामोश मशीनें आज भी देश की औद्योगिक यात्रा के सपनों को साकार करने की गाथा समेटे अतीत, वर्तमान और भविष्य की कहानी सुनाती नजर आती हैं। लाल इमली अब ऊनी सामान का उत्पादन भले न करती हो, लेकिन आज की पीढ़ी के लिए अपनी समृद्ध विरासत पर अभिमान करने वाली उस किताब जैसी है, जो बड़ी संख्या में इतिहासकारों, वास्तुकारों, फोटोग्राफरों के साथ डिजाइन और इंजीनियरिंग के छात्रों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती है।

– मनोज त्रिपाठी, कानपुर

80 साल का राम नरेश अपने बेटे और पौत्र के साथ प्रतापगढ़ से कानपुर आया तो फसाड लाइट से जगमग लालइमली को देखने से खुद को रोक नहीं पाया। उसकी और बेटे की यादें जो जुड़ी थीं इस मिल से। सड़क किनारे बेटे ने जब नेपथ्य में मिल की चकाचौंध दिखाने वाले एंगल से एक साथ खड़ी तीन पीढ़ियों की सेल्फी ली तो राम नरेश की आंखें गीली हो गईं। अभी वह मिल से अपनी विदाई और बेटे की बैठकी को याद ही कर रहा था कि पौत्र ने यह कहकर झिंझोड़ दिया कि बाबा मैं भी यहां काम करूंगा। अब भला बाप-बेटे उस सात साल के बच्चे को कैसे समझाते कि मिल बंद हो चुकी है और सिर्फ सुनहरी यादें ही रह गईं हैं। राम नरेश जैसी कहानी लाल इमली के उन हजारों मजदूरों की है, जो मिल दोबारा चलने की उम्मीद टूटने के बाद गांव लौट चुके हैं या फिर शहर में ही रहकर दो जून की रोटी के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। कभी उनके दिलों की धड़कन और परिवार की तरक्की का सबब रही सरकारी मिलों में सबसे बड़ी, लाल इमली, जो अपने ऊनी वस्त्रों की गुणवत्ता के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध थी, आज अपनी जर्जर, लेकिन विशाल इमारत, टूटी खिड़कियों और पुरानी मशीनों के साथ सिर्फ अतीत की परछाई भर बनकर रह गई है।

ब्रिटिश इंजीनियरिंग और भारतीय कौशल से बनी आकर्षक इमारत

कानपुर में सिविल लाइंस के समीप भव्य लाल ईंटों की इमारत लाल इमली बीती डेढ़ सदी से शहर की पहचान है। कानपुर का दिल और धड़कन कही जाने वाली इस मिल की भारत और यूरोपीय औद्योगिक शैली में निर्मित इमारत में ब्रिटिश इंजीनियरिंग और भारतीय कौशल का ऐसा अद्भुत संगम नजर आता है, जिसका आकर्षण आज भी अनूठा है। 19 वीं सदी में बनी इस मिल की डिजाइन तत्कालीन वास्तुकला का ऐसा बेहतरीन उदाहरण है, जिसे मजदूरों के कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया था। मिल में बड़ी-बड़ी मेहराबदार खिड़कियों से भीतर भरपूर धूप और ताजी हवा पहुंचती थी। मोटी ईंट की दीवारें गर्मी के मौसम में बिल्डिंग को ठंडा रखती थीं। आज भी, मिल की लाल दीवारें, ऊंची छतें और लयबद्ध खिड़की के पैटर्न देखकर लोग कह उठते हैं कि भवन निर्माण की आधुनिक तकनीक और एयरकंडीशनिंग सिस्टम आने से पहले कैसे किसी इमारत को इतना सुंदर और डिजाइनर होने के साथ व्यावहारिक तथा टिकाऊ बनाया गया होगा।

परिसर में लाल इमली का बड़ा पेड़ जो बन गया वैश्विक ब्रांड

1857 में कानपुर में गंगा किनारे हुए सत्ती चौरा संग्राम में 300 ब्रिटिश सैनिक मारे गए थे। इस घटना के बाद अंग्रेजों ने पूरे शहर को छावनी में बदल दिया। ब्रिटिश फौज की भारी तैनाती से कंबल, ऊनी कपड़ों, लोई और गर्म कपड़ों की जरूरत काफी बढ़ गई। इस मांग को पूरा करने के लिए ही कॉनपोर वूलेन मिल्स की स्थापना की गई। वर्ष 1876 में जॉर्ज एलन, वीई कूपर, गैविन एस जोन्स, डॉ. कोंडोन और बिवैन पेटमैन ने लाल इमली मिल की स्थापना की। परिसर में इमली का एक बड़ा पेड़ था, जिसकी इमली लाल रंग की होने के कारण इसका नाम 'लाल इमली' पड़ गया।

समय के धागे जैसी मिल में स्थापित घंटाघर की कहानी

लाल इमली देश में औद्योगिक क्रांति का दौर शुरू होने की दास्तान भी सुनाती है। यह वह समय था, जब देश में घड़ियों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। लोग समय का अंदाज सूरज के चढ़ने और ढलने तथा जमीन पर पड़ने वाली परछाई से लगाते थे। सामान्य जीवन में समय की पाबंदी का आज जैसा महत्व भी नहीं था। यह वह समय था, जब घड़ी खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं थी। ऐसे में लाल इमली मिल के शुरू होने पर कानपुर के लोगों के लिए घंटे और मिनट का महत्व बढ़ गया। आठ-आठ घंटे की तीन पालियों में चलने वाली मिल में मजदूरों को समय से पहुंचना होता था, लेकिन सही समय का पता कैसे चले, घड़ी अधिकतर लोगों के पास होती ही नहीं थी। इसी समस्या को हल करने के लिए मिल के प्रबंधक गैविन एस जोन्स ने मिल के पूर्वी कोने पर ऊंची मीनार बनवाकर वर्ष 1880 में घड़ी लगवाई, जिसकी सुइयां इंग्लैंड से आयात की गईं। शहर का यह पहला 'क्लॉक टावर' लगभग दो लाख रुपये में बना था। छह महीने में बनकर तैयार हुए इस टावर को देखने दूर-दूर से लोग आते थे। इसके बाद लाल इमली मिल प्रबंधन ने घंटाघर बनाने का फैसला लिया। वर्ष 1911 में मिल की इमारत में घंटाघर बनना शुरू हुआ, जो वर्ष 1921 में बनकर तैयार हुआ। इसमें खास बात यह थी कि इस घंटाघर को लंदन के बिग बेन की तर्ज पर बनाया गया। इस घंटाघर की ऊंचाई 128 फुट थी। इतनी ऊंचाई के बावजूद घंटाघर की टिकटिक करती सुइयां नीचे से साफ तौर पर सुनी जा सकती थीं।

बीआईसी का अंतिम अवशेष है मिल

ब्रिटिश इंडिया कॉरपोरेशन (बीआईसी) के अधीन कानपुर की लाल इमली और पंजाब में स्थित धारीवाल मिल का संचालन होता था। 1920 में ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन को स्थापित किया गया था। इसके बाद लाल इमली के संचालन के लिए एक निदेशक मंडल बनाकर लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया। वर्ष 1956 में मुद्रा घोटाले के बाद निदेशक मंडल को भंग कर दिया गया। 11 जून 1981 को हुए राष्ट्रीयकरण के बाद यह मिल भारत सरकार के अधीन हो गई थी। वर्ष 1992 में इसे बीमार यूनिट घोषित कर दिया गया। इसके बाद साल 2012 से मिल में उत्पादन बंद हो गया।

ऐसा औद्योगिक डिजाइन जिसने सामाजिक समृद्धि की नींव रखी

अपने समय के आधुनिक कारखानों में गिनी जाने वाली लाल इमली मिल ने अपनी यात्रा में हजारों परिवारों के जीवन का निर्माण किया और उन्हें नया आकार दिया। इसने ऊनी वस्त्रों के एक कारखाने से कहीं आगे बढ़कर एक संस्कृति और समुदाय का निर्माण किया। मिल के आसपास आवासीय कॉलोनियां, स्कूल, अस्पताल और बाजार विकसित हुए, जिन्होंने दिखाया कि कैसे एक औद्योगिक डिजाइन सामाजिक समृद्धि से जुड़कर मजदूरों और उनके परिवार के लिए बेहतर जीवनशैली का निर्माण कर सकता है। वर्ष 1950 के आसपास लाल इमली में करीब 10 हजार श्रमिक कार्यरत थे, यह समय मिल के स्वर्णिम युग जैसा था। तीन शिफ्टों में काम चलता था। मशीनें कभी बंद नहीं होती थीं। इसके हूटर की आवाज से तीन किमी क्षेत्र में लोगों को पता चल जाता था कि अभी क्या समय हुआ है।

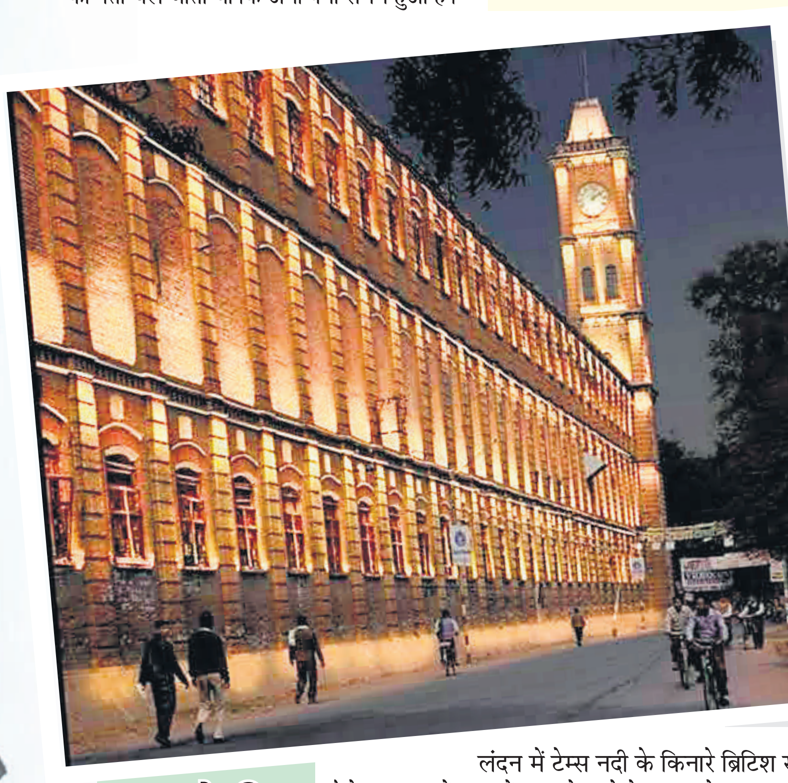

फसाड लाइटिंग से रोशन होने पर विरासत को लगे चार चांद

लाल इमली अब एक ऐतिहासिक इमारत और कानपुर की वास्तुकला का गौरव है, इसे देखते हुए कानपुर स्मार्ट सिटी मिशन के जरिए मिल की ऐतिहासिक इमारत को फसाड लाइटिंग से नया स्वरूप प्रदान किया गया है। चार साल पहले इस काम पर एक करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। डिजाइन फैक्ट्री इंडिया (डीएफआई) ने मिल की विरासत के पुनरुद्धार की योजना को धरातल पर उतारा। उसे इमारत के 100 मीटर लंबे अग्रभाग को रोशन करने का काम सौंपा गया। लक्ष्य था वास्तुशिल्पीय विशेषताओं को उजागर करते हुए मिल की खोई हुई शान को वापस लाना। डीएफआई ने पाया कि मिल परिसर की वास्तुकला दिलचस्प है, मिल औपनिवेशिक तत्वों और अग्रणी निर्माण तकनीक से सुसज्जित है। इन विशेषताओं को उजागर करने के लिए उसने कई डिजाइन दृष्टिकोण विकसित किए। इसमें फसाड लाइटिंग से प्रकाश के फैलाव, किरणों के कोण, प्रकाश की तीव्रता और रंग के तापमान को लेकर कलात्मक दृष्टिकोण के साथ व्यापक शोध किया गया। अंततः लाइटों की रोशनी से बनने वाली परछाइयों का कुछ इस तरह संयोजन किया गया, जो एक शांत, लेकिन उत्सवपूर्ण दृश्य प्रस्तुत करता है। काम पूरा होने के बाद यहां फोटोग्राफी के शौकीन, सेल्फी लेने वाले और रील बनाने वालों की भीड़ बढ़ गई। लोग दूर-दूर से इमारत की भव्यता देखने आने लगे।

लंदन के बिग बेन से काफी समानता लोगों को टाइम मैनेजमेंट समझाया

लंदन में टेम्स नदी के किनारे ब्रिटिश सरकार का मुख्यालय वेस्टमिंस्टर पैलेस 1834 में आग में नष्ट हो जाने के बाद, जो नया महल बनाया गया, उसमें एक घंटाघर भी स्थापित किया गया। बिग बेन के नाम से मशहूर इसकी घड़ी आज भी लंदन के प्रतिष्ठित स्थलों में शामिल है। यहां तक कि बिग बेन, जिसे अब एलिजाबेथ टॉवर कहा जाता है, के बिना कोई लंदन या इंग्लैंड के बारे में सोच भी नहीं सकता। वेस्टमिंस्टर पैलेस की तरह साल 1910 में लाल इमली मिल भी आग में जलकर काफी नष्ट हो गई थी।

इसके बाद मिल की इमारत के साथ घंटाघर भी बनाया गया। इसका निर्माण 1911 में शुरू हुआ और 1921 में पूरा हुआ। लाल इमली के इस घंटाघर के कारण कानपुर के लोगों को घंटे और मिनट का महत्व समझ में आने लगा। मजदूर समय से मिल में पहुंचने लगे। मिल के टाइम कीपर को भी कब पाली शुरू होगी, कब पाली बदलेगी, कब लंच होगा, जैसी चीजों का प्रबंधन करने में आसानी हो गई। इसके साथ ही जो लोग मिल में काम नहीं करते थे, उन्हें भी समय के मूल्य का एहसास होने लगा। इस तरह लाल इमली के घंटाघर ने तत्कालीन समाज को टाइम मैनेजमेंट का महत्व समझा दिया।

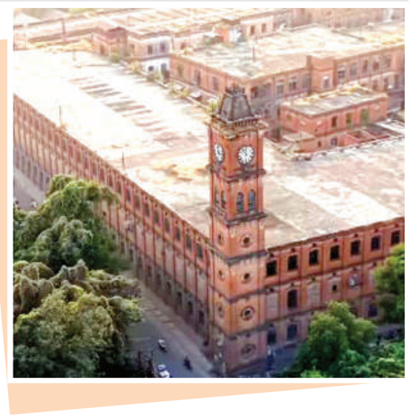

आस्ट्रेलिया की मेरिनो भेड़ की वूल से बनते थे विश्व प्रसिद्ध उत्पाद

लाल इमली अपने वूलन क्लॉथ के लिए मशहूर थी। एक जमाने में यहां आस्ट्रेलिया की मेरिनो भेड़ के बाल से बनने वाली वूल से कंबल, लोई, मोजे, मफलर, टोपी व कपड़े बनाए जाते थे, जो इतने गर्म होते थे कि पहनने वाले को कड़ाके की ठंड में भी पसीना छूट जाता था। सियाचिन और लद्दाख सीमा पर तैनात होने वाले सैनिकों के लिए लाल इमली के वूलन कपड़े बर्फ से बचाव में कवच का काम करते थे। यहां बनने वाली '60 नंबर लोई' पूरी दुनिया में प्रसिद्ध थी, जिसे इंग्लैंड, अमेरिका, रूस और जर्मनी तक निर्यात किया जाता था। यह वही लोई थी, जिसे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बाद राजीव गांधी बड़े चाव से ओढ़ते थे। अपनी इसी धमक के चलते लाल इमली को बेस्ट वूलन क्लॉथ के लिए स्पेन में इंटरनेशनल ग्लोबल अवार्ड भी प्रदान किया गया था। यही वह समय था, जब मिल के आउटलेट्स खरीदारों की भीड़ से भरे रहते थे। इस तरह लाल इमली भारत की पहली ऊनी मिल थी, जिसने वैश्विक ऊन बाजार में देश को शानदार मुकाम पर पहुंचाया।

दिल की सेहत का साथी अर्जुन की छाल

आयुर्वेद एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जिसमें प्रकृति के विभिन्न घटकों-जैसे जड़ी-बूटियां, वृक्ष, खनिज आदि का उपयोग करके शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास किया जाता है। इन्हीं औषधीय वृक्षों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण वृक्ष है अर्जुन (Terminalia arjuna)। अर्जुन की छाल को आयुर्वेद में विशेष रूप से हृदय रोगों के उपचार में उपयोगी माना गया है। आधुनिक जीवनशैली, बढ़ते तनाव, असंतुलित आहार और शारीरिक निष्क्रियता के कारण हृदय रोगों का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में अर्जुन की छाल एक प्राकृतिक और प्रभावी औषधि के रूप में उभरती है, जो न केवल हृदय को स्वस्थ रखती है बल्कि शरीर के अन्य अंगों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है।

डॉ. एस के साहु
प्रोफ़ेसर, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली

अर्जुन एक विशाल, छायादार और सदाबहार वृक्ष है, जो भारत के लगभग सभी भागों में पाया जाता है, विशेषकर नदी किनारों और नम भूमि में। इसका तना मजबूत और सीधा होता है तथा इसकी छाल हल्के गुलाबी या भूरे रंग की होती है, जो परतों में निकलती है। औषधीय उपयोग के लिए इसी छाल का प्रयोग किया जाता है। आयुर्वेद में अर्जुन को 'हृदय मित्र' कहा गया है, क्योंकि यह हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाने में अत्यंत प्रभावी है। अर्जुन की छाल का स्वाद कषाय (कसैला) होता है, जो शरीर में कफ और पित्त दोष को शांत करता है। इसका गुण लघु और रुक्ष होता है, जिससे यह शरीर में अतिरिक्त नमी और कफ को कम करता है। इसका वीर्य शीतल होता है, जिससे यह शरीर को ठंडक प्रदान करता है और सूजन तथा जलन को कम करता है। विपाक कटु होने के कारण यह पाचन को भी सुधारता है। इन सभी गुणों के कारण अर्जुन शरीर में संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हृदय स्वास्थ्य में अर्जुन की भूमिका

अर्जुन की छाल को आयुर्वेद में हृदय रोगों की प्रमुख औषधि माना गया है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाता है। नियमित सेवन से हृदय की धड़कन संतुलित रहती है और हृदय संबंधी कमजोरी दूर होती है। अर्जुन रक्त वाहिकाओं को लचीला बनाता है, जिससे रक्त प्रवाह सुचारु रहता है और उच्च रक्तचाप नियंत्रित होता है। इसके अलावा यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे हृदयाघात (हार्ट अटैक) का खतरा कम हो जाता है।

अर्जुन क्षीरपाक का महत्व

अर्जुन की छाल का सबसे प्रभावी और पारंपरिक प्रयोग 'क्षीरपाक' के रूप में किया जाता है। इसमें अर्जुन की छाल को दूध और पानी के साथ पकाया जाता है, जिससे उसके औषधीय गुण और अधिक प्रभावी हो जाते हैं। यह विशेष रूप से हृदय की कमजोरी, थकान और मानसिक तनाव में लाभकारी होता है। नियमित रूप से अर्जुन क्षीरपाक का सेवन करने से शरीर को पोषण मिलता है और हृदय को विशेष शक्ति प्राप्त होती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

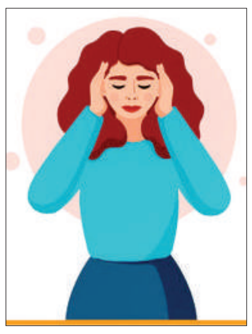

अर्जुन की छाल का प्रभाव केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। यह मन को शांत करती है और तनाव, चिंता तथा घबराहट को कम करती है। वर्तमान समय में जहां मानसिक तनाव एक सामान्य समस्या बन चुका है, वहां अर्जुन का सेवन मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

अन्य रोगों में उपयोगिता

अर्जुन की छाल केवल हृदय रोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई अन्य रोगों में भी लाभकारी है। इसके एंटीसेप्टिक गुण घावों को जल्दी भरने में मदद करते हैं और संक्रमण को रोकते हैं। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है, क्योंकि यह कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाता है। मधुमेह के रोगियों के लिए भी अर्जुन उपयोगी है, क्योंकि यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा त्वचा रोगों, एलर्जी और सूजन में भी इसका उपयोग किया जाता है।

सेवन विधि

अर्जुन की छाल का सेवन विभिन्न रूपों में किया जा सकता है, जैसे चूर्ण, काढ़ा या क्षीरपाक आजकल मार्केट में कैप्सूल और टैबलेट के रूप में भी यह उपलब्ध है। सही मात्रा और सेवन विधि के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह लेना आवश्यक है ताकि अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, फ्लेवोनॉयड्स और टैनिन्स पाए जाते हैं, जो हृदय को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। कई शोधों में यह पाया गया है कि अर्जुन हृदय की कार्यक्षमता को सुधारने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में सहायक है। इसे एक शक्तिशाली हृदय टॉनिक के रूप में बताया गया है, जो हृदय को बल और स्थिरता प्रदान करता है।

दैनिक जीवन में उपयोग

आज के व्यस्त जीवन में अर्जुन की छाल को अपनी दिनचर्या में शामिल करना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है। विशेष रूप से वे लोग, जो तनावपूर्ण जीवन जीते हैं, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं या हृदय रोग का जोखिम रखते हैं, उन्हें इसका सेवन अवश्य करना चाहिए। यह एक प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय है, जो लंबे समय तक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।

सावधानियां

यद्यपि अर्जुन एक प्राकृतिक औषधि है, फिर भी इसका सेवन सावधानीपूर्वक करना चाहिए। अधिक मात्रा में सेवन से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं और गंभीर रोगियों को इसका सेवन करने से पहले चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

अर्जुन की छाल आयुर्वेद की एक अमूल्य औषधि है, जो विशेष रूप से हृदय स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। इसके नियमित और सही उपयोग से न केवल हृदय को मजबूत बनाया जा सकता है, बल्कि शरीर के अन्य अंगों को भी स्वस्थ रखा जा सकता है। आधुनिक जीवनशैली में जहां रोगों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, वहां अर्जुन जैसी प्राकृतिक औषधियां एक सुरक्षित, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रदान करती हैं।

रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय सेक्टर -7, डोहरा रोड बरेली में रोगियों को उचित आहार-विहार और जीवनशैली के बारे में मार्गदर्शन दिया जाता है, जिससे उपचार के परिणाम लंबे समय तक बने रहते हैं। इस प्रकार यह संस्था समग्र, सुरक्षित और स्थायी आयुर्वेदिक उपचार प्रदान करती है। संस्था में योगा एवं पंचकर्म की प्रक्रियाएं सुरक्षित तरीके से कराई जाती हैं, जिससे शरीर की शुद्धि होती है और उसके बाद दी जाने वाली कायचिकित्सा औषधियां अधिक प्रभावी ढंग से काम करती हैं।

टेक्नोलॉजी से फिटनेस-स्मार्ट आदतों की ओर एक कदम

आज के डिजिटल युग में तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। मोबाइल, स्मार्टवॉच और विभिन्न डिजिटल उपकरणों ने हमारे काम को आसान बनाया है, लेकिन इन्हीं साधनों का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग हमारे स्वास्थ्य के लिए चुनौती भी बनता जा रहा है। घंटों तक मोबाइल स्क्रीन पर स्क्रॉल करना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

इंदु सिंह
लेखिका

वास्तव में तकनीक का उद्देश्य हमारे समय और श्रम की बचत करना था, लेकिन आज स्थिति यह है कि हम बचाए गए समय को भी इन्हीं उपकरणों पर खर्च कर देते हैं। परिणामस्वरूप, शारीरिक गतिविधि में कमी, आंखों की थकान, नींद की समस्या और मोटापे जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कई शोध भी यह संकेत देते हैं कि आधुनिक जीवनशैली और तकनीकी उपकरणों का अत्यधिक उपयोग नई-नई बीमारियों के उभरने का एक प्रमुख कारण बन रहा है।

हालांकि यदि समझदारी से उपयोग किया जाए, तो यही तकनीक हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का सशक्त माध्यम भी बन सकती है। आज लगभग हर स्मार्टफोन में स्वास्थ्य संबंधी ऐप्स उपलब्ध हैं, जो हमारी दैनिक गतिविधियों, कदमों की संख्या, कैलोरी बर्न और नींद की गुणवत्ता को ट्रैक करते हैं। स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड जैसे उपकरण हृदय गति, ऑक्सीजन स्तर और शारीरिक गतिविधियों की निगरानी कर हमें अपनी सेहत के प्रति जागरूक बनाते हैं।

स्वस्थ रहने के लिए तकनीक का सही उपयोग करने के कुछ सरल तरीके अपनाए जा सकते हैं। जैसे-हर 30 से 45 मिनट के कार्य के बाद उठकर थोड़ा टहलने के लिए रिमाइंडर सेट करना, प्रतिदिन 10,000 कदम चलने का लक्ष्य निर्धारित करना और उसकी प्रगति को ट्रैक करना। इसके अलावा, योग, ध्यान और व्यायाम से जुड़े वीडियो आज विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आसानी से उपलब्ध हैं, जिनका लाभ उठाकर घर बैठे भी फिट रहा जा सकता है। बाजार में कुछ ऐप्स ऐसे आए हैं, जो उपयोगकर्ता को उनकी फिटनेस यात्रा का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करते हैं, जिससे वे अपनी प्रगति को समझकर बेहतर लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। ये ऐप्स समय-समय पर पानी पीने, चलने-फिरने और सक्रिय रहने की याद भी दिलाते हैं, जो एक स्वस्थ दिनचर्या बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

अंततः फिट रहना कोई कठिन कार्य नहीं है, बल्कि यह सही दिशा में छोटे-छोटे प्रयासों का परिणाम है। यदि हम तकनीक का उपयोग केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उसे अपने स्वास्थ्य सुधार का साधन बना लें, तो एक संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना सहज हो सकता है।

स्मार्ट फिटनेस के 5 आसान मंत्र

- हर दिन कम से कम 8-10 हजार कदम चलने का लक्ष्य रखें।
- हर 30-45 मिनट में ब्रेक लेकर 2-5 मिनट टहलें।
- स्क्रीन टाइम को सीमित करें और ट्रैक करें।
- फिटनेस ऐप्स का नियमित उपयोग करें।
- पर्याप्त नींद और पानी का ध्यान रखें।

फिटनेस ऐप्स

- ये ऐप्स दैनिक गतिविधियों का ट्रैक
- रनिंग और साइक्लिंग के लिए
- संपूर्ण स्वास्थ्य मॉनिटरिंग
- योग और वर्कआउट गाइड

ध्यान रखने योग्य बातें

- तकनीक का उपयोग संतुलित मात्रा में करें अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बचें।
- केवल डेटा देखने के बजाय उस पर अमल करें।
- लक्ष्य छोटे रखें, लेकिन नियमितता बनाए रखें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — यह सप्ताह राहत भरा रह सकता है। यदि आप बीते कुछ समय से किसी समस्या को लेकर परेशान चल रहे थे, तो इस हफ्ते किसी प्रभावी व्यक्ति अथवा इष्टमित्रों की मदद से उसका समाधान खोजने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। कार्य विशेष के लिए संघर्ष कामयाब होगा।

वृष — इस सप्ताह बहुत सोच-समझकर कदम उठाने की आवश्यकता रहेगी। किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने की गलती न करें और लोगों की नेक सलाह का स्वागत करें। लोगों पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और न ही किसी को अपनी कमजोरी बताएं अन्यथा लोग उसका गलत फायदा उठा सकते हैं।

मिथुन — यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। इस सप्ताह अथक परिश्रम और प्रयास करने के बाद ही कार्यों में मनचाहा फल मिल पाएगा।

कर्क — यह सप्ताह आपको घर और बाहर लोगों का समर्थन सहयोग प्राप्त होता रहेगा। आप अपनी बुद्धि और विवेक से तमाम तरह के लक्ष्यों को हासिल करने में अंततः कामयाब होंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को सप्ताह के पूर्वार्ध में मनचाहा लाभ पाने के लिए थोड़ा अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है।

सिंह — यह सप्ताह औसत फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने सेहत और संबंध पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में अपनी दिनचर्या एवं खानपान का ख्याल रखें और मौसमी बीमारी से खुद का बचाव करें। इस सप्ताह आपको अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए विशेष प्रयास करने पड़ेंगे।

कन्या — यह सप्ताह सेहत, संबंध और सर्विस इन तीनों ही स्थितियों को लेकर थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। आप मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने के कारण शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा झेल सकते हैं। इस दौरान करियर-कारोबार में भी विरोधियों के सक्रिय रहने के कारण उठापटक की स्थिति देखने को मिल सकती है।

तुला — यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपको लोगों के साथ अधिक तर्क-वितर्क वाली स्थिति से बचने की आवश्यकता रहेगी। भूलकर भी किसी दूसरे के मामले में टांग न अड़ाएं और अपने लक्ष्य पर फोकस करें अन्यथा बेवजह की दिक्कतें झेलनी पड़ सकती हैं।

वृश्चिक — इस सप्ताह आपको सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में स्थितियां थोड़ी संतोषजनक रहेंगी, लेकिन उत्तरार्ध में आपको कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान बनते हुए कार्यों में विघ्न आने से मन खिन्न रहेगा।

धनु — यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह चीजें कभी बनती, तो कभी बिगड़ती हुई नजर आएंगी। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को आधे-अधूरे मन से करने या फिर कहें लापरवाही करने से बचना चाहिए। सप्ताह के पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

मकर — इस सप्ताह आप यदि आप बगैर आपा खोए अपने धैर्य और विवेक को बनाए रखते हैं, तो अपनी सूझबूझ के जरिए तमाम समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। सप्ताह की शुरुआत में कार्यक्षेत्र अथवा कारोबार में कोई बड़ी अड़चन आ सकती है, जिसे दूर करने में आपका कोई मित्र या शुभचिंतक काफी मददगार साबित होगा।

कुंभ — कुंभ राशि के जातकों के लिए सप्ताह के पूर्वार्ध का थोड़ा समय यदि छोड़ दिया जाए, तो बाकी हफ्ता शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज से जुड़ी कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों से ही अपेक्षाकृत सहयोग कम मिल पाएगा।

मीन — इस सप्ताह किए गए प्रयास और परिश्रम का फल थोड़ा देर से या फिर कहें रुकावटों के बाद प्राप्त होगा। सप्ताह की शुरुआत अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसे पूरा करने के लिए आपको अपनी जमापूंजी खर्च करनी पड़ सकती है अथवा किसी से धन भी उधार लेना पड़ सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 55

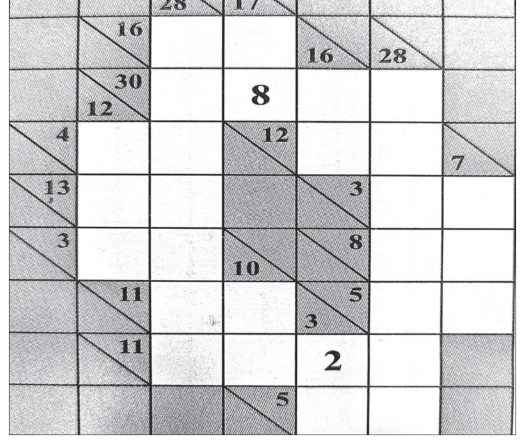

काकुरो 54 का हल

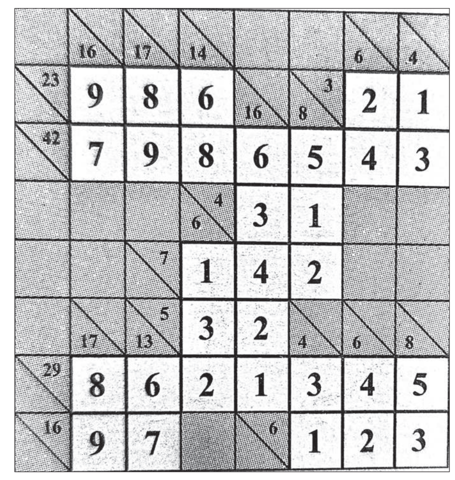

कहानी

कागज की नाव और बचपन

बेटा शिवा, ओ बेटा शिवा, कहां है? कब तक खेलता रहेगा, बारिश आने वाली है, अब अंदर आजा। जी नानी मां, आया, बस थोड़ी देर और। एक तो इस लड़के की यह थोड़ी देर सारा दिन निकाल देती है। रुक जा तेरी मां से शिकायत लगाती हूं अभी। वीना, देख जरा अपने लाडले को, जरा नहीं सुनता यह लड़का मेरी तो। रहने दो मां, बरसात की छुट्टियों का आनंद लेने दो इसे और वैसे भी यह नानी के घर आकर मजे नहीं करेगा, तो क्या शहर में रहकर करेगा?

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

थोड़ी ही देर बाद शिवा कमरे में आता है और अलमारी से पुराने कागज निकालकर फिर से आंगन की ओर जाने लगता है और जाते जाते अपनी मां और नानी मां से कहता है कि "मैंने मिट्ठू के घर खाना खा लिया है, आप खा कर सो जाइएगा।" यह सुनकर नानी मां को और भी गुस्सा आया और फिर बोलीं, "इस लड़के को भी न खाने की चिंता न नहाने की, सुबह से बाहर खेले जा रहा है। अब तो बारिश भी लग पड़ी है, बीमार हो जाएगा तू, सुनता है क्या? मैं भी भला किसे बोले जा रही हूं। यह लड़का नहीं सुधरने वाला। चलो वीना हम तो खाना खा लें।"

बीते जमाने के कुछ मीठे एहसास होंठो पर आज भी प्यारी सी मुस्कान ला देते हैं। खास कर हमारे बचपन से जुड़े वो सभी बेहतरीन किस्से जो आज भी भुलाए नहीं भूलते। बेशक आज हम बड़े हो चुके हैं, लेकिन अपना बचपन भला कौन भुला पाता है? आजकल तो हम खुद के बच्चों में ही अपना बचपन खोजने लग जाते हैं। अब तो बच्चों के साथ हम भी ऐसी-ऐसी अठखेलियां करने को आतुर होने लगते हैं, मानो अभी बाहर से मां की आवाज आएगी, "चुप करते हो या आऊं डंडा लेकर"? खास कर जब नानी मां के घर जाएं तब तो मानो दोबारा से स्वर्ग में रहने आ गए हों। और नानी मां डांटेगी यह कहकर कि आजा अब अंदर, बहुत हुआ तेरा खेल। वो लम्हे थे ही इतने हसीन कि आज भी वो हकीकत से प्रतीत होते हैं। वैसे भी बचपन होता ही इतना मधुर और रसीला है कि बिताए हुए पलों में हर जगह से, हर सफर से और तो और हर मौसम से हमारे कोई न किस्से खुद ही हमारे भीतर उजागर होने लगते हैं। अब जैसे शिवा को ही देख लो, अभी तक बाहर खेले जा रहा है। नानी मां तो खाना खाकर सो भी गई, लेकिन शिवा की मां उसका इंतजार करने में लगी हुई है।

थोड़ी देर बाद जब बूंदाबांदी फिर शुरू हुई तो शिवा की मां शिवा को लाने के लिए चल पड़ी। मां जैसे ही आंगन में पहुंची तो वहां का नजारा देखकर मां का हृदय ऐसा प्रफुलित हुआ, मानो मां को भी अपना बचपन याद आ गया हो। मां ने देखा कि शिवा, कन्नू, अंशू, सन्नू, मिट्ठू, दित्तु, कित्तु आदि सभी बच्चे बारिश में झूम रहे हैं और कागजों से बेहतरीन नाव बनाकर आंगन के पास एकत्रित हुए पानी में कागज की कश्तियां चला रहे हैं। यह दृश्य देख कर मां चाह कर भी शिवा को अंदर नहीं बुला पाई।

भला मां ने भी तो बचपन में अपने दोस्तों के संग ऐसी कई तरह की अठखेलियां की होंगी और शिवा तो अपनी नानी के घर आता भी साल में सिर्फ एक बार है वो भी बरसात की छुट्टियों में।

ऐसा कुछ सोचकर मां शिवा को बिना आवाज लगाए ही लौट आई और सो गई। शिवा रोज ऐसे ही करता और शिवा की मां और नानी मां दोनों उसकी शरारतें देखती भी, उसे डांटती भी और ढेर सारा प्यार भी करती। ऐसे कई दिन बीत गए और एक दिन वो भी आया जब शिवा की मां ने शिवा को बताया कि कल हम वापिस शहर जा रहे हैं, आज रात को ही तैयारी कर लेना सुबह वापिस जाने की। यह सुनकर शिवा बहुत उदास हुआ। उस दिन शिवा खेलने को भी बहुत देरी से आया और आकर चुपचाप एक किनारे बैठ गया। शिवा कभी आसमान की तरफ देखे और कभी अपनी कागज की नाव की तरफ। सभी दोस्तों ने पूछा, शिवा क्या बात है, तुम उदास क्यों हो? किसी का इंतजार कर रहे हो क्या? शिवा ने कहा, हां बारिश का इंतजार कर रहा हूं। मुझे बारिश के साथ बहुत सी बातें करनी हैं। कैसी बातें, दोस्तों ने पूछा? मुझे यही पूछना है कि जब हम बड़े हो जाएंगे, तब भी यह बारिश इसी महक के साथ बरसेगी और हम सबके साथ खेला करेगी या फिर वक्त के साथ यह भी बदल जाएगी? इस बारिश ने जैसी खुशी हमें बचपन में दी है, क्या वैसी ही खुशी हमें बड़े होकर भी देती रहेगी? क्या यह बारिश हमारी इन कागज की नावों का यूंही सहारा बनती रहेगी या इन्हें भी कहीं बहा कर हमसे दूर ले जाएगी? शिवा के ऐसे सवाल सुनकर सभी दोस्त सोचने लगे कि आज शिवा यह कैसी बातें कर रहा है? इस पर सभी दोस्तों ने शिवा से पूछा, शिवा बात क्या है हमें बताओ, यूं पहेलियां न बुझाओ।

इस पर शिवा ने अपने दोस्तों को बहुत गहरा जवाब दिया, "छोड़ चला हूं नाव यहीं पर, देखभाल तुम करना। आऊंगा अगले साल ही अब, इंतजार सब करना। ऐसी बारिश नाव और प्यार, कहीं नहीं मुझे मिलना। बचपन का यह प्यारा पल, किताबों में है लिखना।।" यही कुछ पंक्तियां कहता हुआ अपने दोस्तों और नानी मां को रुलाता हुआ, शिवा अपनी मां के साथ वापिस शहर आ गया।

शहर आने के बाद अपने दोस्तों को, गांव की बारिश को और कागज की नाव को बहुत याद करने लगा। धीरे-धीरे समय के साथ शिवा बड़ा होता गया। हालांकि पहले की तरह ही हर साल शिवा अपनी नानी मां के घर जरूर जाया करता और अपने बचपन के दोस्तों संग वैसे ही मस्ती किया करता।

आज भले ही शिवा बड़ा हो गया है और बचपन के लगभग सभी दोस्त भी नौकरी के लिए या किन्हीं अन्य कारणों से दूसरी जगहों पर जाकर रहने लग पड़े हैं, लेकिन बचपन की वो बारिश और कागज की नाव आज भी शिवा और उसके सभी बचपन के दोस्तों को, इकट्ठे गांव आने से रोक नहीं पाती। मज़े की बात तो यह है कि अब शिवा और उसके दोस्त नहीं, बल्कि उनके छोटे बच्चे बारिश में भीगने और कागज की नाव चलाने का आनंद लेते हैं। शिवा की नानी मां भी बहुत बूढ़ी हो चुकी हैं, जो अब शिवा को कम ही डांटा करती हैं।

काव्य

एक तुम्हारे होने से

रौनक रहती भरे शहर में
एक तुम्हारे होने से,
उठती रहती लहर लहर में
एक तुम्हारे होने से।

बस तेरे हां करने से
खुशियां बहती संग सफर में
एक तुम्हारे होने से।

धरती पर मुस्काता चंदा
जब भी गाता आता है,
अपनी नम किरणों से छूकर
मरु में फूल खिलाता है।

हाल हमारा तुमको चाहे
मालूम न हो भले मगर
तेरी बाबत मुझे पूछते
रोज-रोज हैं गांव नगर

खुशबू भरती मरे शजर में
एक तुम्हारे होने से।

मैं भी रहता खोज खबर में
एक तुम्हारे होने से।

मदिर हवा का मीठा झोंका
दिल में हो मधुर तराना,
किसी नदी का ज्यों बलखाकर
सागर के उर में आना।

शबनम-शबनम बसी नजर में
एक तुम्हारे होने से।

खाली झोली भर जाती है
फूल हंसी के झरने से
कठिन डगर भी हंसती मिलती

संजय पंकज
वरिष्ठ साहित्यकार

तन्हाई

दिल करता है बहुत दूर चली
जाऊं कहीं दूर इतनी दूर
जहां मेरे विचार सांस ले
सके, तस्वीर कागज पर
उतर सके

चांदनी फिकी सी न हो
भीगी-भीगी सी हवाएं हो,
जो हर पल हर लम्हा तुम्हारा
एहसास दे।

मेरा मन खुले आसमान में
उड़ सके, जहां सपने अपंग
न हो
तमन्नाएं विकलांग न हो,
खुशियां अपाहिज न हो

इन सबके बीच मेरी तन्हाई
हो, जो बेफिक्र लम्हों में
तुमसे बातें करती रहे
तुम्हारी कल्पनाओं में रंग
भरती रहे, और तुम्हारी यादें
संजोती रहे।

मुस्कुराहट सहमी सी न हो,
सपने डरे से न हो
मन में टीस न हो, पलकों के
बीच आंखें

दिल करता है बहुत दूर
चली जाऊं, इतनी दूर जहां
कोई पेड़ कोई पत्ता तक मुझे
जानता न हो।

चैन से सोई रहे, बेफिक्र
लम्हों को यूंही समेटती रहे
दिन मुरझाया सा न हो, रात
कुम्हलाई सी न हो

सुबह अलसाई सी न हो,
शाम की खूबसूरती में
इंद्रधनुष के रंग हो
रोशनी उलझी सी न हो,

संध्या राजपुरोहित
स्वतंत्र लेखिका

भीड़ के घेरे

उम्र की धूल में उभरी
एक काली स्याह गहरी रेख।
लोनी लगी दीवार के तन पर
घाव सा लिक्खा अधूरा
लेख।

आंख की फाइलों में हैं,
फड़फड़ाते कुछ विगत के
चित्र।
दूर जाकर बस गए बेटे,
दूसरी दुनिया गए वह मित्र।
अस्थमा की सांस उखड़ी है,
इन्हेलर कोई गया है फेंक।

रात की झिलमिलाती रोशनी
और मद्धिम पड़ रहे चेहरे।
हर तरफ खामोशियां भारी,
भीड़ के घेरे बड़े घेरे।
समय की घुन लगी खिड़की,
पलटती है पुरा अभिलेख।

थक गईं बांहें घड़ी की हैं।
ठहर सी अब गई है दुनियां।
फिट नहीं कर पा रहा चूलें,
जंग खाया वक्त का गुनियां।

स्वप्न का आकाश थामे
भित्तियां, चुप्पियों के साथ
ढहती देख।

डॉ प्रशांत अग्निहोत्री
शाहजहांपुर

लघुकथा

थैला

एक दोपहर में अपने एक मित्र की दुकान पर जाना हुआ। उसकी कॉपी किताब की दुकान थी- ज्ञान पुस्तक केंद्र। मेरे हाथ मे एक थैला था, जो कुछ दिन पहले ही एक बड़े शोरूम से शर्ट की खरीदारी में मिला था। थैले को दुकान के काउंटर पर रख मैं मित्र से बातचीत में मशगूल हो गया। उसी वक्त दुकान में दीनहीन से दिखते एक ग्राहक ने प्रवेश किया। उसने दो-तीन कॉपी और एक पेंसिल-रबड़ खरीदी। फिर उसने कॉपी - पेंसिल रखने के लिए पॉलीथिन मांगी। मित्र ने रैक से निकालकर एक पॉलीथिन उसकी ओर बढ़ा दी। वह हिम्मत कर मेरे थैले की ओर इशारा करके बोला,"ये दे दीजिए, मैं इसमें अपना सामान रख लूं।" " नहीं-नहीं, वो मेरा नहीं है, उसे नहीं दे सकता और मैं ये पॉलीथिन दे तो रहा हूं तुम्हें, उसमें क्यों नहीं रख लेते? "

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

मैंने गौर किया कि स्पष्ट इंकार के बाद भी वह मेरे थैले को अब भी बड़ी ललचाई नजरों से देख रहा था। मैं उससे पूछ बैठा " क्यों भाई, तुम्हें यही थैली क्यों चाहिए कोई विशेष बात!" " हां, भैया कल से लड़के को स्कूल भेजना है, ये मजबूत थैली मिल जाती, तो कुछ दिन वह इसी में ये सब रखकर स्कूल चला जाता। सुना है प्राइमरी स्कूल में जल्द ही बैग बंटने वाला है। " वह उत्साहित हो बोला।

एक संसाधनहीन बच्चे के जीवन मे शिक्षा की अलख जगाने में मेरे इस मामूली से थैले की भी कुछ हिस्सेदारी होगी, ये सोच मन अनायास पुलकित हो उठा। थैले में रखी फाइल को बाहर निकालकर थैला उसकी ओर बढ़ा दिया मैंने। कृतज्ञता से भरा वह मेरी ओर देखकर मुस्कराया और फिर दुकान से बाहर निकल गया।

पत्ती का रहस्य

सुशांत सुबह से ही परेशान-सा घूम रहा था। उसे रातभर नींद नहीं आई थी। वह किसी बात को लेकर काफी चिंतित था। यह देखकर पिंटू ने हंसते हुए पूछा,"अरे मेरे भाई, सुबह-सुबह चेहरे पर इतनी उदासी क्यों?" लेकिन सुशांत ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया और घर के बगीचे में टहलने लगा। वह मन ही मन अपनी समस्या का समाधान ढूंढने की कोशिश कर रहा था। पिंटू ने सोचा कि जब तक सुशांत अपनी समस्या में उलझा है, क्यों न उसके लाल पेन से थोड़ा आर्ट बना लिया जाए। उसने चुपके से सुशांत का बैग खोला और पेन निकालकर ड्राइंग बनाने लगा, लेकिन थोड़ी देर में पेन खराब हो गया। अब पिंटू घबरा गया। उसने सोचा कि पेन कहीं छिपा देता हूं, सुशांत नया पेन खरीद लेगा। उधर सुशांत घर के अंदर आ गया और स्कूल जाने की तैयारी करने लगा।

यशी
लेखिका, लखनऊ

पिंटू ने राहत की सांस ली। स्कूल में आखिरी पीरियड आर्ट का था। टीचर ने सभी बच्चों को फूल बनाकर रंगने को कहा। जब सुशांत ने अपना कलर बॉक्स खोला, तो उसमें से लाल पेन गायब था। वह उदास हो गया, लेकिन किसी तरह दोस्त से पेन मांगकर काम पूरा कर लिया। उसने मन में ठान लिया कि घर जाकर पिंटू की शिकायत जरूर करेगा।

इधर पिंटू ने अपनी गलती सुधारने के लिए अपने पैसे से नया पेन खरीदकर चुपचाप सुशांत के बैग में रख दिया। जब सुशांत घर पहुंचा, तो पिंटू ने तुरंत पेन निकालकर उसे दे दिया। सुशांत खुश होकर बोला, "अरे, यह पेन तुम्हें कहां मिला?" पिंटू मुस्कराते हुए बोला, "घर में ही छूट गया था।"

फिर उसने पूछा, "लेकिन तुम सुबह से परेशान क्यों थे?" सुशांत उसे बगीचे में ले गया और एक पेड़ की ओर इशारा करते हुए बोला, "इस पेड़ के पास मत जाना, इस पर कोई खतरनाक चीज बैठी है।"

पिंटू पास गया और जोर-जोर से हंसने लगा। उसने पेड़ को हिलाया, तो एक सूखी पत्ती नीचे गिर पड़ी। पिंटू हंसते हुए बोला, "अरे! यह तो सिर्फ सूखी पत्ती है।" अब सुशांत की परेशानी दूर हो चुकी थी। वह भी हंस पड़ा और दोनों की हंसी देखकर आसपास के लोग भी मुस्कुरा उठे।

समीक्षा

कविताएं साक्ष्य है शाश्वत सत्य

हाल ही में प्रकाशित डॉक्टर विकास तोमर का कविता संग्रह 'कसक' हाथ में आया, मन में कुछ मिले-जुले-से भाव थे। कविताई और डॉक्टरी। रोशनाई और चाकू-छूरी। कोई संगत नहीं बैठ रही थी। भीतर का पूर्वाग्रह नजर में जाले बनकर छाया था। मगर ज्यों-ज्यों पन्ने पलटती गई, सारा परिदृश्य किसी जादू की तरह बदलता गया। यहां कोई परिपक्व, तटस्थ, शांत चिकित्सक नहीं, वरन एक छोटा-सा बच्चा है, जो बचपन की धूल भरी गलियों में बहुत पीछे छूट गए अपने शैशव के निर्दोष, अबोध दिन, संगी-साथी, खेल-खिलौने ढूंढता फिर रहा है। उसे अपनी वही निश्चिंत, निरंकुश जिंदगी की तलाश है, जिसमें दुनियादारी और जिम्मेदारियों का भारी बोझा रातों की नींद नहीं छीनता था, जब यकीन और स्नेहिल आत्मीयता की एक भरी-पूरी दुनिया अपनी नन्हीं बाहों में हुआ करती थी, जब बागों से चुराये कैरियों-इमलियों के साथ प्यार-दुलार की मीठी रेवड़ियों से छोटा-सा दामन फटा पड़ता था। डॉक्टर विकास उर्फ परितोष ने शब्दों का बहुत किफायत से इस्तेमाल किया है, इसलिए सहज भाषा में लिखी यह खुशरंग चिड़ियों-सी छोटी-छोटी कविताएं कभी ऊब या एकरसता पैदा नहीं करती न कभी इन्हें समझने के लिए माथापच्ची करनी पड़ती है। इन्हें बड़े आराम से एक सीटिंग में पढ़ा जा सकता है। वास्तव में सच्ची कविता मस्तिष्क से अधिक हृदय को संबोधित करती है। राजपथ से इतर उसका रास्ता संवेदना की मृदुल पगडंडियां ही अधिक होती है। इस संग्रह में कुल छप्पन कविताएं हैं, जो जीवन के विभिन्न रंग, परिस्थिति और मनोभावों के निदर्शन करवाती हैं। इन्हें पढ़ना अनायास मिल गया अवकाश है, एक मीठा-सा किट-कैट ब्रेक! समय को भूल जाने की लग्जरी जो सचमुच दुर्लभ है। फुलकारी-सी रंगीन, मीनाकारी जैसी गझिन बुनावट। खुलती है एक दुशाले की तरह, पूरे पारिदृश्य को एक खुशरंग, नर्म गर्माहट में समेट लेती है। पशमीने-सी लजीज हरारत से भरी तासीर इनकी। मुझे प्रतीत हो रहा, परितोष की यह शुरू-शुरू की कविताएं, इनका निर्दोष, अंखुआता सौंदर्य उसी सबसे सुंदर कविता के अपरिमित वैभव के संकेत हो जैसे। इन कविताओं ने मुझे उस सबसे सुंदर आगत कविता के आने का आश्वासन दे दिया है।

पुस्तक- कसक (काव्य संग्रह)
रचनाकार- परितोष (डॉक्टर विकास तोमर)
प्रकाशक- शुभदा बुक्स साहिबाबाद
मूल्य-300/-
समीक्षक- जयश्री रॉय

व्यंग्य

लागी छूटे ना

आदत आदत होती है, वह बुरी भी हो सकती है, अच्छी भी, मगर आसानी से छूटती नहीं है। तभी कहा जाता है कि लागी छूटे न। यदि कोई मुझसे पूछे कि लोग कतार में क्यों खड़े होते रहते हैं, तब मेरा एक ही उत्तर होगा - "ताकि कतार में खड़े होने की आदत बरकरार रहे।" कटु सत्य यही है कि आम जनता जब तक कतार में लग कर रोटी, कपड़ा और मकान की जरूरतों को पूरा कराने के लिए धरना प्रदर्शन नहीं करती या लंबी कतारें नहीं लगाती, तब तक देश के कर्णधारों की नींद नहीं खुलती। लंबे समय से जो लोग कतार में लगने की आदत भूल चुके थे, उनके लिए पुनः कतारों में लगने के दिन आ गए हैं। ऐसा इसलिए भी है कि लोग कहीं भूल न जाएं कि इस देश में कभी राशन लेने के लिए, गैस सिलेंडर लेने के लिए लंबी-लंबी कतारें लगना रोजमर्रा की बात थी।

सीमेंट, मिट्टी का तेल व उपभोक्ता वस्तुएं कभी सरकारी कंट्रोल में रहा करते थे, जिन्हें प्राप्त करने के लिए संबंधित विभाग से परमिट बनवाने के लिए कतारों में लगना पड़ता था। उस समय लंबी कतारों के समाचार अखबारों में सुर्खियां बनते थे। अब बात आगे बढ़ चुकी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग है, जो है, उसे दिखाना मुश्किल नहीं है, जो नहीं भी है, उसे भी दिखाया जा सकता है। जब से फेसबुक पर रील बनाने का फैशन चला है, हर कोई खुद को न्यूज चैनल का मालिक समझने लगा है। मनमाने वीडियो बनाता है और फेसबुक पर पोस्ट कर देता है। करे भी क्यों न, संचार जगत में आई क्रांति ने उसकी विशेषताओं का उसे ज्ञान जो करा दिया है। न कहानी लिखने की जरुरत, न कैमरा लाइट ऑन करने के लिए किसी अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता। इधर कोई घटना घटी, उधर कैमरे में कैद हुई। जरूरी नहीं कि स्वाभाविक घटना में किसी प्रकार की ओवर एक्टिंग का तड़का लगे। बहरहाल कैमरा हाथ में हो तथा अभिव्यक्ति की आजादी मिली हो, तो किसी भी प्रसंग को मनमाने ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है। कोरोना काल में जब भूख से बिलखते बच्चे सड़कों पर भटक रहे थे। लॉकडाउन के चलते रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया था। तब भूखे को रोटी देने जैसी योजना शुरू की गई थी।

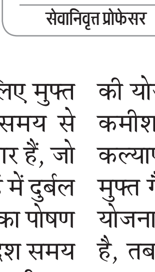

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

गरीबी रेखा आंचल में सिमटे परिवारों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था की गई थी, जो लंबे समय से बरकरार है, लाभ उठाने वालों में ऐसे भी परिवार हैं, जो भौतिक रूप से संपन्न हैं, किंतु सरकारी रिकॉर्ड में दुर्बल आय वर्ग की परिधि में ही बसर कर रहे हैं। उनका पोषण करने की जिम्मेदारी सरकार की ही होती है। देश समय पर आकस्मिक संकट उत्पन्न होते रहते हैं। कभी रात को नोटबंदी का फरमान आता है और बड़े नोट बदलकर छोटे नोट इकठ्ठा करने के लिए लंबी कतारें लगने लगती हैं। कभी गैस का संकट उत्पन्न होता है और लोग गैस एजेंसियों के सामने खाली सिलेंडर लेकर कतार में खड़े होने लगते हैं। मीडिया के कैमरे पीड़ितों के मुंह में माइक ठूसकर उनकी पीड़ा उगलवाते हैं। कोई सत्ता को नाकाम बताता है, कोई व्यवस्था को। किसी बीमारी से त्रस्त होकर कोई बुजुर्ग चक्कर खाने लगता है, तो उसकी वीडियो वायरल कर दी जाती है कि गैस की किल्लत के चलते बुजुर्ग बेहोश हो गया। किसी की मौत हो जाए, तो सोने में सुहागा जैसी स्थिति हो जाती है। सियासी बयानवीरों के लिए आपदा में अवसर की खोज पूरी हो जाती है। किसी समस्या से त्रस्त लोग रेलवे स्टेशन पर आते जाते दिख जाएं, तो उनसे सवाल पूछे जाते हैं कि गांव क्यों लौट रहे हो? कोई रोता है, कोई सपाटबयानी करता है कि गैस का सिलेंडर नहीं मिल रहा है। जब खाना ही नहीं पकेगा, तो जीएंगे कैसे। यदि पैसे देकर आवश्यक उपभोक्ता वस्तुएं खरीदने की मजबूरी हो, तो कुछ वास्तविक और कुछ बनावटी बयान सामने आते ही हैं।

बहरहाल किसी की पीड़ा का मजाक उड़ाने वाले भी अपने मकसद को पूरा करने के लिए वीडियो बनाते हैं। मुफ्त की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए यदि कोई गरीब कमीशन एजेंट से फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर गरीब कल्याण अन्न योजना, सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मुफ्त गैस कनेक्शन हेतु उज्ज्वला योजना या किसी भी योजना का लाभ उठाने के फेर में कहीं लाइन में लगता है, तब न उसे चक्कर आते हैं, न वह बेहोश होता है। इतना जरूर है, कि गरीबी, बेरोजगारी से जूझती युवाओं की भीड़ फेसबुक रील्स बनाने, देखने और वायरल करने के रोजगार में भाग्य आजमाने लगी है। ऐसे में पुरानी थीम पर ही लाइन लगाने का अभ्यास किया जा रहा हो, तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता।

पुरानी सोच, नया दृष्टिकोण : समय के साथ बदलने की आवश्यकता

यह सब हमारे समय में नहीं होता था। घर की बहू सुबह जल्दी उठकर, नहा-धोकर, पूजा-पाठ करके ही रसोई में जाती है। रिया को बोल दो, बिना नहाए रसोई में न जाए। अरुणा ने अपने बेटे निशांत से कहा, लेकिन मम्मी, रिया रात में देर तक ऑफिस का काम करती है। उसके क्लाइंट्स विदेशी हैं, वह सुबह जल्दी कैसे उठ सकती है! आपको और पापा को ठीक नौ बजे नाश्ता चाहिए। निशांत ने समझाना चाहा, लेकिन अरुणा कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं थीं। नतीजा, घर में कलह और अशांति का वातावरण बना रहने लगा।

मेघा राठी
भोपाल

यह कई घरों की कहानी है। दरअसल पुरानी पीढ़ी की महिलाओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक भूमिकाओं और सीमित संसाधनों के साथ जिया है। उनकी परवरिश ऐसे समय में हुई, जब महिलाओं से सिर्फ घर और परिवार संभालने की अपेक्षा की जाती थी, लेकिन आज का समाज तेजी से बदल रहा है और समय के साथ बदलना न केवल व्यक्तिगत खुशहाली के लिए जरूरी है, बल्कि यह परिवार, रिश्तों और समाज के लिए भी आवश्यक है। स्वयं में बदलाव लाने के लिए उन्हें कुछ महत्वपूर्ण बातों को समझना और अपनाना आवश्यक है।

बदलते सामाजिक नियमों को स्वीकारें

आज की महिलाएं घर के बाहर काम कर रही हैं, शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और स्वतंत्र जीवन जी रही हैं। पुरानी पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि यह बदलाव महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रहा है। यदि मां या सास अपने बच्चों की आधुनिक सोच को समझें और उनका समर्थन करें, तो यह रिश्तों को मजबूत बनाएगा।

परिवार में संतुलन बनाए रखना

परिवार के युवा सदस्य आधुनिक विचारों के साथ जी रहे हैं। पुरानी पीढ़ी की महिलाओं को उनके विचारों को समझने और स्वीकार करने की जरूरत है। जैसे-आज की बहुएं सिर्फ घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं रहना चाहतीं। अगर सास इसे समझें और अपनी बहुओं को करियर में आगे बढ़ने का समर्थन करें, तो परिवार का माहौल सकारात्मक होगा।

तकनीकी ज्ञान हासिल करें

तकनीक ने हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा बदल दिया है। यदि पुरानी पीढ़ी की महिलाएं स्मार्टफोन, इंटरनेट, और डिजिटल भुगतान जैसे साधनों को अपनाएं, तो वे

न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि अपने परिवार के साथ बेहतर संवाद भी कर सकेंगी। आज सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन डिजिटल साक्षरता के मुफ्त कोर्स उपलब्ध कराते हैं, जैसे- प्रधानमंत्री डिजिटल साक्षरता अभियान, नेशनल डिजिटल लिटरेसी मिशन (एनडीएलएम), यूट्यूब ट्यूटोरियल्स आदि।

स्वास्थ्य और फिटनेस पर दें ध्यान

उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक गतिविधियां कम होती जाती हैं, लेकिन यह खुद को निष्क्रिय करने का कारण नहीं बनना चाहिए। योग, मेडिटेशन और नियमित व्यायाम को अपनाने से वे अधिक स्वस्थ और सक्रिय रह सकती हैं।

रूढ़ियों को छोड़ें, अपनाएं नई सोच

कई बार पुरानी पीढ़ी की महिलाएं परंपराओं और रूढ़ियों को लेकर अडिग रहती हैं, जो रिश्तों में तनाव का कारण बन सकता है। बदलते समय में उन्हें इन परंपराओं पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। जैसे-बेटा और बहू, बेटी और दामाद सब समान हैं और सभी को समान अवसर मिलना चाहिए।

नई पीढ़ी के साथ बढ़ाएं संवाद

अगर पुरानी पीढ़ी की महिलाएं अपनी बहुओं, बेटियों और नाती-पोतों के साथ संवाद बढ़ाएंगी और उनकी समस्याओं और इच्छाओं को समझेंगी, तो रिश्ते अधिक मधुर होंगे।

जब तक बेडरिडन न हो जाएं, रहें सक्रिय

छोटे-मोटे घरेलू कामों में हाथ बटाएं, अपनी सेहत का ध्यान रखें और खुद को आत्मनिर्भर बनाए रखें। इससे न केवल वे शारीरिक रूप से सक्रिय रहेंगी, बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ महसूस करेंगी।

युवा जोड़े के सह-अस्तित्व को स्वीकारें

अगर बेटा-बहू या बेटी-दामाद आपके साथ रहते हैं, तो इसे सौभाग्य मानें। उनकी स्वतंत्रता का सम्मान करें और उनके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार रखें।

रिटायरमेंट के बाद दिनचर्या में लाएं बदलाव

रिटायरमेंट के बाद जीवन का एक नया अध्याय शुरू होता है, जिसमें व्यक्ति के पास अधिक खाली समय होता है। इस समय को केवल पुरानी दिनचर्या में उलझे रहने के बजाय, नई गतिविधियों में शामिल होकर उपयोगी बनाया जा सकता है। अगर आप हमेशा जल्दी उठने और पारंपरिक समय पर भोजन करने के आदी रहे हैं, तो अब थोड़ा लचीला दृष्टिकोण अपनाएं। परिवार के युवा सदस्य अलग शेड्यूल के अनुसार जीते हैं, इसलिए उनके हिसाब से खुद को थोड़ा ढालें।

युवा पीढ़ी का समय, ऊर्जा और धन व्यर्थ न करें

धार्मिक आस्था और परंपराएं व्यक्तिगत होती हैं और हर व्यक्ति को अपनी मान्यताओं के अनुसार जीने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। कई बार बुजुर्ग पीढ़ी युवाओं पर जबरदस्ती धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पाठ और परंपराओं का पालन करने का दबाव बनाती है, जिससे वे असहज महसूस कर सकते हैं। यहां समझना आवश्यक है कि आज की पीढ़ी के पास अपने करियर और व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियां हैं। उन्हें लंबे समय तक धार्मिक अनुष्ठानों में बैठने के लिए मजबूर करना उनके समय और ऊर्जा की बर्बादी हो सकता है।

युवाओं के साथ उनके सर्कल का हिस्सा बनें

बच्चों की रुचियों को समझें, उनके दोस्तों से मिलें और नए विचारों के लिए खुले रहें। पुराने जमाने की सोच को थोपने की बजाय, खुद को उनके अनुसार ढालने की कोशिश करें।

बच्चों के खर्चों पर ज्यादा टोका-टाकी न करें

अक्सर माता-पिता और दादा-दादी, बच्चों के खर्चों को लेकर ज्यादा टिप्पणी करते हैं 'इतना महंगा फोन क्यों लिया?' 'इतने पैसे कपड़ों पर क्यों खर्च किए?' 'हमारे जमाने में तो इतनी सादगी थी।' लेकिन समय के साथ जरूरतें और प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। बच्चों की आर्थिक स्थिति को समझें और उनके फैसलों का सम्मान करें। अगर वे कमाते हैं, तो उन्हें अपने पैसे खर्च करने की स्वतंत्रता दें। यह ध्यान रखें कि आज की दुनिया में महंगी चीजें कभी-कभी जरूरत भी होती हैं, सिर्फ दिखावे के लिए नहीं। आर्थिक प्रबंधन की जानकारी देना अच्छा है, लेकिन व्यर्थ चीजें थोपने से बचें।

घर में फैसले लेने में पूरी तरह से हावी न हों

सलाह दें, परंतु अंतिम निर्णय युवा पर छोड़ें। उनकी व्यक्तिगत और वैवाहिक स्वतंत्रता का सम्मान करें। आप अपना समय अपने अनुसार जी चुके हैं। अपने अनुभवों का लाभ दीजिए, किंतु पूरी तरह अपनी मनमर्जी चलाने से बचिए अन्यथा घर का माहौल घुटन से भर जाएगा।

अपनी अलग पहचान बनाए रखें

सिर्फ माता-पिता या दादा-दादी बनकर न जिएं, बल्कि अपने लिए भी समय निकालें। अपनी अहमियत खुद समझें और आत्मनिर्भर रहें, बच्चों पर निर्भर न बनें, खुद की दिनचर्या और आर्थिक स्थिति को यथासंभव मजबूत रखें ताकि आत्मसम्मान बना रहे।

पुरानी पीढ़ी की महिलाओं के लिए समय के साथ बदलना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। यह न केवल उन्हें परिवार और समाज के साथ जोड़े रखता है, बल्कि उनकी खुशियों को भी बढ़ाता है। स्वयं में बदलाव लाने वाली पुरानी पीढ़ी की महिलाएं नई पीढ़ी को भी जीवन में लचीलापन और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की प्रेरणा देती हैं।

छात्रों के संपूर्ण क्षमता का प्रदर्शन नहीं एग्जाम मार्क्स

सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम आ गया और कुछ दिनों में सीबीएसई बोर्ड के इंटरमीडिएट तथा अन्य बोर्डों की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणामों की घोषणा होने वाली है। हर वर्ष बोर्ड के परीक्षा परिणाम आने के बाद अनेक विद्यार्थी कम अंक आने पर आत्मघाती व्यवहार करते हैं। कुछ विद्यार्थी अपना जीवन खो देते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार सन् 2021 में 864 छात्रों ने परीक्षा में विफलता के कारण मौत को गले लगा लिया था। परीक्षा में कम अंक मिलने पर कुछ बच्चों का लगता है कि कम अंकों के कारण उनका भविष्य बर्बाद हो गया है।

डॉ. मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

किसी भी परीक्षा का परिणाम विद्यार्थी के जीवन से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है। परीक्षा का परिणाम अपेक्षित न होने का यह अभिप्राय नहीं है कि छात्र अपने जीवन में असफल हो गया, अनेक बार यह देखा गया है कि परीक्षा में अनापेक्षित परिणाम लाने वाले छात्र भी अपने जीवन में कठिन परिश्रम एवं धैर्य के माध्यम से उच्च सफलता अर्जित करते हैं, इसलिए हर परिस्थिति में विद्यार्थियों को अपने धैर्य को बनाए रखना चाहिए। कुछ माता-पिता अपने बच्चों की क्षमता और अभिरुचि को सही ढंग से जाने बिना ही बच्चे से ज्यादा अपेक्षाएं रखते हैं तथा परीक्षा के समय और उसके बाद भी बच्चों के मनोदशा को जानने का प्रयास नहीं करते, जिसके कारण कुछ बच्चे अप्रिय कदम उठाने के लिए मजबूर होते हैं।

विद्यार्थियों के लिए सुझाव

- अपेक्षित परिणाम न होने पर भी धैर्य बनाए रखें
- मन पर नकारात्मक विचारों को हावी न होने दें
- अपने परीक्षा परिणाम की अनावश्यक रूप दूसरे से तुलना न करें
- परीक्षा परिणाम को लेकर प्रतिस्पर्धा न करें
- परीक्षा परिणाम को लेकर द्वेष की भावना न रखें
- मन में नकारात्मक विचार आने पर भाई-बहन, माता-पिता एवं शिक्षक से बातचीत करें
- अपने अच्छे परीक्षा परिणाम को याद करें
- परीक्षा के प्राप्तांक को ही जीवन की सफलता का आधार न माने
- मन में धनात्मक विचार रखें
- जीवन के लिए तार्किक ढंग से लक्ष्य निर्धारित करें

अभिभावकों के लिए सुझाव

- घर में परीक्षा परिणाम को लेकर नकारात्मक वातावरण न बनाएं
- कम अंक के लिए बच्चे को ताने न दें
- कम अंक के लिए बच्चे को दंडित न करें
- बच्चे में धैर्य और आत्मविश्वास जगाएं
- अपने बच्चे की अतार्किक ढंग से दूसरे बच्चों से तुलना न करें
- बच्चे को समझाएं की यह रिजल्ट केवल इस परीक्षा का परिणाम है न कि उसके जीवन का
- रिजल्ट आने के बाद यदि बच्चे के व्यवहार में बड़ा परिवर्तन दिखे, तो उससे सहज ढंग से बातचीत करके उसके मन की स्थिति को जानने का प्रयास करें।
- यदि बच्चे के मन में बार-बार नकारात्मक विचार या आत्महत्या के विचार आए. तो उसे अकेला न छोड़े और प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक से सलाह लें।

शिक्षकों के लिए सुझाव

- परीक्षा के प्राप्तांकों के बजाय विद्यार्थी के ज्ञान एवं समझ को महत्व दें।
- बच्चों में अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा का वातावरण विकसित न होने दें।
- कम अंकों के लिए कक्षा में विद्यार्थियों को शर्मिंदा या अपमानित न करें
- यदि विद्यार्थियों के मन में परीक्षा परिणाम को लेकर नकारात्मक विचार आतें हो, तो उसे दूर करने का प्रयास करें।
- विद्यार्थियों में सकारात्मक विचार एवं आत्मविश्वास बनाए रखने का प्रयास करें

सकारात्मक वातावरण की आवश्यकता

रिजल्ट के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण विकसित करने का प्रयास करें ताकि यदि किसी विद्यार्थी का परिणाम अपेक्षित न आए तो भी वह धैर्य पूर्वक आगे के शिक्षा के लिए तैयार हो सके। ऐसे व्यक्तियों का साक्षात्कार प्रकाशित करना चाहिए, जिनका बोर्ड का रिजल्ट औसत होने के बाद भी आज वे जीवन में उच्च सफलता अर्जित की हो।

विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से बाहर निकालने में अभिभावकों, भाई-बहन, मित्र मंडली, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, जो उन्हें सहानुभूतिपूर्वक समझाएं कि किसी भी परीक्षा के परिणाम से उनके जीवन का निर्धारण नहीं होता है। व्यक्ति का जीवन ऐसा है, जिसे दोबारा नहीं पाया जा सकता है। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे सकारात्मक सोच से मेहनत करके सफलता की बुलंदियों को छू सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम के नकारात्मक प्रभाव से बचने की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक वर्ग की है।

इसके लिए समेकित रूप से सभी को प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि किसी भी विद्यार्थी को अपने बहुमूल्य जीवन से हाथ न धोना पड़े।

खाना खजाना

पुदीना कैरी शरबत

गर्मियों के मौसम में ठंडे और ताजगी देने वाले पेय पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में पुदीना और केरी से बना शरबत एक बेहतरीन और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है। यह शरबत खास बात यह है कि इसे बिना शक्कर के गुड़ से तैयार किया जा सकता है, जिससे इसका स्वाद भी बना रहता है और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। आजकल लोग शक्कर से परहेज करते हैं, इसलिए गुड़ का उपयोग इसे और भी उपयोगी बना देता है। खट्टा-मीठा स्वाद वाला यह पेय न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि लू से बचाव में भी मदद करता है। बच्चे हों या बड़े, सभी इसे पसंद करते हैं। इस तरह घर पर बना पुदीना केरी शरबत गर्मी में राहत देने वाला एक सरल और पौष्टिक पेय है।

सामग्री

- केरी-500 ग्राम
- पुदीना-आधा पाव
- काला नमक स्वादानुसार
- जलजीरा-आवश्कतानुसार
- काली मिर्च-पीसी हुई
- एक छोटी कटोरी गुड़ (अगर आपको ज्यादा मीठा चाहिए, तो आप थोड़ा ज्यादा भी ले सकते हैं।)

बनाने की विधि

सबसे पहले कच्ची कैरी को अच्छी तरह धोकर छील लें और उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। पुदीने की पत्तियों को भी साफ पानी से धो लें ताकि उनमें कोई गंदगी न रहे। अब एक कुकर में कैरी के टुकड़े, पुदीना और थोड़ा पानी डालकर मध्यम आंच पर 2 सीटी आने तक उबाल लें, जिससे कैरी नरम हो जाए। कुकर ठंडा होने पर उबली हुई केरी को हाथ या मेशर से अच्छी तरह मसल लें। अब इस मिश्रण को मिक्सी में डालें और उसमें बारीक कटा या कद्दूकस किया हुआ गुड़ मिलाकर 1-2 मिनट तक स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद इस पल्प को छलनी से छानकर अलग कर लें, ताकि रेशे और मोटे कण हट जाएं।

अब इसमें स्वादानुसार काला नमक, भुना जीरा पाउडर, थोड़ा सा सादा नमक और चाहें तो काली मिर्च डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर उबालें, ताकि स्वाद अच्छी तरह घुल-मिल जाए और पल्प थोड़ा गाढ़ा हो जाए। उबाल आने के बाद गैस बंद कर दें और मिश्रण को पूरी तरह ठंडा होने दें। ठंडा होने पर इसे साफ कांच की बोतल में भरकर रखें। आप इसे फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं या सामान्य तापमान पर भी रख सकते हैं। यह आसानी से खराब नहीं होता, क्योंकि यह गाढ़ा पल्प होता है। जब भी पीने का मन करे, एक गिलास में 2-3 चम्मच पल्प डालें, उसमें ठंडा पानी मिलाएं, ऊपर से बर्फ डालें और अच्छी तरह घोल लें। चाहें तो कुछ पुदीने की पत्तियां सजाने के लिए डाल सकते हैं। अब तैयार है ठंडा-ठंडा, खट्टा-मीठा पुदीना कैरी शरबत गर्मी में तरोताजा करने वाला स्वादिष्ट और सेहतमंद पेय।

न्यूज ब्रीफ

अबैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर, अमृत विचार : थाना तरयासुजान पुलिस ने शनिवार को अभियुक्त जयप्रकाश यादव निवासी रामपुर बंगरा थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक कार में ले जाई जा रही 25 पेटी देशी शराब बरामदगी की गई, जिसकी वाहन सहित कुल कीमत 5 लाख 60 हजार रुपए बताई गई। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

वन स्टॉप सेन्टर का किया निरीक्षण

कुशीनगर, अमृत विचार : सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शनिवार को वन स्टॉप सेन्टर (सखी) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां की व्यवस्था, साफ-सफाई, खान-पान, पेयजल की व्यवस्था सब कुछ सही पाया गया। निरीक्षण के दौरान समस्त कर्मचारी एवं पुलिस बल उपस्थित पाए गए। सचिव भुवन ने वन स्टॉप सेन्टर के बैरक का भी मुआयना किया।

युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के रसूलपुर गांव के पास शनिवार की देर शाम रेलवे ट्रैक के किनारे युवक का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया। पुलिस के अनुसार, गोरखपुर जिले के सहजनवां थाना क्षेत्र के कुसमौर गांव निवासी सत्यनारायण (45) पुत्र बहाऊ विश्वकर्मा अपने घर से किसी बात पर नाराज़ होकर निकला था। देर शाम वह रसूलपुर गांव के पास स्थित रेलवे ट्रैक के किनारे पहुंचा था कि इसी दौरान सत्याग्रह एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया।

बोलेरो की टक्कर से दो की मौत

पडरौना-रामकोला मुख्य मार्ग पर शनिवार को हुए हादसे में महिला घायल

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: पडरौना-रामकोला मुख्य मार्ग पर शनिवार को तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, रामकोला थाना क्षेत्र के ग्राम कुस्महा निवासी 35 वर्षीय मनोज पुत्र रोहित अपने परिचित (बगलगीर) गुड्डू के ससुर 60 वर्षीय मोतीलाल पुत्र वंशी, निवासी बंधू छपरा (कोतवाली पडरौना) को देखने रामकोला सीएचसी गए थे। डॉक्टरों द्वारा मोतीलाल को उपचार किया गया। मनोज अपनी मोटरसाइकिल पर मोतीलाल और उनकी बहू तनुष्का पत्नी दिलीप को लेकर बंधू छपरा वापस जा रहे थे जैसे ही वे पडरौना-रामकोला रोड पर होटल पार्थ के समीप पहुंचे, पीछे से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात बोलेरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनोज और मोतीलाल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक पर बैठी तनुष्का गंभीर रूप से घायल हो गईं।हादसे को देख आसपास के लोग मौके पर जुट गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मिश्रौली चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा क्षेत्र के राम जानकी मार्ग पर शुक्रवार की देर रात सड़क हादसे में पैदल जा रहे युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्र के जोगीपुर गांव निवासी अरुण (20) पुत्र राम दिलावर शुक्रवार रात करीब 10 बजे खाजो चौराहे से अपने घर पैदल जा रहा था। राम जानकी मार्ग से गांव की ओर मुड़ते ही सिकरीगंज की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अरुण सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलौली पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। धनघटा प्रभारी निरीक्षक दिलीप सिंह ने बताया कि मामले में बाइक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

रील बनाते समय घोड़े से गिरा युवक, मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

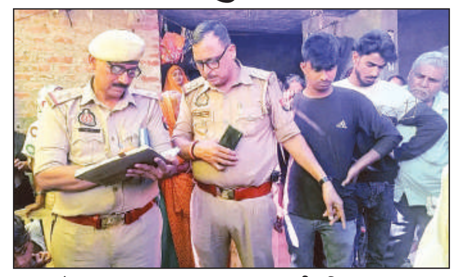

मृतक के घर पहुंचकर जांच-पड़ताल करती पुलिस।

अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र के मुड़िला गांव के पास 26 वर्षीय एक युवक की शनिवार को रील बनाते समय घोड़े से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया। वहीं, घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर है।

- मई महीने में होनी है युवक की बहन की शादी, शादी की खुशियां मातम में बदलीं

जानकारी के अनुसार, छितरापार गांव निवासी रामचंद्र पुत्र रामानंद शनिवार को मुड़िला गांव के पास घोड़े पर सवार होकर मोबाइल से रील बना रहा था। इसी दौरान अचानक घोड़ा बिदक गया, जिससे वह संतुलन खो बैठा और सिर के बल जमीन पर गिर पड़ा। हादसे में उसके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल रामचंद्र को तत्काल स्थानीय चिकित्सक के पास ले गए। हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृतक की बहन की शादी मई माह में तय थी, जिससे घर में खुशी का माहौल था, जो अब गम में बदल गया है। रामचंद्र पांच बहनों और तीन भाइयों में से एक था। परिवार में तीन बहनों और एक भाई की शादी हो चुकी है। जबकि, एक बहन की शादी मई में होनी है। मृतक का बड़ा भाई मुंबई में मजदूरी करता है और पिता गांव के चौकीदार हैं। एसओ दुधारा अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। उधर, घटना को लेकर क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

समाधान दिवस : 70 मामलों में से 12 का मौके पर ही निस्तारण

संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायत सुनते डीएम व एसपी।

कुशीनगर, अमृत विचार : तहसील सदर (पडरौना) में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस अवसर पर कृषि, समाज कल्याण, महिला कल्याण, मनरेगा, राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से संबंधित कुल 70 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 12 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष 58 प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की जांच प्राथमिकता के आधार पर करते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें।

महिला आरक्षण बिल न पास होने पर चर्चा

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। संसद के लोकसभा में नारी शक्ति वन्दन अधिनियम पारित नही हों सका है। जिसको लेकर चर्चा भी खूब हो रही है। भाजपा नेता शोहरतगढ़ नीलेश चौधरी ने कहा कि बिल के पास न होने से महिला सशक्तिकरण के अधिकारों का अपमान है। एक बार फिर महिलाओं के सम्मान व गौरव छीनने वाले विपक्ष का असली चरित्र उजागर हुआ। वहीं सपा नेता शोहरतगढ़ विष्णु उमर ने बताया कि महिला आरक्षण विधेयक में आधी आबादी के हक अधिकार की बात की जा रही हैं, लेकिन महिलाओं के लिए आरक्षण में आरक्षण न देने से वंचित समाज के महिलाओं का घोर अपमान होगा।

जनशिकायतों का करें गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील शोहरतगढ़ में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबंधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर

तहसील समाधान दिवस में जन सुनवाई करते डीएम व एसपी। अमृत विचार

- शोहरतगढ़ तहसील समाधान दिवस में डीएम ने दिए निर्देश

कार्यवाही किया जाये। कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना लें। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं होना चाहिए। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगाएंगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 47 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-44, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-01, शिक्षा-01, विद्युत-02, प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व के 06 प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। तहसील समाधान दिवस में उपकृषि निदेशक, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई निमार्ण खण्ड, अधिशासी अभियन्ता ड्रेनेज खण्ड, अधिशासी अभियन्ता राप्ती नहर निर्माण खण्ड-2 तथा लीड बैंक अधिकारी अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित अधिकारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।

कानूनी त्रुटि के आधार पर विभागीय कार्रवाई उचित नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- हाईकोर्ट ने सेवाच्युत जोनल अधिकारी की बर्खास्तगी को किया रद्द

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कथित अनियमितता के आरोप में सेवाच्युत एक जोनल अधिकारी की बर्खास्तगी को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि अर्द्ध-न्यायिक कार्यवाही में पारित आदेश में मात्र कानूनी त्रुटि या कथित अनियमितता अपने आप में विभागीय कार्रवाई का आधार नहीं बन सकती। जब तक कि अधिकारी के खिलाफ दुर्भावना, भ्रष्ट उद्देश्य या अनुचित लाभ पहुंचाने का ठोस साक्ष्य न हो।

न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने नगर निगम, वाराणसी के तत्कालीन जोनल अधिकारी रमेश्वर दयाल को सेवा से हटाने का आदेश निरस्त कर दिया। दरअसल याची ने वाराणसी के दशाश्वमेध क्षेत्र स्थित मकान संख्या डी-28/105 के नामांतरण आदेश सहित 16 फरवरी 2022 को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर नामांतरण आदेश पारित किया था। इस आदेश के खिलाफ शिकायतकर्ता राज कुमार ने आपत्ति उठाई, जिसके बाद विभागीय जांच शुरू हुई और छह आरोप सिद्ध मानते हुए 2024 में याची को सेवा से हटा दिया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि याची ने देवोत्तर संपत्ति के विक्रय को नजरअंदाज किया, विधिक राय का पालन नहीं किया। स्थल निरीक्षण नहीं किया और नियमों का उल्लंघन करते हुए नामांतरण आदेश पारित कर दिया, साथ ही यह भी कहा गया कि इस कार्रवाई से विभाग की छवि धूमिल हुई। हालांकि कोर्ट ने पाया कि नामांतरण कार्यवाही स्वभावतः संक्षिप्त होती है और इससे संपत्ति के स्वामित्व का निर्धारण नहीं होता, बल्कि यह केवल राजस्व वसूली के उद्देश्य से की जाती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पंजीकृत विक्रय विलेख को सक्षम न्यायालय द्वारा निरस्त नहीं किया जाता, तब तक नामांतरण अधिकारी उसके आधार पर आदेश पारित कर सकता है। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि विभागीय कार्यवाही में कहीं भी यह आरोप या साक्ष्य नहीं था कि याची ने किसी पक्ष को अनुचित लाभ पहुंचाने या भ्रष्ट मंशा से कार्य किया। ऐसे में केवल संभावित कानूनी भूल को 'दुराचार' नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि नामांतरण अधिकारी के लिए यह आवश्यक नहीं कि वह विक्रेता की वैधता या देवोत्तर संपत्ति के जटिल प्रश्नों की जांच करे, क्योंकि यह विषय सिविल न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आता है, साथ ही केवल यह आधार कि स्थल निरीक्षण नहीं हुआ या विधिक राय का पूर्ण पालन नहीं हुआ, अपने आप में गंभीर दंड का औचित्य सिद्ध नहीं करता। अंत में कोर्ट ने पाया कि पूरी विभागीय कार्यवाही 'नो एविडेंस' के आधार पर टिकी है और इसकी नींव ही विधिक त्रुटियों से ग्रस्त है। ऐसे में मामले को पुनर्विचार हेतु वापस भेजना भी निरर्थक होगा। इसी के साथ कोर्ट ने बर्खास्तगी आदेश को रद्द करते हुए याची को राहत प्रदान की।

तस्कर को चार साल का कारावास

बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने मादक पदार्थ तस्करी की घटना में एक अभियुक्त को 4 वर्ष कठोर कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है। थाना बड्डूपुर पर मादक पदार्थ तस्करी की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत एनडीपीएस एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त ननकू लोनिया को न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-2 द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 4 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। 14 जुलाई 2014 को वादी थानाध्यक्ष रिजवान अहमद ने अभियुक्त के विरुद्ध 260 ग्राम मार्फीन बरामद होने के आधार पर थाना बड्डूपुर में मुकदमा पंजीकृत कराया था। तत्कालीन विवेचक ने न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

राम मंदिर के 60 अर्चकों के लिए 500 ने किया आवेदन

अयोध्या, अमृत विचार : राममंदिर में 60 नए अर्चकों की आवश्यकता के अनुसार नया प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ के दिया गया है। इसके लिए छह माह पूर्व प्राप्त आवेदन की जांच की जा रहा है। इसमें अयोध्या निवासी आवेदनकर्ता को वरीयता मिलेगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के धार्मिक समिति के माध्यम से निर्धारित शर्त को पूरा करने वालों का चयन किया जाएगा।

राम मंदिर परिसर में राम मंदिर के भूतल पर रामलला और प्रथम तल पर राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। परकोटा में छह देवी-देवताओं की भी प्रतिष्ठा कराई गई है। इसके अलावा कुबेर टीला, शेषावतार मंदिर और ऋषि मुनियों के मूर्तियों को भी स्थापित कर दिया गया है। जहाँ पुजारियों का दल अलग-अलग स्थान पर पूजन-अर्चन और अन्य परम्पराओं को पूरा करेंगे। इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अर्चकों को भर्ती करने के लिए छह माह का प्रशिक्षण वर्ग शुरू किया है। जिसमें चयनित अभ्यार्थियों को आचार्यों की टीम रामानंदीय परंपरा के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करेगी। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा गठित धार्मिक समिति के सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि सभी मंदिर खोल दिए गए हैं। इसके लिए अभी 60 और अर्चक चाहिए। वर्तमान में 30 लोग ही तैनात है। इसलिए नए लोगों को ट्रेनिंग देने की योजना बनी है। उन्होंने बताया कि पूर्व में ही आवेदन मांगे गए थे। जिसमें अयोध्या, काशी, बस्ती, प्रयागराज समेत अवध क्षेत्र के करीब 500 लोगों ने आवेदन किया है।

10 केस बेअसर, एक झगड़े में जेल

बाराबंकी: अमृत विचार : आजमगढ़ के मूल निवासी अबू बकर उर्फ बाबा पठान पर सफेदपोशों व अफसरशाही का इस कदर हाथ रहा कि 10 गंभीर प्रवृत्ति के दर्ज मुकदमों के होते हुए तो वह पकड़ा नहीं गया लेकिन महज वाद विवाद व अभद्रता का मामला न सिर्फ रातोंरात दर्ज हुआ बल्कि चंद घंटों में पुलिस ने उसे ढूंढ निकाला और जेल भी भेज दिया।

बाबा पठान।

- बाराबंकी आकर खूब पनपा अबू बकर उर्फ बाबा पठान, बनाई संपत्ति

आजमगढ़ के कौड़िया फूलपुर के रहने वाले बाबा पठान का नाम जमीन पर अवैध कब्जों से चर्चा में आया। वर्ष 2015 में इसी के जिले में पहला मुकदमा लिखा गया। इसके बाद बाबा पठान आजमगढ़ से बाराबंकी आकर रहने लगा। यहां पर साठगांठ, मिलीभगत और जुगाड़ का ऐसा माहौल मिला कि उसने पलट कर नहीं देखा। हैरत की बात यह कि उसके खिलाफ शहर कोतवाली में दर्ज सभी 10 मुकदमे जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायतों के ही हैं। सफेदाबाद खासकर भुहेरा को उसने कर्मस्थली बना ली और जमीनों में हेरा फेरी, भू स्वामियों को डराने धमकाने और धोखाधड़ी के काम शुरू कर दिये। कब्जाई जमीनों पर एचएम ग्रीन सिटी के नाम से कारोबार भी शुरु कर दिया और अकूत संपत्ति अर्जित की। लोगों ने पुलिस तक शिकायतें पहुंचाईं। बाबा पठान के खिलाफ एक ही कोतवाली में 10 मामले दर्ज हो गए लेकिन उसकी गर्दन तक पुलिस के हाथ नहीं पहुंचे। हैरत तो तब हुई जब सफेदाबाद स्थित मन्नत अपार्टमेंट में निकुंज मोदी के परिवार से बर्थ डे पार्टी के दौरान वाद विवाद, अभद्रता, धमकाने के मामले में पुलिस ने रातोंरात मुकदमा दर्ज कर बाबा पठान को उठा भी लिया।

एएसपी उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि एक दिन पूर्व दर्ज मामले में बाबा पठान को जेल भेजा गया है। अन्य मामलों में राजस्व विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी। उसी आधार पर पुलिस भी कार्रवाई करेगी।

दुष्कर्मी झोलाछाप को 20 साल की सजा

अयोध्या, अमृत विचार: गले का उपचार कराने आई मासूम से दुष्कर्म करने के आरोपी झोलाछाप को दोषी करार देते हुए कोर्ट ने 20 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 40 हजार जुर्माना भी हुआ। फैसला विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट निरुपमा विक्रम की अदालत से शनिवार को हुआ। पाक्सो के विशेष लोक अभियोजक वीरेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि घटना 15 मार्च 2023 की है। कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के मानपुर गांव निवासी प्रेमचंद के घर नौ वर्षीय मासूम अपने गले का इलाज कराने आई थी। आरोप था कि मानपुर गांव निवासी प्रेमचंद उसे अपने घर के अंदर ले गया और दुष्कर्म किया।

विद्यार्थियों ने जानी विरासत की अहमियत

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ के निर्देशन में शनिवार को मगहर स्थित संत कबीर आचार्य राम विलास इंटर कॉलेज में छायाचित्र प्रदर्शनी, व्याख्यान एवं स्मारक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन क्षेत्रीय पुरातत्त्व अधिकारी गोरखपुर डॉ. कृष्णमोहन दूबे द्वारा किया गया।

इस दौरान करीब 300 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर देश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के महत्व को विस्तार से समझा। 'विरासत और पहचान' विषय पर

मगहर स्थित संत कबीर आचार्य राम विलास इंटर कॉलेज में आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी व स्मारक भ्रमण में भाग लेते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। मुख्य अतिथि डॉ. कृष्ण मोहन दूबे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विरासत केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि हमारी पहचान और भविष्य की दिशा तय करने वाली धुरी है। उन्होंने वर्ष 2026 की वैश्विक थीम "संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत" पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदाओं और संकट के समय स्थानीय परंपराओं एवं स्मारकों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को स्मारकों की स्थापत्य कला, निर्माण शैली तथा ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी दी। साथ ही छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से क्षेत्र के विभिन्न पुरास्थलों एवं उत्खनन से प्राप्त पुरावशेषों को प्रदर्शित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. राकेश सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति और विरासत के प्रति गर्व की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने की शपथ ली।

आयोजन — स्कूल चलो अभियान एवं नामांकन कार्यशाला आयोजित

शिक्षा ही है समाज के समग्र विकास का आधार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शिक्षा क्षेत्र उस्का बाजार अंतर्गत शनिवार को स्कूल चलो अभियान एवं नवीन नामांकन के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने और शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कहा कि शिक्षा ही समाज के समग्र विकास का आधार है और सरकार की योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा जब प्रत्येक बच्चा विद्यालय से जुड़ेगा। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे घर-घर जाकर नामांकन अभियान को सफल बनाएं। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हेमंत जायसवाल ने कहा कि नगर क्षेत्र के विद्यालयों के कायाकल्प के साथ स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई गई जिससे परिषदीय विद्यालय निजी विद्यालयों से प्रतिस्पर्धा कर सके। कार्यक्रम को प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष श्रीश प्रताप यादव व अभिषेक त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में वर्तमान सत्र में अधिक नामांकन करने वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय चुरिहारी के प्रभारी राकेश सिंह, पीएम श्री परसा खुर्द के बालजीत कुमार व हथिवडताल के श्रीचंद को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। केजीबीवी उस्का की बच्चियों ने स्वागत गीत व परसा खुर्द की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। परसा खुर्द के बच्चों द्वारा बनाया गया पिरामिड खूब सराहा गया। कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय मदनपुर के बच्चों द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहा। अवलोकन के दौरान शिक्षक विधायक ने बच्चों के मेहनत को सराहा और शिक्षिका अंकिता चंदेल को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मौजूद बच्चे व अतिथि। अमृत विचार

भारतीय रेलवे की दो परियोजनाएं हुईं मंजूर

नई दिल्ली, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 24,815 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में - रु. 14926 करोड़ की लागत से गाजियाबाद सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन (859 ट्रैक किमी) तथा रु. 9889 करोड़ की लागत से राजमुंदरी (निदादावोलु) - विशाखापत्तनम (दुव्वाडा) तीसरी और चौथी लाइन (458 ट्रैक किमी) शामिल है। इस बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 01073/01074 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 06 मई से 15 जुलाई तक (06 मई को छोड़कर) प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार को तथा बनारस से 08 मई से 17 जुलाई तक (12 जून को छोड़कर) प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार को 21 फेरों के लिए किया जायेगा।

01073 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी 06 मई से 15 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12.15 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी यात्रा में 01074 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी 08 मई से 17 जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार को बनारस से 05.30 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 09, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। 06 मई,2026 को 01073 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस विशेष गाड़ी के स्थान पर 01125 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस विशेष गाड़ी का संचलन किया जायेगा। 12 जून को 01074 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी के स्थान पर 01126 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी का संचलन किया जायेगा। इन गाड़ियों का समय, ठहराव एवं मार्ग यथावत रहेगा।

यात्रियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करा रहे

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन यात्रियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में यात्रा के दौरान ट्रेनों में स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने हेतु क्लीन ट्रेन स्टेशन (सी.टी.एस.) एवं ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग सर्विस (ओ.बी.एच.एस) के माध्यम से गाड़ियों की साफ-सफाई कराई जाती है। क्लीन ट्रेन स्टेशन योजना के अन्तर्गत ट्रेनों के नामित स्टेशन पर पहुंचते ही टॉयलेट की सफाई मशीनीकृत (जेट वैक्यूम बफिंग) तरीकों से तथा विंडों ग्लास की सफाई भी आधुनिक तरीके से किया जाता है।

पिया बाज प्याला पिया जाए ना
पिया बाज यक तिल जिया जाए ना

कुली कुतुब शाह कहते हैं, ईश्वर के बिना जीवन का आनंद नहीं लिया जा सकता। इसी तरह प्रियतम के बिना भी एक पल भी जीना मुश्किल है।

जीवन की सांध्य बेला में निराश हैं वृद्ध माता-पिता

अमेरिका की समाज व्यवस्था व्यक्तिवादी है। संयुक्त परिवार व्यवस्था नहीं है। अमेरिका में रहने वाले तमाम भारतवासी हमारे परिचित हैं। वे अपने पुत्रों के किस्से सुनाते हुए भावुक हो जाते हैं। आंखें छलछला जाती हैं। ताजी घटना ने मुझे मर्माहत किया है। मेरे एक मित्र के दोनों पुत्र परिवार सहित अमेरिका में कार्यरत हैं। जीवन के अंतिम दिनों में पत्नी के साथ अकेले रह गए।

बीमारी के समय न तो संतानें साथ थीं और न ही उचित देखभाल का सहारा मिला। निधन के उपरांत एक पुत्र और दूसरे की पत्नी औपचारिक रूप से आए, किंतु अंतिम संस्कार तक में वह श्रद्धा परंपरा का भाव नहीं। अस्पताल से सीधे श्मशान ले जाकर बिना विधि-विधान के अंत्येष्टि कर दी गई। घर तक लाना भी आवश्यक नहीं समझा गया। घटना बदलते पारिवारिक मूल्यों और वृद्ध की उपेक्षा का मार्मिक उदाहरण है।

मृत्यु जीवन का अंत है। वृद्धावस्था जीवन ऊर्जा का अवसान है। क्या मृत्यु दुख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है, लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद जीवन की स्तुति है। इस स्तुति में 'पश्येम शरदः शतं'-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियां काम नहीं करती। बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है। वृद्ध हमारे समाज का अनुभव समृद्ध भाग हैं। उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है।

> मृत्यु जीवन का अंत है। वृद्धावस्था जीवन ऊर्जा का अवसान है। क्या मृत्यु दुख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है, लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद जीवन की स्तुति है। इस स्तुति में 'पश्येम शरद : शतं'-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियां काम नहीं करतीं। बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है।

वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों-पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है। यह राष्ट्र राज्य का भी कर्तव्य है। राष्ट्र राज्य सतर्क है। इस पर कानून भी है, लेकिन समाज इस महत्वपूर्ण समस्या पर सजग व सतर्क नहीं है। भारतीय समाज जीवन संयुक्त परिवारों में विकसित हुआ है। ऐसे परिवारों के सुख-दुःख साझे रहे हैं। वृद्ध अपने बड़े परिवारों में आनंदित रहते हैं, लेकिन अब संयुक्त परिवारों की परंपरा टूट गई है। सब एकाकी रहना चाहते हैं। वृद्ध अकेले हो रहे हैं। वे उपयोगी नहीं माने जाते। वे अशक्त है। आधुनिक उपयोगितावाद के कारण वृद्धावस्था के शारीरिक कष्टों में अब मानसिक संताप भी जुड़ गए हैं। ज्यादातर वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं। संवेदनाए कुचालक हो रही हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

सभी प्राणी काल के भीतर हैं। मनुष्य भी। जन्म और शैशव ऊषाकाल है। बचपन संभावनाओं का बीज है। संभावना का बीज फूटता है। जीवन ऊर्जा से भरीपूरी तरुणाई आती है। तरुणाई भी स्थिर नहीं है। 40-50 शरद पूर्णिमा आई, गई। जीवन का संध्या काल आया। ऊर्जा घटी, शरीर टूटा। प्राचीन कवि बता गए हैं-शीर्यते इति शरीरं। जो शीर्ण होता रहता है, वह शरीर है। शरीर सतत् क्षरणशील है। 60 वर्ष के आसपास आ जाती है वृद्धावस्था। आयुर्वेद के ग्रंथ शारंगधर संहिता में मनुष्य शरीर के क्षरण का सुंदर उल्लेख है।

लिखा है कि प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव ह्रास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं। जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी बाल्यावस्था का ह्रास होता है। फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है। वृद्धि रुक जाती है। फिर अगले 10 वर्ष में कांति चेहरे की दीप्ति का ह्रास, फिर आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है। 5वें दशक में सौंदर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है। 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है।'

आधुनिक विज्ञान ने इस ह्रास को घटाया है, लेकिन प्रकृति के नियम अपना काम करते ही हैं। वृद्ध होना सबकी नियति है। बुढ़ापा अभिशाप नहीं है। वृद्धों के पास संसार के जीवंत अनुभवों का कोष होता है। अनुभव का कोष महत्वपूर्ण है। वृद्ध के पास दिशा होती है, युवक के पास गति और ऊर्जा। वृद्धों के दिशा-दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी है।

माता-पिता भी मार्गदर्शक संरक्षक होते हैं। वे न होते तो हम न होते। ऋग्वेद में पृथ्वी माता है, आकाश पिता है। इस उदाहरण में विराट पृथ्वी और अनंत आकाश की तुलना माता-पिता से की गई है। माता-पिता से हमारे अंतर्संबंध एकात्म हैं। वे जनक है। वे हमारा भविष्य संवारने में जुटे दो देव हैं। वे प्रतिपल प्यार और शुभांशंसा उंडेलने वाले शक्ति केंद्र हैं। उनका आदर और सम्मान हमारा कर्तव्य है। माता-पिता के प्रति हमारा सम्मान अतर्क्य है। ऋषि की इच्छा है कि हम पृथ्वी को मां जैसी और आकाश को पिता जैसी प्रतिष्ठा दें।

ऋग्वेद (10.22.3) में इंद्र से कहते हैं 'जैसे पिता अपने पुत्र को संरक्षण देता है, आप हमें वैसे ही संरक्षण दें- पिता पुत्रमिव प्रियम्।' यहां पिता का संरक्षण सबसे बड़ा है। ऋषि की कामना है कि इंद्र भी उसे पिता जैसा संरक्षण दें। हाथ पकड़े रहें, हम गिरें तो वे तत्काल उठा लें। एक अन्य मंत्र में इंद्र से प्रार्थना है कि आप हमें पिता की तरह बुद्धि दें- प्रमतिपितेव। इंद्र ज्ञानी हैं। यह समाज की मान्यता है, लेकिन पिता द्वारा दी गई बुद्धि की बात ही दूसरी है। ऋषि पिता की बुद्धि को श्रेय जानता है। देव सामाजिक मान्यता हैं। पिता यथार्थ हैं। प्रत्यक्ष संरक्षक व सुखदाता है। सोम से स्तुति है, 'हमें वैसे ही सुखी रखो, जैसे पिता पुत्र को सुखी रखता है।' सुख कई तरह का होता है। प्रिय का मिलन सुख है। प्रकृति की अनुकूलता सुख है। इच्छा का पूरा होना भी सुख है, लेकिन ऋषि पिता द्वारा दिए गए सुख से सराबोर है।

माता-पिता बचपन में पोषण देते हैं, पढ़ाते हैं सिखाते हैं। वे स्वयं की चिंता नहीं करते, अपना भविष्य नहीं देखते। हम सबके सुखद भविष्य का तानाबाना बुनते हैं। हम तरुण होते हैं, पिता वृद्ध होते हैं। हम तरुणाई से और परिपक्व होते हैं, पिता और वृद्ध होते हैं। जब हम तेज रफ्तार जीवन की गतिशीलता में होते हैं, तब माता-पिता उठते ही गिर पड़ते हैं। वे बचपन में हमको गिरने से बचाते थे। ऋषि को स्मृति में ऐसे तमाम प्रसंग हैं। एक ऋषि अग्नि से स्तुति करते हैं, 'हमें वैसे ही उछालो जैसे हमारे पिता हमको उछालते थे'। बचपन में माता-पिता हमको उछालते थे। हम उनकी गोद में गिरते थे। खिलखिलाते हंसते थे। क्या उन्हें हम उनकी वृद्धावस्था में अपनी गोद में बैठा सकते हैं?

अधिकांश वृद्ध माता-पिता जीवन की सांझ में निराश हैं। पुत्र अपने काम में व्यस्त हैं। माता-पिता अकेले हैं। कुछेक को दवा भोजन मिलता है, लेकिन प्रेम नहीं। उन्हें वृद्धावस्था में संरक्षण की जरूरत है, लेकिन कमाऊ पुत्र डांट रहे हैं, वृद्ध व्यथित हैं। सरकारें वृद्धाश्रम बना रही हैं। यह राष्ट्रव्यापी समस्या है। इसका उपचार प्राचीन संस्कृति और वैदिक सभ्यता है। भारत के अपने इतिहास में माता-पिता के आदर व श्रद्धा वाला संस्कारी समाज था। वैसा ही संस्कारी समाज बनाने के लिए माता-पिता का संरक्षण पाना और वृद्धावस्था में उन्हें संरक्षण देना कोई बड़ा काम नहीं है। यह सांस्कृतिक प्रश्न है। सामाजिक प्रश्न है और पारिवारिक आनंद की प्राप्ति का मार्ग भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

समाज के कटघरे में खड़ी आजाद स्त्री

हर शाम जब वह अपने दफ़्तर से लौटकर घर का दरवाज़ा खोलती है, तो केवल ताला नहीं खुलता, बल्कि समाज की संदेहभरी निगाहें भी उसके साथ भीतर प्रवेश कर जाती हैं। वह शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी एक आधुनिक महिला है, जो अपनी गाड़ी स्वयं चलाती है, किताबों में सुकून तलाशती है और अपने सपनों की दुनिया खुद गढ़ती है, लेकिन समाज की नजर में उसकी यह सफलता सम्मान का कारण नहीं बनती, बल्कि उसे 'समस्या' का रूप दे देती है। भारत में आज लाखों महिलाएं अविवाहित, तलाकशुदा या विधवा होकर आत्मसम्मान के साथ जीवन जी रही हैं, फिर भी उन्हें अधूरा मान लिया जाता है। मानो विवाह ही स्त्री के अस्तित्व की अंतिम स्वीकृति हो। यही सीमित सोच उन्हें सराहना के बजाय संदेह और सवालों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

कृति जैन
लेखिका

यह मानसिकता अचानक उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं की गहराइयों से निकली है। समाज ने स्त्री को सदैव किसी न किसी पुरुष की छाया में देखने की आदत बना ली है। पिता, पति और पुत्र इन्हीं के माध्यम से उसके जीवन की पहचान तय कर दी गई। आज भी अनेक परिवार विवाह को ही स्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार शहरी भारत में अविवाहित महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, फिर भी सामाजिक सोच अब तक पिछड़ेपन से मुक्त नहीं हो सकी है। स्वतंत्र व आत्मनिर्भर महिला को व्यवस्था के लिए खतरा माना जाता है, क्योंकि वह पारंपरिक सत्ता संरचना को चुनौती देती है व स्थापित मान्यताओं को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

> अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं।

इस भय का सबसे गहरा प्रभाव महिलाओं के रोज़मर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मकान मालिक उन्हें किराए पर घर देने से हिचकिचाते हैं, पड़ोसी कानाफूसी करते हैं और रिश्तेदार बार-बार विवाह की याद दिलाकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं। कार्यस्थल पर भी उन्हें अलग दृष्टि से देखा जाता है, मानो उनकी योग्यता नहीं, बल्कि उनका वैवाहिक दर्जा ही उनकी पहचान हो। पुरुषों का अविवाहित रहना सामान्य माना जाता है, किंतु किसी महिला का अकेले रहना उसके चरित्र पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां अविवाहित या विधवा महिलाओं को सामाजिक बहिष्कार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा मापदंड धीरे-धीरे महिलाओं की आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को कमजोर करने का माध्यम बन जाता है।

अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं। व्यवस्था अब तक यही मानकर चलती है कि महिला का जीवन किसी पुरुष के सहारे ही पूर्ण होता है। जब वह अपने बल पर आगे बढ़ती है, तो उसे अपवाद की तरह देखा जाता है। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य शुरू होता है, वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्योहार हर वर्ष बैसाख माह में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं, क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं।

अक्षय तृतीया का पर्व बसंत व ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है, जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है, क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था, इसीलिए इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाए थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था, जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरुआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग, जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है, वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है, इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है, कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है, जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में बैसाख के बसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं, जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला, इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में भी अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था, इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

रैंकिंग में भारत के फिसलने के मायने

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर हाल में आई एक खबर ने बहस छेड़ दी है-अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रैंकिंग में भारत छठे स्थान पर खिसक गया है। यह वही भारत है, जिसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सच में भारत कमजोर हो रहा है या यह केवल आंकड़ों का खेल है?

> भारत का छठे स्थान पर जाना एक झटका जरूर है, लेकिन इसे संकट के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। यह एक चेतावनी भी है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में केवल तेजी से बढ़ना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि मुद्रा स्थिरता और सटीक आंकड़ों की भी उतनी ही अहम भूमिका है।

आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार, 2025-26 के अनुमानों में भारत की जीडीपी लगभग 4.15 ट्रिलियन डॉलर रहने की संभावना है, जबकि ब्रिटेन 4.26 ट्रिलियन डॉलर के साथ एक पायदान ऊपर पहुंच गया है। इससे भारत छठे स्थान पर चला गया। अमेरिका और चीन पहले दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि जर्मनी, जापान और ब्रिटेन भारत से आगे हैं। पहली नजर में यह गिरावट चिंता पैदा करती है, लेकिन गहराई से देखने पर तस्वीर कुछ अलग नजर आती है। यह बदलाव विकास दर में गिरावट के कारण नहीं, बल्कि गणना के तरीके और मुद्रा के उतार-चढ़ाव से जुड़ा है।

जीडीपी की वैश्विक तुलना अमेरिकी डॉलर में होती है। यही वह बिंदु है, जहां भारत को झटका लगा। पिछले एक साल में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है- 93 के पार पहुंचना इसका संकेत है।

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

इसे सरल भाषा में समझें। मान लीजिए भारत में उत्पादन और आय बढ़ रही है, लेकिन रुपया कमजोर हो रहा है। ऐसे में जब उसी उत्पादन को डॉलर में बदला जाएगा, तो उसकी वैल्यू कम दिखाई देगी। यानी असल में अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय तुलना में वह छोटी दिखने लगती है। यही कारण है कि भारत की जीडीपी डॉलर में कम आंकी गई और रैंकिंग नीचे खिसक गई।

भारत सरकार ने हाल ही में जीडीपी मापने के लिए बेस ईयर को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह एक तकनीकी, लेकिन बेहद अहम बदलाव है। बेस ईयर बदलने का मतलब है कि अब अर्थव्यवस्था को नए डेटा और नए मानकों के आधार पर मापा जा रहा है। इससे आंकड़े ज्यादा सटीक होते हैं, लेकिन जब पुराने वर्षों की जीडीपी को नए तरीके से दोबारा कैलकुलेट किया गया, तो कुछ सेक्टरों में अनुमान कम हो गए। इस बदलाव से नॉमिनल जीडीपी में करीब दो से चार प्रतिशत तक की कमी दिखी।

यहां सबसे दिलचस्प पहलू सामने आता है। एक तरफ भारत 6.5% की दर से बढ़ रहा है, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज है। दूसरी तरफ उसकी रैंकिंग गिर रही है। विकास दर और कुल जीडीपी का आकार दो अलग चीजें हैं। विकास दर बताती है कि अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है, जबकि जीडीपी का आकार दर्शाता है कि कुल अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी है। भारत तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी अमेरिका, चीन, जर्मनी जैसे देशों की तुलना में उसका कुल आकार छोटा है। ऐसे में यदि मुद्रा कमजोर हो जाए या आंकड़ों में बदलाव हो जाए, तो रैंकिंग प्रभावित होना स्वाभाविक है।

ब्रिटेन ने इस बार भारत को पीछे छोड़ दिया है। इसके पीछे दो प्रमुख कारण हैं-पहला, ब्रिटेन की मुद्रा अपेक्षाकृत स्थिर रही; दूसरा, वहां के आर्थिक आंकड़ों में ऐसा कोई बड़ा संशोधन नहीं हुआ जैसा भारत में हुआ। यानी जहां भारत को रुपये की कमजोरी और बेस ईयर बदलाव का दोहरा झटका लगा, वहीं ब्रिटेन अपेक्षाकृत स्थिर बना रहा।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट स्थायी नहीं है। इसके पीछे कोई बुनियादी आर्थिक कमजोरी नहीं है। भारत की खपत, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास मजबूत स्थिति में हैं। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसकी घरेलू मांग है। इसके अलावा सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर, डिजिटल इकोनॉमी का विस्तार और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार इसे आगे बढ़ा रहे हैं। आईएमएफ का अनुमान है कि यदि यही रफ्तार बनी रही, तो भारत 2027-28 तक फिर से चौथे स्थान पर पहुंच सकता है।

भारत के सामने अब दो बड़ी चुनौतियां हैं- मुद्रा को स्थिर रखना और आर्थिक सुधारों की गति बनाए रखना। रुपये की स्थिरता के लिए मजबूत निर्यात, विदेशी निवेश और वित्तीय अनुशासन जरूरी होगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

शारीरिक और मानसिक आघात पहुंचाने वाली बातों को भूलना श्रेयस्कर

कभी-कभी जीवन में ऐसी घटना हो जाती है कि उससे इंसान स्थायी रूप से क्रोधी हो जाता है। जब कभी उस घटना की याद आती है, तो क्रोध का पारा सातवें आसमान पर चढ़ जाता है। ऐसी ही घटना भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के साथ हो गया था। थे तो वे ऋषि, जिसका काम ज्ञान देना था, लेकिन परशुराम के साथ राजा सहस्त्रार्जुन से युद्ध की कथा भी महाभारत ग्रंथ में उल्लिखित है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

सहस्त्रार्जुन राजा होकर अपने दायित्व से च्युत हो जाता है। ज्ञान के भंडार परशुराम के पिता जमदग्नि की हत्या तथा उनके आश्रम के पेड़ पर्यावरण संरक्षण पद्धति को नष्ट करता है। पेड़-पौधों को उजाड़ देने पर परशुराम ने बदला लिया, जो स्वाभाविक है। सनातन संस्कृति में वृक्षों को भगवान का दर्जा दिया गया है। धार्मिक कार्यों में संकल्प के दौरान 'वनस्पतयः शांतिः' का उल्लेख किया गया है। यानी वनस्पतियों की रक्षा करनी चाहिए। सहस्त्रार्जुन राजा होकर हिंसा पर उतारू हो गया, जबकि महाभारत के शांति पर्व में भीष्म ने युधिष्ठिर से कहा भी है कि लोकहित में ऋषि अपने ज्ञान एवं तपोबल तथा राजा अपने बाहुबल से प्रजा को सुख, शांति तथा उल्लास प्रदान करे।

चाणक्य भी इसी तरह की व्यवस्था के हिमायती थे। इसमें जो भी अपने दायित्व से विचलित होता है, वह दंड का भागीदार होता है। इन्हीं कारणों से परशुराम क्रोधी स्वभाव के हो गए। जब सीता स्वयंवर में शिव का धनुष टूटने पर परशुराम ने क्रोध किया, तो लक्ष्मणजी ने 'लखन कहेउ हंसि सुनहु मुनि क्रोध पाप कर मूल, जेहि बस जन अनुचित करहिं चरहिं बिस्व प्रतिकूल' रामचरितमानस के दोहे में गोस्वामी तुलसीदास ने क्रोध को अनुचित बताया है।

यह क्रोध करने वाले के तन-मन पर बुरा प्रभाव डालता है। यदि जीवन में किसी ने कुछ अहित कर दिया, तो उसको भुलाने की सलाह दी जाती है। अंततः परशुराम जी का जब सामना मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से हुआ, तो परशुरामजी ने अपना क्रोध त्याग दिया। जिन कारणों से शारीरिक एवं मानसिक आघात पहुंचे, उधर ध्यान ही नहीं देना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

मर्द जब रोता है, तब अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है!

मर्द रोता नहीं और जब रोता है, तब अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है। यह वाक्य केवल एक संवाद नहीं है; यह एक सामाजिक प्रशिक्षण का सार है। लड़कों को बचपन से जिस ढंग से गढ़ा जाता है, वही आगे चलकर उनकी भावनात्मक दुनिया, व्यवहार और उनके आत्मबोध को आकार देता है।

घर में जब छोटा लड़का गिरकर रोता है तो अक्सर उसे कहा जाता है 'चुप हो जाओ, लड़के रोते नहीं।' स्कूल में उसे सिखाया जाता है कि वह मजबूत बने, प्रतियोगिता जीते, हार को छिपाए। खेल के मैदान में उसे दर्द सहने की आदत डालने को कहा जाता है। किशोरावस्था में उसे यह संकेत मिलता है कि संवेदनशीलता आकर्षक नहीं, सफलता और नियंत्रण ही सम्मान दिलाते हैं। यह सब मिलकर एक भावनात्मक अनुशासन बनाता है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की पहचान का हिस्सा बन जाता है।

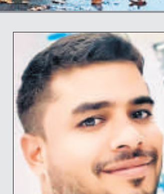

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि प्रारंभिक समाजीकरण व्यक्ति की भावनात्मक शब्दावली को प्रभावित करता है। यदि बचपन में भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति सीमित हो, तो वयस्क होने पर व्यक्ति उन्हें पहचानने और साझा करने में कठिनाई महसूस करता है। यही कारण है कि अनेक पुरुष अपनी बेचैनी, तनाव या अवसाद को स्पष्ट रूप से पहचान नहीं पाते।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि वयस्क आबादी में अवसाद और चिंता विकार व्यापक हैं। पुरुषों में पदार्थ-निर्भरता और शराब उपयोग विकार की दर महिलाओं की तुलना में अधिक पाई गई है, जबकि उपचार तक पहुंचने वाले पुरुषों का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम है। यह अंतर केवल चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता का नहीं, बल्कि सामाजिक धारणाओं का भी परिणाम है, जहां सहायता मांगना अक्सर कमजोरी माना जाता है।

वैश्विक स्तर पर भी यही पैटर्न दिखाई देता है। अनेक देशों में पुरुष मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग कम करते हैं, जबकि जोखिमपूर्ण व्यवहार अधिक देखा जाता है।

समाज पुरुष से यह अपेक्षा करता है कि वह आत्मनिर्भर, स्थिर और भावनात्मक रूप से अडिग रहे। इसी अपेक्षा के कारण सहायता मांगना कई बार उसके आत्मसम्मान के विरुद्ध प्रतीत होता है।

भारतीय संदर्भ में यह अपेक्षा और जटिल हो जाती है। परिवार संरचना में पुरुष को अक्सर आर्थिक स्तंभ के रूप में देखा जाता है। कमाई, स्थिरता और सामाजिक प्रतिष्ठा उसकी पहचान का हिस्सा बन जाती है। यदि रोजगार अस्थिर हो, आय घटे या आर्थिक दबाव बढ़े, तो संकट केवल आर्थिक नहीं रहता, वह आत्मबोध का संकट बन जाता है।

ग्रामीण भारत में यह दबाव कृषि अस्थिरता, ऋण और बाज़ार जोखिम से जुड़ता है, जबकि शहरी संदर्भ में प्रतिस्पर्धात्मक कार्यसंस्कृति, अस्थायी रोजगार और लगातार तुलना इसे और तीव्र बना देती है। दोनों ही स्थितियों में पुरुष का आत्ममूल्य उपलब्धियों से बंध जाता है, और भावनात्मक जीवन पीछे छूट जाता है, लेकिन यह केवल अर्थव्यवस्था का प्रश्न नहीं है; यह उस सांस्कृतिक मस्कुलैरिटी का प्रश्न है, जिसे समाज पीढ़ियों से निर्मित करता आया है। अकादमिक रूप से इसे 'हेजेमोनिक मस्कुलिनिटी' कहा जाता है, जिसमें शक्ति, नियंत्रण और भावनात्मक कठोरता को आदर्श पुरुषत्व माना जाता है।

समाज एक आदर्श पुरुष छवि निर्मित करता है। मजबूत शरीर, नियंत्रित भावनाएं और कमज़ोरी का अभाव। फिल्मों, खेल, विज्ञापनों और अब डिजिटल मीडिया में यह छवि लगातार दोहराई जाती है। धीरे-धीरे यह छवि केवल आदर्श नहीं रहती, बल्कि सामाजिक मानक बन जाती है। यहीं से मर्दानगी का निर्माण शुरू होता है। घर की भाषा से, जहां आंसू को शर्म से जोड़ा जाता है; स्कूल की संस्कृति से, जहां लड़कों को कठोरता के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और साथियों के व्यवहार से, जहां संवेदनशीलता को उपहास का विषय बनाया जा सकता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

एसआईआर प्रक्रिया जनता के खिलाफ षडयंत्र : कुरैशी

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने देश भर में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे असंवैधानिक और जनता के खिलाफ षड्यंत्र करार दिया। मानवाधिकार संगठन जनहस्तक्षेप की ओर से प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में 'सिलेक्टिंग द इलेक्टर्सः मॉकरी ऑफ डेमोक्रेसी' विषय पर आयोजित सेमिनार में कुरैशी ने कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची और चुनाव संबंधी कानूनों के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है।

कुरैशी ने स्पष्ट किया कि वोटर लिस्ट में नाम होना और मतदान का अधिकार नागरिकों का संवैधानिक हक है, यह सरकार या चुनाव आयोग की कोई मेहरबानी या चैरिटी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया अपारदर्शी है और इसके जरिए नागरिकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चूंकि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियां अधूरी और त्रुटिपूर्ण हैं, इसलिए वहां पुरानी सूचियों पर ही मतदान कराना चाहिए। सेमिनार में उपस्थित बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं ने एक सुर में एसआईआर को तत्काल समाप्त करने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी शब्द के नाम पर लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, जो कि चिंताजनक है।

कॉर्पोरेट के लिए सस्ता श्रम बनाने की साजिश: जनहस्तक्षेप के सहसंयोजक अनिल दुबे ने कहा कि एसआईआर को परिसीमन और एक राष्ट्र-एक चुनाव से जोड़कर देखाना चाहिए, जिसका उद्देश्य करोड़ों गरीबों को मताधिकार से वंचित कर उन्हें केवल कॉर्पोरेट के लिए सस्ता श्रम बनाकर रखना है।

ममता को सत्ता से हटाएं वरना हमसे बंगाल छीन लेंगे बांग्लादेशी मुसलमान

कोलकाता, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार पर राज्य के संसाधनों को बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के हवाले का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ममता को सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल को गंवा देंगे।

श्रीशर्मा ने कालिम्पोंग में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि असम और त्रिपुरा की भाजपा सरकारों ने बांग्लादेशी मुसलमानों को भारत में घुसने से रोका है, जबकि बंगाल में अवैध घुसपैठ जारी है। उन्होंने कहा- ममता बनर्जी ने बंगाल का पूरा खजाना बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के लिए आरक्षित कर दिया है। उन्होंने वोट के लिए इस भूमि को बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दिया। आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से बनर्जी ने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है। हमें ममता बनर्जी को बंगाल के मुख्यमंत्री पद से हटाना होगा, अन्यथा एक दिन बांग्लादेशी मुसलमान हमसे यह राज्य छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे ही बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, हम इस क्षेत्र से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर कर देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में सत्ता में आने पर गोरखालैंड मुद्दे का संवैधानिक समाधान तलाशेगी और गोरखाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी। शर्मा ने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है।

सूचना

मैंने अपना नाम NASRUL NISA से बदल कर NASRUL NISHA रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O: MOHAMMAD MUSLIM R/O: BARAVAN GARH MAHAUNA PASCHIM AMETHI UTTAR PRADESH - 226021

सूचना

मै इकराम पुत्र मोहम्मद हाशिम निवासी ग्राम मसीढ़ा रतन विकास खण्ड माल थाना माल परगना व तहसील मलिहाबाद जनपद लखनऊ, मेरे पासपोर्ट नम्बर–N1686256 में मेरा नाम अंग्रेजी में IKRAM दर्ज है जो गलत है जबकि मेरे आधार कार्ड नम्बर–5817 4223 8883 पर मेरा नाम अंग्रेजी में EKRAM दर्ज है जो सही है। अतः मेरे पासपोर्ट नम्बर–N1686256 पर मेरा अंग्रेजी में नाम IKRAM के स्थान पर सही स्थान सही नाम अंग्रेजी में EKRAM स्वीकार किया जाना न्याय संगत है।

(नोटिस)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शुभांशी सिंह (SUBHANSHI SINGH) पुत्री मनोज सिंह (MANOJ SINGH), निवासी K–416,गणेशपुर रहमानपुर, चिनहट, लखनऊ (उ.प्र.) ने अपने नाम एवं पिता के नाम में अभिलेखीय त्रुटि के कारण संशोधन कराया है। पूर्व में मेरे शैक्षिक अभिलेख (इंटरमीडिएट मार्कशीट रोल नंबर– 23720162, CBSE बोर्ड 2024–25, सिद्धांत वर्ल्ड स्कूल, लखनऊ) में मेरा नाम SUBHHANSHI तथा पिता का नाम MANOJ KR SINGH अंकित था, जो कि त्रुटिपूर्ण है। अतः अब से मेरा सही एवं वैध नाम शुभांशी सिंह (SUBHANSHI SINGH) तथा मेरे पिता का सही नाम मनोज सिंह (MANOJ SINGH) माना जाए। भविष्य में मैं इन्हीं नामों से जानी जाऊंगी। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो, तो वे निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत करें, अन्यथा इसे वैध एवं अंतिम माना जाएगा।

दिनांक: 18/04/2026 **स्थान: लखनऊ,**
शपथकर्ता (शुभांशी सिंह)

बेदखली सूचना

मैंने अपने पुत्र अभिषेक श्रीवास्तव के गलत व्यवहार के कारण उनसे सम्बंध समाप्त कर लिया है और उन्हें अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है ! उनके द्वारा किये लेन देन से मेरा व मेरे परिवार का सरोकार नहीं है – **ओम प्रकाश पुत्र स्व0 देवीदयाल निवासी– 51 सिविल लाइन्स, पथरकटा चौराहा, फतेहपुर**

सूचना (खोया–पाया)

यह सूचित किया जाता है कि मेरी महत्वपूर्ण शैक्षिक मार्कशीट (हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट) हज़रतगंज चौराहे के आस–पास 30 जनवरी को खो गई है। विवरण इस प्रकार है।शकीना खान इंटरमीडिएट अनुक्रमांक: 743977 हाई स्कूल अनुक्रमांक: 1759779 यदि किसी सज्जन को उपरोक्त मार्कशीट प्राप्त हो, तो कृपया नीचे दिए गए संपर्क सूत्र पर सूचित करने का कष्ट करें। उचित इनाम दिया जाएगा।
संपर्क करें: मोबाइल नंबर: 9519549569
दिनांक : 30/01/2026 स्थान : लखनऊ

हरदोई: सांड़ ने केयर टेकर को पटककर मार डाला

हरदोई, अमृत विचार। सांड़ गौशाला के बगल में गन्ने के खेत में घुस गया। गौशाला का केयर टेकर उसे भगाने पहुंचा तो सांड़ ने उसे उठाकर कई बार पटक दिया, जिससे केयर टेकर की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार की देर रात साण्डी थाने के ढोंढपुर हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए जांच शुरु कर दी। साण्डी थाने के ढोंढपुर निवासी 55 वर्षीय रामकुमार पुत्र धन्ना गांव की गौशाला में केयर टेकर की नौकरी करता था उसके भाई आशाराम ने बताया शुक्रवार की देर शाम को रामकुमार गौशाला में ड्यूटी कर रहा था, गौशाला के बगल में गांव के नरेश सिंह का गन्ने का खेत है, एक सांड खेत में घुस गया, रामकुमार उसे भगाने पहुंचा, तभी सांड ने रामकुमार को उठा कर ज़मीन पर पटक दिया। आसपास मौजूद लोग दौड़ पड़े, उन्होने सांड़ को खदेड़ा, लेकिन तब तक रामकुमार की मौत हो चुकी थी।

सिद्धि ने बढ़ाया मान

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्ण कुमार पाण्डेय की बेटी सिद्धि पाण्डेय ने सीबीएसई बोर्ड के हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में 94 प्रतिशत अंक पाकर सफलता हासिल की। वह पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय गोमतीनगर शाखा की छात्रा है।

बीमारी से तंग युवक ने दी जान

हरदोई, अमृत विचार। सुरसा थाने के ढ़ोलिया फार्म निवासी पुष्पेंद्र (38) काफी दिनों से बीमार था। बीमारी से ऊबे पुष्पेंद्र ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अयोध्या

पताः–विकास भवन अयोध्या

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

पत्रांक– 41 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्राली / पत्रा0 / अनु0सहा0 / 2026–27 / दिनांक: 02 .04.2026

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अयोध्या के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार पृथक से किया जायेगा। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 छोड़कर	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) (रूपयेमें)	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी. एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
त्वरित आर्थिक विकास येजना–विधानसभा क्षेत्र बीकापुर						
1	अयोध्या	ग्राम पंचायत रामपुर भगन में बाजार से बाबा भगनराय के स्थान तक नवनिर्माण कार्य विकास खण्ड बीकपुर।	26.95	53900	500+500+ 180 = 1180	6 माह
2	अयोध्या	हनुमत नगर भरतकुण्ड मार्ग से पलिया रिसाली तक इण्टर लाकिंग कार्य–मसोधा।	26.95	53900	500+500+ 180 = 1180	6 माह
3	अयोध्या	ग्राम पंचायत बहरामपुर के ग्राम पेड़रा में महराजदीन के घर के आगे से राम मूरत निषाद के घर के आगे तक इण्टर लाकिंग कार्य–बीकापूर।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
4	अयोध्या	ग्राम पंचायत महावॉ के चन्द्रिका तिवारी के पुरवा में महावॉ कोदैला मार्ग से ओम प्रकाश तिवारी के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–बीकापुर	22.74	45500	500+500+ 180 = 1180	6 माह
5	अयोध्या	ग्राम पंचायत उमरनी पिपरी में दुर्गाजी के मंदिर से विजय बहादुर के घर होते हुये पक्की सड़क तक इण्टर लाकिंग कार्य–बीकापुर।	22.74	45500	500+500+ 180 = 1180	6 माह
6	अयोध्या	ग्राम पंचायत महावॉ के बड़की शुक्लहिया में भावातारा तालाब से हौसिला शुक्ला के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–बीकापुर।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
7	अयोध्या	ग्राम पंचायत कोदैला के बड़का कोदैला में पक्की सड़क से दिनेश मिश्रा के घर होते हुये पक्की सड़क तक इण्टर लाकिंग कार्य–बीकापुर।	22.74	45500	500+500+ 180 = 1180	6 माह
8	अयोध्या	ग्राम पंचायत मुकीमपुर के बाबूराम मिश्र के पुरवा से पक्की सड़क से चमरौटी सं0मा0 तक इण्टर लाकिंग कार्य–हरिंग्टनगंज।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
9	अयोध्या	ग्राम पंचायत रूरूखास में इण्टर लाकिंग मार्ग से पूरब हरिजन बस्ती तक इण्टर लाकिंग कार्य हरिंग्टन गंज।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
10	अयोध्या	ग्राम पंचायत ढ़ेमा वैश्य के पासिनपुरवा में पक्की सड़क से भक्तिनपुरवा तक इण्टर लाकिंग कार्य–हरिंग्टनगंज।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
11	अयोध्या	ग्राम पंचायत मीतनपुर के ग्राम चकियावा में पप्पू वर्मा के घर से राकेश वर्मा के घर होते हुये पारस वर्मा के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–बीकापुर।	22.74	45500	500+500+ 180 = 1180	6 माह
12	अयोध्या	हनुमत नगर भरत कुण्ड मार्ग से बरैया सं0मा0 पर इण्टर लाकिंग कार्य–मसोधा।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
13	अयोध्या	ग्राम पंचायत घाटमपुर में एम0डी0 पव्लिक स्कूल से हौसिला के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–मसोधा।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
14	अयोध्या	उमरपुर बाजार से भट्ठा के बगल होते हुये सोहावल सलोनी तक इण्टर लाकिंग कार्य–हरिंग्टनगंज।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह
15	अयोध्या	ग्राम पंचायत जलालपुर माफी में ज्ञानमती विद्यालय से रहेठ तक इण्टर लाकिंग कार्य–बीकापुर।	24.50	49000	500+500+ 180 = 1180	6 माह

2. वैब साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः– 23.04.2026 को दोपहर 12.00 बजे से
3. बिड डाक्यूमेन्ट डाउन लोडिंग प्रारंभ करने की तिथि एवं समयः– 23.04.2026 को दोपहर 12.00 बजे से
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारंभ तिथि / समयः– 23.04.2026 को दोपहर 12.00 बजे से
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि / समयः– 13.05.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 13.05.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
8. निविदा आन–लाईन वैब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
9. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।
सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भॉति पढ़ लें।

UP - 250114 दिनांक: 17/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(मुनेश कुमार लोधी)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–अयोध्या
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना संख्या NER-BSB0SnT-OT-16-2026

मण्डल रेल प्रबन्धक / सिग. एवं दूरसंचार / पूर्वोत्तर रेलवे / वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये "खुली ई–निविदा"आमंत्रित की जाती है :–

क्रमांक-1, निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: NER-BSB0SnT-OT-16-2026: कार्य का नाम: वाराणसी मंडल के Indara, Siwan और Kusmhi रेलवे स्टेशनों पर गुड्स शेड के लिये तथा Gazipur, Deoria, Siwan, Chhapra, Ballia, Varanasi City, Prayagraj Rambag, Mau, Azamgarh और Banaras रेलवे स्टेशनों पर पार्सल कार्यालय के लिये CCTV कैमरे लगाने की व्यवस्था, जिसमें 3 वर्ष की वारंटी के बाद 5 वर्ष का CAMC (व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध) भी शामिल है। **विवरण:** अनुमानित लागत (रू० में): ₹ 3,04,59,993.54, बयाना की राशि (रू० में): ₹ 6,09,200/-, निविदा प्रपत्र की कीमत: ₹ 00.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 180 Days, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय: 11-05-2026 को 15:00 बजे।

(1) ई–निविदा दिनांक 11-05-2026 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा किया जा सकेगा। **(2)** पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेलवे की वेबसाईट **i.e.** ***www.ireps.gov.in*** देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक / सिंग. एवं दूरसंचार
मुजाधि / सिगनल-14 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) / वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु **ऑनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से** "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** वमंइं / तृतीय / वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गमत (130 कि०मी० / घंटा) पैदल यात्रियों के लिए एयर पुशिंग तकनीक द्वारा लिमिटेड हाईट सब–वे (2.5x2.5x20 M) का निर्माण। (कुल 12 अदद); **ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026–15; अनुमानित लागत(₹):** ₹58,70,88,810/-; **अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी)(₹):** ₹1,17,41,800/-; **निविदा बंद होने की तिथि:** 14.05.2026; **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन / अवधि की तिथि:** 18 माह; **कार्य का नाम: (1)** फेफनाः– आरक्षित टिकट सहित प्रतीक्षालय का प्रावधान **(2)** लक्ष्मीगंज, जलालपुर, कठकुइंया एवं सासामूसा में स्टोर रूम, तरयासुजान में नया प्रतीक्षालय तथा कठकुइंया में विविध कार्य।; **ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026–16; अनुमानित लागत(₹):** ₹2,84,73,558/-; **अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी)(₹):** ₹5,69,500/-; **निविदा बंद होने की तिथि:** 26.05.2026; **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन / अवधि की तिथि:** 09 माह; **कार्य का नाम: (1)** फेफनाः– एक डाक गुड्स शेड लाइन (सीएसएल 750 मी०) तथा शंटिंग नेक (सीएसएल 750 मी०) का प्रावधान **(2)** नन्दगंज– एक डाक गुड्स शेड रनिंग लाइन (सीएसएल 750 मी०) तथा शंटिंग नेक (सीएसएल 750 मी०) तथा लाइन संख्या 4 से जुड़े हुए तरांव छोर पर छोटी शंट नेक का प्रावधान; **ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026–17; अनुमानित लागत(₹):** ₹11,61,11,904/-; **अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी)(₹):** ₹23,22,200/-; **निविदा बंद होने की तिथि:** 26.05.2026; **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन / अवधि की तिथि:** 12 माह; **कार्य का नाम:** छपरा ग्रामीण: ई आई सिस्टम के लिए एक स्टेशन एस एण्ड टी सर्विस भवन का प्रावधान, औंड़िहार–छपरा अनुभाग में 29 अदद एस एण्ड टी ऑटो हट भवन तथा वमंसिदूइं / II / वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत 20,000 टीवीयू से अधिक वाले समपार गेट के इण्टरलॉकिंग से सम्बन्धित सिविल कार्य 4 नम्बर)।; **ई–निविदा सूचना सं.: एनईआर–बीएसबी–2026–18; अनुमानित लागत(₹):** ₹10,04,61,116/-; **अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी)(₹):** ₹20,09,200/-; **निविदा बंद होने की तिथि:** 19.05.2026; **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन / अवधि की तिथि:** 12 माह; • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2026–15 दिनांक 14.05.2026 को 14:30 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2026–16 से एनईआर–बीएसबी–2026–17 दिनांक 26.05.2026 को 14:30 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2026–18 दिनांक 19.05.2026 को 14:30 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक / (इंजी०)
मुजाधि / डब्ल्यू–32 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

लखनऊ नगर निगम, लखनऊ

3, त्रिलोकनाथ मार्ग, लखनऊ – 226001 (उ.प्र.)

वेबसाईट– https://lmc.up.nic.in एवं ई–मेल– nnlko@up.nic.in

संख्या 10 / मु0अ0 / 2026–27 **अल्पकालिक निविदा सूचना** दिनांक : 18.04.2026

नगर निगम, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु दिनांक 02.05.2026 को मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 30.04.2026 तक अपरान्ह 2:00 बजे तक कार्यालय दिवस व अवधि में फार्म कीपर कार्यालय के अतिरिक्त, मुख्य अभियन्ता एवं मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है या नगर निगम की बेवसाइट lmc.up.nic.in से टेण्डर नोटिस डाउन लोड किया जा सकता है। निविदा दिनांक 02.05.2026 को अपरान्ह तीन बजे तक जिलाधिकारी महोदय के कार्यालय एवं मण्डलायुक्त लखनऊ के कार्यालय कक्ष में एवं मुख्य अभियन्ता के कार्यालय कक्ष मे रखे निविदा बाक्स में डाली जा सकती है। प्राप्त निविदाएँ दिनांक 02.05.2026 को अपरान्ह 4:00 बजे मुख्य अभियन्ता के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस को डाली एवं खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

क0 सं0	कार्य का नाम	आगणन धनराशि रू0 में	धरोहर धनराशि रू0 में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	18% जी0एस0 टी0	कुल निविदा मूल्य
1	शारदानगर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत साउथ सिटी में मिलेनियम स्कूल, एल0पी0एस0 स्कूल एवं पिपरौली नाला सफाई का कार्य।	390886.00	39089	1 माह	391	70	461
2	शारदानगर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत रायबरेली रोड स्थित गोकुल बिहार कालोनी, सभाखेड़ा, कल्ली पश्चिम एवं यमुनापुरम में नाले एवं कल्वर्ट / पुलिया की सफाई का कार्य।	432967.00	43297	1 माह	433	78	511
3	इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड के अन्तर्गत तालाब से मरी माता मन्दिर तक बकेट मशीन से नाला सफाई का कार्य।	414676.00	41468	1 माह	414	75	489
4	इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड के अन्तर्गत विजय नगर चौराहे से मुख्य नाले तक व नई बस्ती से टैम्पो स्टैण्ड होते हुए मरी माता मन्दिर तक नाला सफाई का कार्य।	162534.00	16253	1 माह	163	29	192
5	विद्यावती द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत लोकबंधु चौराहे से बड़े नाले तक क्लेवर बुक डिपो से एल0डी0ए0 तक शनि मन्दिर से कोमल आइसक्रीम तक तथा अम्बेडकर भवन के सामने तक नाला सफाई का कार्य।	609756.00	60976	1 माह	610	109	719
6	विद्यावती द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत कोमल आइस्क्रीम से लेकर लोहिया विधि संस्थान पुलिया तक प्रेम प्लाजा से मल्टीएक्टिविटी शक्ति चौराहे से विधि विश्वविद्यालय के गेट के सामने तक तथा सी0आर0पी0एफ0 से पार्किंग स्लैब अम्बेडकर भवन से कम्पेक्टर तक नाला सफाई का कार्य।	661015.00	66102	1 माह	661	119	780
7	विद्यावती तृतीय वार्ड के अन्तर्गत आशियाना चौराहे से खजाना चौराहे तक खजाना चौराहे से बंगला बाजार से पुलिस चौकी तक व पावर हाउस से स्मृति प्लाजा तक नाले की सफाई का कार्य।	589622.00	58962	1 माह	590	106	696
8	विद्यावती तृतीय वार्ड के अन्तर्गत सेक्टर–एच आशियाना चौराहे से बेईमान लड्डू शांति उपवन पार्क तक व नाबार्ड के पीछे नगर निगम पंप हाउस तक नाले की सफाई का कार्य।	265910.00	26591	1 माह	266	48	314
9	विद्यावती तृतीय वार्ड के अन्तर्गत वी0आई0पी0 रोड से सेक्टर आई में कालोनी में होते हुए खजाना मार्केट तक नाले की सफाई का कार्य।	354591.00	35459	1 माह	355	63	418
10	खरिका प्रथम वार्ड के अन्तर्गत राम भरोसे से दुर्गा मन्दिर, दुर्गा मन्दिर से मेन नाला तक नाला सफाई का कार्य।	457570.00	45757	1 माह	458	82	540
11	खरिका प्रथम वार्ड के अन्तर्गत काले आटा चक्की से टीलू, प्रताप सिंह, नटखेड़ा तक बकेट मशीन से नाला सफाई का कार्य।	565057.00	56506	1 माह	565	101	666
12	खरिका प्रथम वार्ड के अन्तर्गत गोप इण्टर कालेज से गांधीनगर, रथीन्द्रनगर तक बकेट मशीन से नाला सफाई का कार्य।	749479.00	74948	1 माह	749	135	884
13	खरिका प्रथम वार्ड के अन्तर्गत बाल विकास स्कूल से स्नेह ट्रेडर्स तक बकेट मशीन से नाला सफाई का कार्य।	541445.00	54145	1 माह	541	97	638
14	खरिका प्रथम वार्ड के अन्तर्गत बाल विकास स्कूल से स्नेह ट्रेडर्स तक बकेट मशीन से नाला सफाई का कार्य। (पार्ट–बी)	261321.00	26132	1 माह	261	47	308
15	खरिका प्रथम वार्ड के अन्तर्गत दास जनरल स्टोर से कब्रिस्तान वाली गली एवं कुम्हारन मण्डी से सरोज सिंह, गोपाल नगर तक बकेट मशीन से नाला सफाई का कार्य।	646891.00	64689	1 माह	647	116	763
16	श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड के अन्तर्गत अहिमामऊ में सुल्तानपुर रोड स्थित शिमला रिसार्ट से एच0सी0एल0 के बड़े नाले तक नाला सफाई का कार्य।	394775.00	39478	1 माह	395	71	466
17	राजाबिजली पासी प्रथम वार्ड के अन्तर्गत औरंगाबाद स्थित रेलवे लाइन के नीचे नाला सफाई का कार्य।	256126.00	25613	1 माह	256	46	302
18	राजाबिजली पासी प्रथम वार्ड के अन्तर्गत ट्रांसपोर्टनगर में एस0एस0 पैलेस से शहीदपथ, इसरार क्रेन सर्विस से एच0पी0 पेट्रोल पम्प तक एवं पार्किंग संख्या–7 के सामने स्थित सड़क के दोनो ओर नाला सफाई का कार्य।	497225.00	49723	1 माह	497	89	586
19	राजाबिजली पासी प्रथम वार्ड के अन्तर्गत मिरजापुर गांव से ठाकुर द्वारा मोड़ होते हुए मुख्य नाला तक एवं बेहसा में नाली की टंकी से क्रिस्टल अपार्टमेण्ट होते हुए न्यू गुड़ौरा अंडरपास तक नाला सफाई का कार्य।	404583.00	40458	1 माह	405	72	477
20	राजाबिजली पासी प्रथम वार्ड के अन्तर्गत कल्याण मण्डप स्थित बड़े नाले से पार्किंग संख्या–5, 3, 2 एवं 1 होते हुए कानपुर रोड एवं शिवानी पब्लिक स्कूल से कानपुर रोड तक सड़क के दोनो ओर नाला सफाई का कार्य।	659680.00	65968	1 माह	660	118	778
21	राजाबिजली पासी प्रथम वार्ड के अन्तर्गत चिल्लावां गांव में जलनिगम पम्प हाउस से नीम के पेड़ होकर शिव मन्दिर तक भूमिगत नाला एवं कानपुर रोड चिल्लावां मोड़ से शनी टोयटा तक नाला सफाई का कार्य।	591122.00	59112	1 माह	591	106	697
22	शारदानगर प्रथम वार्ड के अन्तर्गत किला चौराहे से प्रियम प्लाजा तक एवं रजनीखण्ड में बेइमान लड्डू से रजनीखण्ड बाजार तक एवं रतनखण्ड 1 / 457 के सामने व रत्नागिरी काम्पलेक्स के सामने व आवासीय स्कूल के सामने से म0स0–7 / 253 तक नाला सफाई का कार्य।	230692.00	23069	1 माह	231	42	273
23	शारदानगर प्रथम वार्ड के अन्तर्गत एल्डिको उद्यान–1 में गेट नं0–1 से गेट नं0–6 तक नाला सफाई का कार्य।	268124.00	26812	1 माह	268	48	316
24	शारदानगर प्रथम वार्ड के अन्तर्गत रश्मिखण्ड 1 / 95 से 2 / 531 होते हुए 2 / 521 तक व उसरी गांव मुख्य मार्ग से डूडा कालोनी के पीछे से 2 / 29 तक नाला सफाई का कार्य।	305096.00	30510	1 माह	305	54	359
25	विद्यावती प्रथम वार्ड के अन्तर्गत से0–ई में एयरपोर्ट कालोनी के सामने से शिवालिक पब्लिक स्कूल होते हुए से0–एफ ई0डब्लू0एस0 कालोनी तक नाला सफाई का कार्य।	151845.00	15185	1 माह	152	27	179
26	राजाबिजली पासी द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत गौरी गांव में चर्च स्कूल के बगल से सोसायटी चौराहा तक व गौरी गांव में नाला सफाई का कार्य।	197834.00	19783	1 माह	198	36	234
27	राजाबिजली पासी द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत दरोगा खेड़ा में कृष्णलोक कालोनी में भूमिगत नाला का सफाई कार्य।	236103.00	23610	1 माह	236	42	278
28	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत रायबरेली रोड से कालिन्दी पार्क एवं उतरेठिया रेलवे स्टेशन से एस0टी0पी0 एवं न्यू डिफेन्स कालोनी में नाला सफाई का कार्य।	533107.00	53311	1 माह	533	96	629
29	खरिका द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत एलेन हाउस से से0–6सी तक व से0–6 एस0टी0पी0 से से0–6सी के मुख्य नाले तक नाला सफाई का कार्य।	203510.00	20351	1 माह	204	37	241
30	हिन्दनगर वार्ड के अन्तर्गत कानपुर रोड से सी0एम0एस0 पुलिया होते हुए शनि मन्दिर मुख्य मार्ग रोड तक बड़े नाले की सफाई का कार्य।	423910.00	42391	1 माह	424	76	500
31	हिन्दनगर वार्ड के अन्तर्गत यूनिक पब्लिक स्कूल के सामने दांई पटरी पर से बी0एस0एन0एल0 चौराहे तक (स्प्रिंग डेल मोड़) एवं गौरी मेडिकल स्टोर से एस0के0डी0 होते हुए कुष्ठ आश्रम तक नाला सफाई का कार्य।	215587.00	21559	1 माह	216	39	255

01. निविदा में प्रतिभाग हेतु नगर निगम में पंजीकृत होना आवश्यक नही है। न्यूनतम निविदा धारक को सफल होने पर नियमानुसार पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।
02. 10 तक प्रतिशत निम्न निविदा डाले जाने पर 0.50 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत की दर से तथा 10 प्रतिशत से अधिक निम्न निविदा डाले जाने पर 1.00 प्रतिशत की दर से सिक्योरिटी / परफारमेन्स गारण्टी ली जायेगी।
03. 15 प्रतिशत से अधिक न्यून निविदाओं की स्वीकृति के पूर्व सम्बन्धित निविदादाता द्वारा शपथ–पत्र पर गुणवत्तापरक कार्य करने हेतु अपनी कार्ययोजना / बारचार्ट निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा एवं निविदा समिति द्वारा गुण दोष के आधार पर निविदा स्वीकृति / अस्वीकृत पर निर्णय लिया जायेगा।
04. आवेदक निविदादाता को शासनादेश संख्या 3890 / नौ–5–19–149सा0 / 2019 दिनांक 20.09.2019 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।
05. कार्य समय से पूर्ण न होने पर अर्थ दण्ड लगाया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी सम्बन्धित ठेकेदार / फर्म की होगी।
06. किसी कार्य में एक से अधिक निविदादाताओं की एक समान दर पर सर्वन्यून निविदा प्राप्त होने पर इन निविदादाताओं मध्य लाटरी के माध्यम से सफल निविदादाता का चयन किया जायेगा।
07. कार्य हेतु 1 वर्ष की डिफेक्ट लायबिलिटि पीरियड पूर्ण होने के उपरान्त ही कार्य सन्तोषजनक पाये जाने पर जमानत धनराशि अवमुक्त किया जायेगा।
08. नाले की तलीझाड़ सफाई करनी होगी सफाई सही न होने पर तथा कार्य समय से पूर्ण न होने पर अर्थदण्ड लगाया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार / फर्म की होगी।
09. नाला सफाई से संबंधित कार्यो का अनुभव होना आवश्यक है।
10. बकेट मशीन के कार्य हेतु आवश्यक T&P होने / किराये पर प्राप्त कर निर्धारित मानक अनुसार कार्य को सम्पादित कराये जाने हेतु प्रामण–पत्र / शपथ पत्र पत्र प्रस्तुत करना होगा।
11. नाला सफाई का कार्य करते समय सुरक्षा के समस्त मानकों का पालन करना होगा तथा इसकी समस्त जिम्मेदारी सम्बन्धित ठेकेदार / फर्म की होगी।
12. संबंधित ठेकेदार द्वारा कार्य कर रहे समस्त कर्मचारियों को सुरक्षा बूट, मास्क, हेल्मट, बेल्ट, दस्ताना एवं अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। किसी भी कार्य स्थल पर सुरक्षा मानकों के अभाव में किए जा रहे कार्य पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।
13. संबंधित निविदादाता द्वारा आवश्यकतानुसार नाला सफाई वर्षा के दौरान एवं वर्षा उपरान्त भी कराना सुनिश्चित करना होगा। जिस हेतु अपेक्षित है कि निविदादाता संबंधित नाले का स्वयं निरीक्षण कर ही निविदाएं डाले। उक्त अवधि हेतु कोई भी अतिरिक्त भुगतान नही किया जायेगा।
14. सूची क्रमांक–3, 11, 12, 13, 14, 15 पर अंकित कार्य हेतु नाला सफाई बकेट मशीन से करानी होगी।
15. नाला सफाई उपरान्त विडियोग्राफी / फोटोग्राफ प्रस्तुत करना होगा।

मुख्य अभियन्ता

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 19 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ 9% बढ़ा

मुंबई। मार्च 2026 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ 9.28 प्रतिशत बढ़कर 14,755 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले वर्ष की इसी अवधि में उसने 13,502 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

बिजनेस ब्रीफ

अक्षय तृतीया पर ओला इलेक्ट्रिक ने की 50,000 तक के लाभ की पेशकश

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने शनिवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर 'ओला सोना वीकेंड' पेशकश की घोषणा की है, जिसके तहत कंपनी अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को 50,000 रुपये तक के लाभ दे रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत के सबसे शुभ त्योहारों में से एक के उपलक्ष्य में ग्राहकों के पास ''ओला सोना'' जीतने का अवसर भी होगा। यह एक सीमित संस्करण वाला स्कूटर है जिसमें असली 24 कैरेट सोने की परत वाले तत्व लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने बताया कि वह अपने जेन 3 एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) को मात्र 49,999 रुपये में उपलब्ध करा रही है। साथ ही, पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को अधिकतम 50,000 रुपये तक के लाभ भी दिए जा रहे हैं। ये ऑफर केवल 18 और 19 अप्रैल को ही मान्य हैं।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ 8% बढ़कर 20,351 करोड़ पर

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 8.04 प्रतिशत बढ़कर 20,350.76 करोड़ रुपये रहा। मुंबई मुख्यालय वाले इस बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 18,834.88 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता का चौथी तिमाही का एकल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 9.11 प्रतिशत बढ़कर 19,221.05 करोड़ रुपये हो गया। इससे पिछली दिसंबर 2025 तिमाही में बैंक ने 18,653.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

एसुस के ड्रॉप जोन नेटवर्क में अब 22 और स्टोर शामिल

मुंबई। एसुस इंडिया ने उसकी ड्रॉप जोन पहल को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के मद्देनजर इस कार्यक्रम का विस्तार 22 अतिरिक्त स्टोर्स तक कर दिया है। ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए शुरू की गयी ड्रॉप जोन पहल के तहत ग्राहक अब सर्विस के लिए अपने लैपटॉप सीधे एसुस एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर जमा कर सकते हैं। ताइवानी कंपनी एसुस की भारतीय इकाई की शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह विस्तार खास तौर पर ग्राहकों की पहुंच, सर्विसिंग में लगने वाले समय और ट्रैकिंग से जुड़ी परेशानियों को कम करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से उभरते शहरों में। दूसरे चरण के तहत ड्रॉप जोन नेटवर्क का विस्तार दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में किया गया है।

12,980 करोड़ की सॉवरेन गारंटी समुद्री जोखिमों से कवर रहेंगे जहाज

केंद्र सरकार ने 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस कोष' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत समुद्री बीमा कोष भारतीय ध्वज वाले और भारत के नियंत्रण वाले जहाजों के लिए होगा : अश्विनी वैष्णव
- विदेशी बीमा कंपनियों पर कम होगी हमारी निर्भरता और हम विदेशी मुद्रा को बाहर जाने से भी रोक सकेंगे

सरकार ने शनिवार को लगातार समुद्री बीमा कवरेज की सुविधा के लिए 12,980 करोड़ रुपये की सॉवरेन गारंटी के साथ एक घरेलू बीमा योजना 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस कोष' (बीएमआई कोष) बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

यह कोष सुनिश्चित करता है कि भारतीय व्यापार को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मूल से भारतीय बंदरगाहों तक और इसके विपरीत माल ले जाने वाले जहाजों के लिए सस्ती बीमा सुविधा मिलती रहे, भले ही वे अस्थिर समुद्री गलियारों से गुजर रहे हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

सरकार ने भारतीय ध्वज वाले या भारतीय नियंत्रण वाले जहाजों, अथवा भारत आने वाले या भारत से जाने वाले जहाजों के लिए सॉवरेन गारंटी द्वारा समर्थित भारत समुद्री बीमा कोष के गठन को मंजूरी दी है।

वैष्णव ने कहा कि भारत समुद्री बीमा कोष भारतीय ध्वज वाले जहाजों और भारत के नियंत्रण वाले जहाजों के लिए होगा... यह 10 साल के लिए होगा। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी बीमा कंपनियों पर हमारी निर्भरता कम होगी और हम विदेशी मुद्रा को बाहर जाने से भी रोक सकेंगे। यह कोष सभी तरह के समुद्री जोखिमों को कवर करेगा। बीमा पॉलिसियां उन बीमाकर्ताओं द्वारा जारी की जाएंगी, जो इस कोष की सदस्य होंगी।

इसके लिए कोष की संयुक्त अंडरराइटिंग क्षमता का उपयोग किया जाएगा, जो लगभग 950 करोड़ रुपये होगी। बयान में कहा गया कि यह घरेलू बीमा कोष वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक अस्थिरता की चुनौतियों से निपटेगा और भारतीय जहाजों की बाहरी बीमा निर्भरता को कम करेगा।

वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है, जिससे माल और जहाजों के नुकसान का जोखिम बढ़ गया है। इसके चलते बीमा लागत बढ़ी है और बीमा की हर वक्त उपलब्धता को लेकर भी अनिश्चितता पैदा हुई है। बयान में कहा गया कि ऐसे हालात में प्रतिबंधों या भू-राजनीतिक तनाव के कारण व्यापार की निरंतरता और संप्रभुता बनाए रखने के लिए समुद्री जोखिम से संबंधित एक घरेलू कोष की आवश्यकता थी।

अक्षय तृतीया : 18 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद, डिजिटल गोल्ड का बढ़ा रुझान

- पेटीएम ने 12000 पिनकोड्स पर कर रहा गोल्ड डिलीवरी सर्विस

कारोबार डेस्क

अमृत विचार : अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर सोना खरीदना भारतीय परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इस वर्ष 19 अप्रैल को मनाए जा रहे इस पर्व को लेकर बाजार में पहले से ही उत्साह दिखाई दे रहा है। उद्योग अनुमानों के अनुसार, इस साल देशभर में कुल कारोबार 15,000 से 18,000 करोड़ तक पहुंच सकता है।

डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम ने ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अपनी गोल्ड डिलीवरी सर्विस का विस्तार किया है। अब यूजर्स अपने डिजिटल गोल्ड को 24 कैरेट फिजिकल गोल्ड कॉइन में बदलकर देशभर के 12,000 से अधिक पिन कोड्स पर घर मंगा सकते हैं। इससे डिजिटल निवेश को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में फिर लौटी रौनक

बरेली। अक्षय तृतीया पर सर्राफा बाजार में फिर से उत्साह देखने को मिला। सर्राफा व्यापारी रामकुमार ने बताया कि अब ग्राहक भारी गहनों की बजाय छोटे निवेश विकल्पों जैसे गोल्ड कॉइन, हल्के डिजाइन वाले गहने और चांदी के उपयोगी सामान को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, अनिल पाटिल का कहना है कि इससे हर वर्ग के ग्राहकों की भागीदारी बढ़ी है। व्यापारी संजीव अवतार ने बताया कि अक्षय तृतीया को लोग अब सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि भविष्य के लिए निवेश के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

एक साल में 55% का उछाल

सोने की कीमतों में पिछले एक साल में जबरदस्त तेजी देखी गई है। 30 अप्रैल 2025 (अक्षय तृतीया) को 24 कैरेट सोना करीब 97,910 प्रति 10 ग्राम था, जो 17 अप्रैल 2026 तक बढ़कर लगभग 1,51,358 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। यानी करीब 55% की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल अक्षय तृतीया पर कुल कारोबार करीब 16,000 करोड़ रहा था। इसमें सोने की बिक्री लगभग 12,000 करोड़ और चांदी की करीब 4,000 करोड़ रही।

खरीदारी का बदला ट्रेंड

इस बार ऊंची कीमतों के चलते ग्राहक भारी ज्वेलरी के बजाय हल्के गहनों, सिक्कों और डिजिटल गोल्ड की ओर झुक रहे हैं। वहीं, चांदी में अपेक्षाकृत कम कीमत और बेहतर रिटर्न की उम्मीद के कारण मांग बढ़ सकती है। रियल एस्टेट और वाहन सेक्टर में भी पारंपरिक निवेश देखने को मिल सकता है, लेकिन मुख्य फोकस अभी भी सोना-चांदी पर ही बना हुआ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल खरीदारी की मात्रा पर थोड़ा असर पड़ सकता है, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण कुल कारोबार मूल्य स्थिर या बढ़ा हुआ रह सकता है।

तेल और गैस की खोज को डेटा आधारित करने की दिशा में बढ़ा भारत: पुरी

नयी दिल्ली, एजेंसी

- डेटा के आदान-प्रदान के लिए अपनाया जा रहा साहसिक बहु-ग्राहक मॉडल

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत की ओर से खनिज तेल और गैस के क्षेत्र में डेटा (सूचना) और उसमें भागीदारी को प्रोत्साहित किये जाने के कदमों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत अंधेरे में हाथ मारने की जगह, सूचना आधारित खोज के लिए तैयार है।

उन्होंने समुद्र मंथन - राष्ट्रीय अपतटीय मिशन के तहत विस्तारित उत्खनन एजेंडा के संदर्भ में हाइड्रोकार्बन (खनिज तेल-गैस) महानिदेशालय (डीजीएच) द्वारा आयोजित डेटा संचालित उत्खनन पर एक सम्मेलन को लेकर सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अब उत्खनन के क्षेत्र में अंधेरे में खोज करने के दौर से आगे बढ़ रहा है और डेटा के आदान प्रदान के एक साहसिक बहु-ग्राहक मॉडल को अपना रहा है जिसमें अधिकाधिक लोगों को सूचनाओं की व्याख्या करने, नवाचार करने और खोज करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि इससे उत्खनन एवं उत्पादन को अनिश्चितता के क्षेत्र के रूप में माने जाने वाले दृष्टिकोण में निर्णायक रूप से बदलाव आ रहा है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि समुद्र मंथन के साथ, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज को पूरा करने के लिए खुलेपन, सहयोग और अत्याधुनिक विज्ञान के माध्यम से भारत की विशाल अपतटीय क्षमता को सामने लाया जा रहा है।

अक्षय तृतीया पर बढ़ेगी भौतिक और डिजिटल सोने की मांग: विश्लेषक

नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्लेषकों का कहना है कि रविवार को मनाई जाने वाली अक्षय तृतीया के अवसर पर भौतिक सोने की खरीद के साथ-साथ लचीले और पारदर्शी सोने में निवेश के विकल्प भी लोकप्रिय बने रह सकते हैं, क्योंकि निवेशकों का रुझान अब सोने के आधुनिक विकल्पों की ओर स्पष्ट रूप से बढ़ रहा है।

अक्षय तृतीया को पारंपरिक रूप से सोना खरीदने का शुभ अवसर माना जाता है, लेकिन विश्लेषकों के अनुसार निवेशकों की भागीदारी धीरे-धीरे बदल रही है और वे पारंपरिक भौतिक खरीद के साथ-साथ वित्तीय निवेश विकल्पों में भी बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी ने कहा कि हम सोने में निवेश करने के तरीके में धीरे-धीरे बदलाव देख रहे हैं। अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर भौतिक खरीद अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन लचीले और पारदर्शी निवेश विकल्पों में रुचि लगातार बढ़ रही है।

निवेश की पाठशाला

लोन गारंटर बनने के बड़े खतरे ...

कारोबार डेस्क

किसी लोन का गारंटर बनना सिर्फ गवाही नहीं, बल्कि कानूनी जिम्मेदारी है यानी कानूनी तौर पर कर्ज आपके सिर पर आ जाता है। यदि कर्जदार चूक जाता है, तो बैंक लोन की वसूली आपसे करेगा। आपकी जमा पूंजी या संपत्ति भी जोखिम में हैं। किस्त चुकने में छोटी देर भी आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकती है और भविष्य में स्वयं को लोन मिलना कठिन हो सकता है। आइए समझते हैं गारंटर बनने के बाद आपके सामने क्या चुनौतियां आ सकती हैं-

लाभ किसी का, जिम्मेदारी आपकी

- किसी व्यक्ति के लोन यानी कर्जे का गारंटर बनने का सीधा अर्थ है कि यदि कर्ज लेने वाला व्यक्ति ऋण चुकाने में किसी कारण विफल रहता है तो उस पूरे कजर् की वसूली बैंक आपसे करने के लिए अधिकृत है। बैंक को इससे कोई सरोकार नहीं कि लोन का पैसा आपने इस्तेमाल किया है या नहीं। यदि कर्जदार भाग गया या मुकर गया, तो बैंक आपका दरवाज खटखटाएगा। आपका वेतन, पेंशन, जमा पूंजी और यहां तक कि अचल संपत्ति भी इस वसूली की चपेट में आ सकती है।

ध्यान दें

- **बहुत क्रेडिट स्कोर पर प्रहार :** अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि यदि मुख्य कर्जदार किस्त चुकाने में एक दिन की भी देरी करता है, तो उसका बुरा असर आपके क्रेडिट प्रोफाइल पर भी पड़ता है।
- **भविष्य के रास्ते बंद :** यदि कभी आपको स्वयं किसी काम के लिए धन की आवश्यकता पड़ी, तो बैंक आपको ऋण देने से मना कर सकता है, क्योंकि आप पहले ही किसी और के द्वारा लिए गये कर्ज के लिए उत्तरदायी हैं।
- **साख में गिरावट :** कर्जदार की एक चूक आपके वर्षों से बनाए गए वित्तीय सम्मान को मिट्टी में मिला सकती है।
- **कानूनी पचड़े और मानसिक तनाव :** हम सबको जीवन में शांति और अच्छे स्वास्थ्य की जरूरत होती है। लेकिन जब कोई लोन डिफाल्ट होता है तो अदालती नोटिस और वसूली एजेंटों के चक्कर आपको मानसिक रूप से तोड़ सकते हैं।

कानूनी कार्रवाई और रिश्ते

- **कानूनी कार्रवाई :** कर्ज देने वाला बैंक कर्जदार के साथ आपके विरुद्ध भी मुकदमा चला सकता है।
- **रिश्तों में खटास :** रिश्तों के बीच जब पैसे का लेनदेन आ जाता है तो रिश्ते बिगड़ने का अंदेशा रहता है। अगर मामला कर्ज का हो तो जिस अपने की मदद के लिए आप गारंटर बने थे, वही व्यक्ति आपका सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

इमरजेंसी फंड पर संकट

- हम सभी अपने कठिन समय, बीमारियों और आकस्मिक खर्चे के लिए एक इमरजेंसी फंड बनाकर रखते हैं। लेकिन यदि पूंजी का बड़ा हिस्सा किसी और का कर्ज चुकाने में चला गया, तो आप अपने उपचार और अन्य किसी आपात स्थिति के लिए दूसरों पर निर्भर हो सकते हैं।

काम की बात

- नियम-शर्तों को समझकर ही गारंटर बनें। बल्कि गारंटर बनने के बजाय कर्जदार को बीमा कराने की सलाह दें, ताकि उसकी अनुपस्थिति में बीमा कंपनी कर्ज का बोझ उठाए।
- मदद करना धर्म है, लेकिन यदि आपका मन गवाही नहीं दे रहा, तो विनम्रता से 'ना' कहें।

अमेरिकी मामले में एसईसी और अडानी ने संयुक्त रूप से की समय बढ़ाने की मांग

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) तथा भारतीय व्यवसायी गौतम अदाणी और सागर अदाणी ने एक सिविल प्रतिभूति मामले में महत्वपूर्ण जवाब दाखिल करने के लिए अमेरिकी अदालत से अधिक समय देने का संयुक्त अनुरोध किया है। साथ ही दोनों पक्षों ने प्रस्तावों और जवाबों के लिए एक संशोधित समय-सारणी प्रस्तावित की है।

न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला अदालत के समक्ष दायर एक याचिका में दोनों पक्षों ने कहा कि उन्होंने अदालत के सात अप्रैल के निर्देश के अनुरूप विचार-विमर्श किया है और एक नई समय-सीमा पर सहमति जताई है। इसे न्यायाधीश निकोलस जी गरौफिस के पास मंजूरी के लिए पेश किया गया है। एसईसी ने नवंबर 2024 में अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर पर मुकदमा दायर किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने भारत के सरकारी अधिकारियों से जुड़ी एक कथित रिश्वतखोरी योजना का खुलासा न करके निवेशकों को गुमराह किया।

गौतम अदाणी और सागर अदाणी ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए अपने वकीलों के माध्यम से सात अप्रैल को 30 अप्रैल के नियोजित प्रस्ताव से पहले एक 'प्री-मोशन लेटर' दायर किया। इसमें धोखाधड़ी के मुकदमे को खारिज करने की मांग की गई।

ओडिशा में की जाएगी राज्य रूपांतरण पहल संस्थान की स्थापना

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि वह राज्य रूपांतरण पहल संस्थान (एसआईटीआई)' नामक एक नई संस्था स्थापित करेगी। यह संस्था एक नीति विचार मंच के रूप में काम करेगी और साक्ष्य आधारित शासन, नवाचार तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच समन्वय को बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने वित्त वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करते समय इस संस्था के गठन का प्रस्ताव रखा था। सरकारी बयान में कहा गया कि एसआईटीआई राज्य सरकार का शीर्ष नीति अनुसंधान और रणनीतिक सलाहकार निकाय होगा, जो 'समृद्ध ओडिशा 2036' और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के अनुरूप कार्य करेगा।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 15,200 से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण किया

नयी दिल्ली, एजेंसी

एचडीएफसी बैंक की सीएसआर पहल एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने कहा कि उसने पूरे भारत में कुल मिलाकर 15,289 से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण और जीर्णोद्धार किया है।

इससे 10,430 से अधिक गांवों के 14.92 लाख परिवारों को मदद मिली है। बैंक ने एक बयान में कहा कि उसके स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रम के तहत सामुदायिक शुद्धिकरण प्रणालियों के माध्यम से 950 से अधिक गांवों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इसमें कहा गया कि बैंक ने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कृषि तालाबों, चेक डैम, विकेंद्रीकृत वितरण के लिए जलमीनार और स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा घरों में वर्षा जल संचयन प्रणालियों सहित जल संपत्तियों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण और जीर्णोद्धार किया है। बयान में आगे कहा गया कि मध्य भारत में वाटर पहल के माध्यम से लिफ्ट सिंचाई और पुनर्भरण कुओं ने आदिवासी कृषि समुदायों के लिए पहुंच का विस्तार किया है। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन हर संरचनात्मक निवेश के साथ कृषि सहायता भी प्रदान करता है।

वैश्विक संकेतों से शेयर बाजार को सहारा, सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

कारोबार डेस्क

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों, मजबूत होते रुपये और कच्चे तेल की नरम कीमतों ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार को सहारा दिया। इन सकारात्मक वैश्विक संकेतों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार में खरीदारी का माहौल बना। सप्ताह के अंत तक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों में करीब 0.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सकारात्मक रहा रुख

पूरे सप्ताह बाजार का रुख सकारात्मक रहा। एफएमसीजी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में एक से तीन प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। इसके विपरीत, आईटी सेक्टर अपेक्षाकृत कमजोर बना रहा। व्यापक स्तर पर खरीदारी के चलते विभिन्न सेक्टर्स में मजबूती देखने को मिली।

बड़े सूचकांकों की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में करीब 1.27 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में लगभग 1.48 प्रतिशत की तेजी आई। यह बाजार में बढ़ती भागीदारी और निवेशकों के जोखिम लेने के रुझान को दर्शाता है।

निवेशकों का बदलता रुख

निवेश प्रवाह की बात करें तो विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने लगातार बिकवाली के बाद सप्ताह के अंतिम तीन सत्रों में खरीदारी की, हालांकि कुल मिलाकर करीब 250 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी रही। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (DII) सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली करते नजर आए और लगभग 6,300 करोड़ रुपये निकाले।

सतर्क आशावाद

कुल मिलाकर, बेहतर वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की नरम कीमतें और संतुलित निवेश प्रवाह ने बाजार में सतर्क आशावाद का माहौल बनाया है। फिलहाल गिरावट का जोखिम सीमित नजर आ रहा है, जबकि धीरे-धीरे तेजी की संभावनाएं मजबूत होती दिख रही हैं।

विशेषज्ञों की राय

विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह बाजार में धीरे-धीरे लेकिन स्थिर रिकवरी देखने को मिली। वैश्विक माहौल में सुधार और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों के सेंटिमेंट को मजबूती दी। हालांकि सतर्कता बनी हुई है, लेकिन गिरावट पर खरीदारी बाजार को सहारा दे रही है।

उपलब्धि — मैकिन्से एंड कंपनी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

अमेरिका के 40% स्मार्टफोन बाजार पर भारत का कब्जा

- अमेरिका पहले चीन से करता था आयात
- उसमें से 40 प्रतिशत अब भारत करता है आपूर्ति
- भारत की औद्योगिक क्षमता और लॉजिस्टिक दक्षता का लोहा मान रही दुनिया

नई दिल्ली: वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में भारत तेजी से उभरती ताकत बनकर सामने आ रहा है। यह खुलासा मैकिन्से एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में हुआ है।

कंपनी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका जिन स्मार्टफोन्स का आयात पहले चीन से करता था, उनमें से लगभग 40% की आपूर्ति अब भारत से हो रही है। यह बदलाव भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो उसकी बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत होती स्थिति को दर्शाता है।

रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका ने अपनी आयात निर्भरता को चीन से हटाकर अन्य देशों की ओर मोड़ना शुरू कर दिया है। करीब 80 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के सामान के लिए अमेरिका ने वैकल्पिक स्रोत खोज लिए हैं, जिनमें भारत और एशियाई देशों की भूमिका अहम रही है।

भारत ने विशेष रूप से स्मार्टफोन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। अमेरिका जैसे दूरस्थ बाजार (करीब 13,000 किलोमीटर दूर) तक इतनी बड़ी मात्रा में निर्यात करना भारत की औद्योगिक क्षमता और लॉजिस्टिक दक्षता को दर्शाता है। आज स्मार्टफोन भारतीय निर्यात का प्रमुख चेहरा बन चुके हैं।

इस सफलता के पीछे एपल जैसी वैश्विक कंपनियों की भारत में बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग भी एक महत्वपूर्ण कारण है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्मार्टफोन सेक्टर ने भारत के निर्यात को नई दिशा दी है और इसे गेमचेंजर की भूमिका में स्थापित किया है।

दूसरी ओर, भू-राजनीतिक कारणों से अमेरिका चीन पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है। एशियाई देशों ने अमेरिका के उन लगभग दो-तिहाई लैपटॉप आयात की जगह ले ली है, जो पहले चीन से आते थे। 2025 में मंदी की आशंकाओं के बावजूद वैश्विक व्यापार मजबूत बना रहा, और अमेरिकी आयात व चीनी निर्यात दोनों ने नए रिकॉर्ड बनाए। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि विकसित देश और चीन अब दूरस्थ देशों के साथ व्यापार कम कर रहे हैं, जबकि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। इस बदलते व्यापारिक परिदृश्य में भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है, जो आने वाले समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी स्थिति को और सुदृढ़ करेगी।

वेदांता के चेयरमैन के समर्थन में आए नवीन जिंदल

नयी दिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति नवीन जिंदल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ बॉयलर विस्फोट मामले में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का समर्थन करते हुए कहा कि मामले की पहले जांच होनी चाहिए और साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

वेदांता विद्युत संयंत्र में 14 अप्रैल को हुए विस्फोट में 23 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी में अनिल अग्रवाल का नाम भी शामिल किया गया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में जिंदल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह त्रासदी बेहद पीड़ादायक है। 20 परिवारों ने सब कुछ खो दिया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारतीय हज यात्रियों का पहला जत्था सऊदी अरब पहुंचा

जेद्दा। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि वार्षिक हज यात्रा के तहत भारतीय हज यात्रियों का पहला जत्था शनिवार को सऊदी अरब पहुंच गया। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा, भारतीय हज यात्रियों के पहले जत्थे का मदीना हवाई अड्डे पर भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान और महावाणिज्यदूत फहद सूरी तथा हज मंत्रालय के उप मंत्रियों प्रोफेसर अब्दुलअजीज ए. वज्जान और इंजीनियर अयाद अब्दुल रहमान रहबिनी और अन्य वरिष्ठ सऊदी अधिकारियों ने स्वागत किया। दूतावास ने बताया कि खान ने मदीना हवाई अड्डे पर सुविधाओं का निरीक्षण किया और हज यात्रियों की सहायता कर रहे भारतीय समुदाय के स्वयंसेवकों से मुलाकात की।

आईआईटी खड़गपुर के परिसर में छात्र का लहूलुहान शव मिला

कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईटीआई) खड़गपुर के 21 वर्षीय एक छात्र का शव परिसर में खून से लथपथ मिला। मृतक की पहचान अहमदाबाद निवासी इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र जयवीर सिंह डोरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी हॉल के निकट सुबह में छात्र का शव पड़ा पाया और इसके बाद उन्होंने संस्थान के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। छात्र को तुरंत बीसी रॉय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि छात्र ने छात्रावास की इमारत की आठवीं मंजिल से छलांग लगाई होगी। पोस्टमॉर्टम के बाद मौत के सटीक कारण का पता चल सकेगा।

सीबीआई ने रिश्वत ले रहे दिल्ली के डाक अधीक्षक को दबोचा

नई दिल्ली। सीबीआई ने शनिवार को राजधानी में एक डाक अधीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। डाक अधीक्षक ट्रांसफर रोकने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था। एजेंसी ने बताया कि उसने 17 अप्रैल को मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने शिकायतकर्ताओं से दूसरी शाखा में स्थानांतरण को रोकने और उनकी छुट्टी मंजूर करने के लिए 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपी ने इसमें से 10,000 रुपये का भुगतान स्वीकार करने पर सहमति जताई थी। जेंसी ने उसी दिन जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोच लिया।

बरेली में दिखा दुर्लभ गिद्ध

पत्थर से अंडे को तोड़ने वाला पक्षी

मेहमान परिंदे की यह तस्वीर सन सिटी विस्तार से हमारे एक सुधी पाठक ने भेजी है। ये दुर्लभ पक्षी किशोर अवस्था का इजिप्शियन वल्चर (मिस्री सफेद गिद्ध) है, शुरुआत में जिसके पंख भूरे दिखते हैं और वयस्क होने पर सफेद हो जाते हैं। इसके साथ उन पर काले निशान भी उभर आते हैं, बुद्धिमत्ता के लिए पहचाने जाने वाला यह पक्षी पत्थरों का उपयोग कर बड़े अंडे तोड़ने की क्षमता रखता है, हालांकि अब ये प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने इसे गंभीर संकटग्रस्त श्रेणी में रखा है। भारत के अलावा दक्षिण एशिया, यूरोप और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में ही अब इसकी मौजूदगी शेष रह गई है।

ऐतिहासिक समझौता: एक-दूसरे की धरती पर तैनात करेंगे 3,000 सैनिक भारत-रूस

नई दिल्ली/मॉस्को, एजेंसी

भारत और रूस की दशकों पुरानी सामरिक दोस्ती ने आज एक नया इतिहास रच दिया है। दोनों देशों के बीच बहुप्रतीक्षित पारस्परिक रसद सहायता समझौता अब पूरी तरह से प्रभावी हो गया है।

इस समझौते के लागू होने से भारत और रूस के रक्षा संबंधों में वह गहराई आई है, जो अब तक केवल चुनिंदा देशों के बीच देखी गई थी। यह समझौता रणनीतिक रूप से 12 जनवरी 2026 से ही कानूनी रूप से प्रभावी हो गया था, लेकिन शनिवार को रूस के आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल (pravo.gov.ru) पर इस समझौते के विस्तृत नियमों और तैनाती की सीमाओं को सार्वजनिक किया गया है। इन आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, अब दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य सुविधाओं का उपयोग एक नए स्तर पर करेंगे।

समझौते की ये हैं पांच प्रमुख शर्तें

- **सैनिकों की संख्या :** भारत और रूस एक-दूसरे की धरती पर किसी भी समय अधिकतम 3,000 सैन्य कर्मियों को तैनात कर सकते हैं।
- **लॉजिस्टिक हब :** भारतीय सेना रूस के आर्कटिक क्षेत्र और व्लादिवोस्तोक जैसे रणनीतिक ठिकानों पर ईंधन भरने और मरम्मत की सुविधा ले सकेगी।
- **नौसैनिक शक्ति :** एक साथ अधिकतम 5 युद्धपोत एक-दूसरे के बंदरगाहों पर मौजूद रह सकते हैं।
- **वायुसेना सहयोग :** समझौते में 10 सैन्य विमानों की एक-दूसरे के एयरबेस पर तैनी की अनुमति।
- **अवधि :** यह समझौता 5 वर्षों के लिए है, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है।

चीन और पाकिस्तान की बढ़ी चिंता

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता सीधे तौर पर चीन और पाकिस्तान के लिए एक बड़ा कूटनीतिक संदेश है। रूस के साथ इस स्तर के सैन्य सहयोग से भारत की पकड़ अब हिंद महासागर से लेकर आर्कटिक और प्रशांत महासागर तक मजबूत हो गई है। खास तौर पर भारत के पास मौजूद रूसी मूल के हथियारों जैसे एस-400 मिसाइल डिफेंस और सुखोई जेट्स) के रखरखाव के लिए अब रूस से तकनीकी सहायता और स्पेयर पार्ट्स मिलना बहुत आसान हो जाएगा।

ट्रंप की बयानबाजी ने बिगाड़ा खेल, ईरान का तंज- न युद्ध जीत पाए, न वार्ता में सफल होंगे

गालिबाफ ने लगाया एक घंटे में सात झूठ बोलने का आरोप, बोले- होर्मुज हमारे पूर्ण नियंत्रण में

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बयानबाजी और दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस रणनीतिक जलमार्ग पर नियंत्रण पूरी तरह उसके हाथ में है और अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहने पर इसे खुला नहीं रखा जाएगा। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाक़िर गालिबाफ़ ने ट्रंप के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक घंटे में सात दावे किए और सभी झूठे थे। इन झूठों से वे युद्ध नहीं जीत पाए और बातचीत में भी सफल नहीं होंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर दावा किया था कि ईरान ने जलडमरूमध्य को कभी बंद न करने पर सहमति जताई है और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी तब तक जारी रहेगी जब तक ईरान के साथ उसकी बातचीत पूरी नहीं हो जाती। उन्होंने यह भी कहा था कि युद्धविराम वार्ता तेजी से आगे बढ़नी चाहिए। गालिबाफ ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि जलडमरूमध्य से आवाजाही निर्धारित मार्ग और ईरानी अनुमति के तहत ही होगी तथा इसके खुले या बंद रहने का फैसला जमीनी हालात तय करेंगे, न कि सोशल मीडिया। उन्होंने अमेरिका पर सैन्य कार्रवाई के दौरान दुष्प्रचार का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया युद्ध और जनमत को प्रभावित करना युद्ध का हिस्सा है, लेकिन ईरानी राष्ट्र इससे प्रभावित नहीं होगा। इस बीच ईरान ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी का हवाला देते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को एक बार फिर बंद कर दिया है।

ईरानी सशस्त्र बलों ने कहा कि होर्मुज पर नियंत्रण अपनी पूर्व स्थिति में लौट आया है और यह अब सख्त निगरानी में रहेगा। ईरान के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने कहा कि पूर्व में सद्भावना के तहत हुई वार्ताओं के अनुसार ईरान ने सीमित संख्या में तेल टैंकरों और वाणिज्यिक जहाजों को नियंत्रित तरीके से गुजरने की अनुमति दी थी। उन्होंने अमेरिका पर समुद्री डकैती और लूट जैसे कृत्यों का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार प्रतिबद्धताओं के उल्लंघन के कारण ईरान ने फिर से कड़ा नियंत्रण लागू कर दिया है।

इजराइल-लेबनान में संघर्षविराम के बाद यहां से विस्थापित हुए लोगों ने लौटना शुरू कर दिया है।

ईरान ने होर्मुज में हमारे टैंकर पर गोलीबारी की: ब्रिटेन

काहिरा। ब्रिटेन की सेना ने शनिवार को कहा कि ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड की दो गनबोट ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर गोलीबारी की। ईरान की ओर से होर्मुज पर प्रतिबंध फिर से लागू करने की घोषणा के बाद यह घटना हुई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर ने कहा कि टैंकर को कोई नुकसान नहीं हुआ और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

ट्रंप का एलान- ईरान ने समझौता न किया तो आगे नहीं बढ़ाएंगे संघर्ष विराम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत से बुधवार तक कोई समझौता नहीं हो पाता है तो वह दोनों देशों के बीच जारी अस्थायी संघर्ष-विराम को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। ट्रंप के इस बयान ने फिर से सैन्य कार्रवाई की आशंका पैदा कर दी है। रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिका और ईरानी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को शांति वार्ता के दूसरे दौर की बैठक में शामिल होने वाले हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की है। ट्रंप ने यह भी भरोसा जताया कि दोनों पक्ष समझौते पर पहुंचने के करीब हैं। इस बीच लेबनान में चल रहे 10 दिवसीय संघर्ष विराम के पहले 24 घंटे काफी हद तक प्रभावी रहे।

ईरान से लौटे आसिम मुनीर

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष को सुलझाने की कोशिशों के तहत पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की ईरान की तीन दिवसीय यात्रा समाप्त हो गई है। मुनीर बुधवार को तेहरान पहुंचे और आठ अप्रैल को ईरान एवं अमेरिका के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते पर सहमति बनने के बाद देश का दौरा करने वाले वह पहले विदेशी सैन्य नेता बन गए।

घर और पार्टी में भी घिरे ट्रंप रिपब्लिकन सांसदों ने गिराया फिसा नवीनीकरण बिल

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उस समय अपनी ही पार्टी के भीतर दुर्लभ विरोध का सामना करना पड़ा, जब रिपब्लिकन सांसदों ने फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विलांस एक्ट (फिसा) के नवीनीकरण को रोक दिया। इस घटनाक्रम से न सिर्फ सदन अध्यक्ष माइक जॉनसन को बड़ा झटका लगा, बल्कि पार्टी में ट्रंप के प्रभाव पर भी सवाल खड़े हो गए, क्योंकि अब तक अधिकांश मामलों में रिपब्लिकन सांसदों ने उनके समर्थन में एकजुटता दिखाई थी।

व्हाइट हाउस की भरसक कोशिशों के बावजूद 20 से ज्यादा रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को रोक दिया। इस असफलता के बाद पार्टी नेतृत्व को मजबूरन इस निगरानी कार्यक्रम के लिए 10 दिन का अस्थायी विस्तार लागू करना पड़ा, जो अंतिम विकल्प था। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि ट्रंप, जो आमतौर पर प्रमुख मतदानों में पार्टी को एकजुट रखने में सफल रहते हैं, इस बार असंतुष्ट सांसदों को मनाने में विफल रहे।

जॉनसन के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि उनकी रणनीति काफी हद तक ट्रंप के प्रभाव पर निर्भर रही है। प्रशासन ने सांसदों को मनाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए थे। इसमें ब्रीफिंग आयोजित करना, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ को सीधे सांसदों से संवाद के लिए लाना और हाउस परिसर के पास एक अस्थायी सुरक्षित सुविधा स्थापित करना शामिल था, ताकि सदस्य आसानी से गोपनीय जानकारी देख सकें।

- 20 से ज्यादा रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर किया मतदान
- व्हाइट हाउस के पूरा जोर लगाने के बाद भी नहीं पारित हो पाया विधेयक

धारा 702 पर विवाद

विवाद के केंद्र में फिसा की धारा 702 है, जिसका उपयोग अमेरिकी खुफिया एजेंसियां विदेशी लक्ष्यों की निगरानी के लिए करती रही हैं। फिसा पर बहस लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी के भीतर राष्ट्रीय सुरक्षा समर्थक धड़े और निजता पर जोर देने वाले धड़े के बीच विभाजन का कारण रही है। इस बार यह मतभेद इतना गहरा रहा कि समय रहते सहमति नहीं बन पाई।

एआई करता है डेटा का विश्लेषण

आपका जीवन कितने दिन क्रेडिट कार्ड को सब पता

लोग जरूर यही सोचते होंगे कि क्रेडिट या डेबिट कार्ड सिर्फ पैसे चुकाने का एक जरिया है, लेकिन डेटा की दुनिया में आपका कार्ड आपके व्यक्तित्व का सबसे बड़ा एक्स रे है। आप कहां खाते हैं, क्या पहनते हैं और कब बीमार पड़ते हैं, यह सब आपके कार्ड को पता है। यहां तक कि कुछ बीमा कंपनियां और बैंक आपके कार्ड के डेटा से यह तक अंदाजा लगा लेते हैं कि आपकी सेहत कैसी रहेगी और आप कितने साल तक जीवित रह सकते हैं।

कैसे होता है यह सबकुछ

- एआई आपके पिछले 12 महीनों के खर्च को देखकर यह बता सकता है कि आप अगले महीने कौन सा बड़ा खर्चा करने वाले हैं।
- आप मॉल में कार्ड स्वाइप करते हैं तो डेटा केवल पैसों का नहीं जाता। आपकी लाइफस्टाइल लोकेशन का मैप भी बन जाता है।
- इसके जरिए बैंक को पता होता है कि आप हफ्ते में कितनी बार बाहर खाना खाते हैं और किस तरह के ब्रांड्स आपको पसंद हैं।
- बैंक आपका डेटा मार्केटिंग कंपनियों को बेचते हैं, आपको उन चीजों के मेल आने लगते हैं जिन्हें आपने कभी सर्च भी नहीं किया।

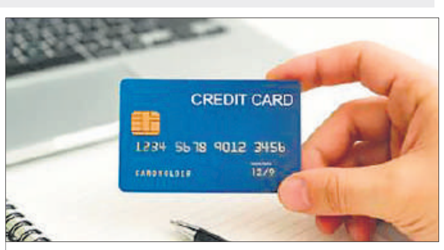

ऐसे खुलती हैं आपके व्यक्तित्व की परतें

- अगर आप अचानक बहुत ज्यादा सेल्फ हेल्प किताबें खरीदने लगें या जिम की मेंबरशिप छोड़ दें तो बैंक का एआई समझ जाता है कि आप शायद मानसिक तनाव या आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। इससे आपका क्रेडिट स्कोर प्रभावित हो सकता है, भले आपने बिल समय पर भरा हो।
- हर ट्रांजैक्शन के साथ एक कोड जुड़ा होता है। अगर आप अक्सर फास्ट फूड आउटलेट्स पर अपना कार्ड ज्यादा स्वाइप करते हैं तो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां आपको हाई रिस्क श्रेणी में डाल सकती हैं, क्योंकि आपका डेटा उन्हें बताता है कि आपकी डाइट सेहत के लिए खराब है।
- आपके कार्ड में वाईफाई जैसा निशान सुविधा तो है लेकिन खतरा भी। जेबकतरे आपके बिना कार्ड छुए पास से गुजरकर आपके कार्ड की जानकारी चुरा सकते हैं। इसी तरह जब आप किसी स्टोर का को ब्रांडेड कार्ड लेते हैं तो उसे आपके बैंकिंग पैटर्न की अनुमति मिल जाती है।

कब होगा तलाक, ये भी पता

अमेरिका में हुई एक स्टडी के अनुसार, क्रेडिट कार्ड कंपनियों ने डेटा के जरिए 85% सटीकता से यह पता लगा लिया था कि किन दंपतियों का तलाक होने वाला है। आधार सिर्फ यह था कि उन दंपतियों ने मैरिज काउंसलिंग या नए अपार्टमेंट के डिपॉजिट के लिए कार्ड स्वाइप करना शुरू कर दिया था। आपका कार्ड आपके रिश्तों के बारे में भी जानता है।

एक्सपर्ट टिप्स

- ऐसा बटुआ खरीदें जिसमें आरएफआईडी प्रोटेक्शन हो। यह बाहर से आने वाली रेडियो तरंगें ब्लॉक कर देता है ताकि कोई आपके कार्ड को बिना छुए स्कैन न कर सके।
- अपने बैंक एप में जाकर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और कॉन्टैक्टलेस पेमेंट के ऑप्शन को हमेशा बंद रखें। कोई जरूरत पड़ने पर ही उसे ऑन करें, वह भी सिर्फ दो मिनट के लिए।
- हर महीने अपना बैंक स्टेटमेंट जरूर चेक करें। अक्सर छोटे-छोटे पचास पैसे या एक रुपये के ट्रांजेक्शन होते हैं जो बॉट्स चेक करने के लिए करते हैं कि कार्ड एक्टिव है या नहीं।
- दवाओं और डॉक्टर की फीस जैसी बहुत ज्यादा निजी खरीदारी के लिए नकद का इस्तेमाल करना बेहतर रहेगा। यह आपकी मेडिकल प्राइवेसी को एआई की नजरों से दूर रखेगा।

छत्तीसगढ़: धर्मांतरण कराने पर 20 साल तक की सजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जबरन, प्रलोभन या भय के माध्यम से किए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने के उद्देश्य से पारित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 अब कानून बन गया है। राज्यपाल रमेन डेका की ओर से हस्ताक्षर किए जाने के बाद अधिनियम को राजपत्र में प्रकाशित कर शनिवार को लागू कर दिया गया। इसमें 20 साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

- विधानसभा में पारित हुआ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026

विधानसभा में यह विधेयक 19 मार्च को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रस्तुत किया था, जिसे विस्तृत चर्चा के बाद पारित किया गया। इसमें विवाह को धर्मांतरण का आधार नहीं माना गया है और विवाह के बाद भी निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक होगा। अवैध धर्मांतरण के सामान्य मामलों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और न्यूनतम 5 लाख रुपये जुर्माना तय किया गया है। महिलाओं, एससी-एसटी, नाबालिगों जैसे विशेष वर्ग के मामलों में 10 से 20 वर्ष कारावास और न्यूनतम 10 लाख रुपये जुर्माना निर्धारित है। सामूहिक धर्मांतरण में 10 वर्ष से आजीवन कारावास तथा न्यूनतम 25 लाख रुपये जुर्माना लगाया जा सकेगा। लोक सेवक द्वारा अपराध करने पर 10 से 20 वर्ष की सजा और 10 लाख रुपये तक जुर्माना, जबकि धन के माध्यम से धर्मांतरण कराने पर 10 से 20 वर्ष कारावास और 20 लाख रुपये तक जुर्माना का प्रावधान है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज कार्यक्षेत्र में नेतृत्व के नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवारजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला — आज आर्थिक दृष्टि से मजबूत स्थिति बनेगी। नए अवसरों से परिपूर्ण दिन है। महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

वृष — आज बड़े निवेश के निर्णय सोच-समझकर लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। कार्य योजनाबद्ध तरीके से पूरे होंगे।

वृश्चिक — आज शाम तक स्थिति में सुधार होगा। लाभ के संकेत मिलेंगे। कार्यों में प्रारंभिक रुकावट आ सकती है।

मिथुन — आज नए और लाभकारी संपर्क बनेंगे। व्यापारियों को विशेष लाभ होगा। शाम तक सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

धनु — आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नए कार्यों की शुरुआत के लिए शुभ समय है। यात्रा के योग बन रहे हैं।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे प्रगति होगी। आर्थिक दृष्टि से स्थिति सामान्य रहेगी। मानसिक शांति के लिए ध्यान करें।

मकर — आज कार्य निर्धारित समय पर पूरे होंगे। योजनाएं सफलतापूर्वक कार्यान्वित होंगी। धैर्य से सभी कार्य सिद्ध होंगे।

सिंह — आज कार्यों में सफलता निश्चित है। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर आप प्रसन्न रहेंगे। समाज सेवा में अत्यधिक सक्रिय रहेंगे। व्यापार को लेकर अत्यधिक प्रयासरत रहेंगे।

कन्या — आज दिन भर व्यस्तता रहेगी। आपकी योजना सफलतापूर्वक कार्यान्वित होगी। कार्यक्षेत्र में प्रयासों को मान्यता मिलेगी।

मीन — आज लंबी दूरी की यात्रा आपको नहीं करनी चाहिए। प्रबंधन संबंधी कार्यों में परेशानी हो सकती है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

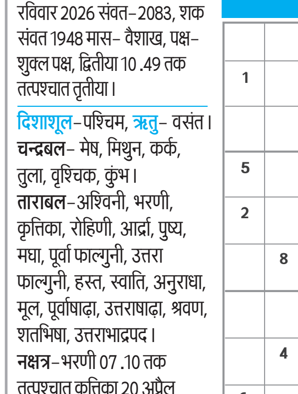

आज की ग्रह स्थिति : 19 अप्रैल, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- शुक्ल पक्ष, द्वितीया 10.49 तक तत्पश्चात तृतीया।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-भरणी 07.10 तक तत्पश्चात कृत्तिका 20 अप्रैल 04.35 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू - 123 का हल

4	9	1	7	8	6	2	5	3
3	5	7	9	1	2	6	4	8
6	2	8	5	3	4	1	7	9
7	4	2	8	6	3	9	1	5
5	1	3	4	9	7	8	6	2
8	6	9	1	2	5	4	3	7
1	8	5	3	4	9	7	2	6
9	3	6	2	7	1	5	8	4
2	7	4	6	5	8	3	9	1

सुडोकू -124

		5			2			8
1				3			2	
		7	9			4		
5							1	
2			5		4			7
	8					6		
		2			1	7		
	4			8				5
6			7			2		

लेबनान में शांति सेना पर हमले में फ्रांस के एक सैनिक की मौत

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शनिवार सुबह दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हुए हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई, तीन घायल हो गए।

मैक्रों ने बताया कि मृतक सैनिक की पहचान मोंटौबन के 17वें पैराशूट इंजीनियर रेजिमेंट के स्टाफ सार्जेंट फ्लोरियन मोंटोरियो के रूप में हुई है। मैक्रों ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा, सभी संकेत यही बताते हैं कि इस हमले की जिम्मेदारी हिज्बुल्ला की है। फ्रांस की मांग है कि लेबनानी अधिकारी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करें और दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

संबोधन

कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ के कार्यक्रम में बोले न्यायमूर्ति सूर्यकांत

एआई से घबराएं नहीं, सतर्कता के साथ इस्तेमाल करें : सीजेआई

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को आगाह करते हुए कहा कि न्यायपालिका में तकनीक को अपनाने के साथ-साथ इसकी अंतर्निहित सीमाओं की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से आह्वान किया कि वे एआई से घबराएं नहीं, बल्कि सतर्कता के साथ इसका इस्तेमाल करें।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जोर दिया कि तकनीक का इस्तेमाल केवल एक सहायक के रूप में किया जाना चाहिए, न कि एक विकल्प के रूप में। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में एआई का इस्तेमाल संतुलन के साथ होना चाहिए जिससे काम की गति और दक्षता बढ़े, लेकिन साथ ही न्याय के मूल सिद्धांत में मानवीय बुद्धि, अनुभव और संवैधानिक विवेक को पूरी तरह संरक्षित किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित न्यायिक अधिकारियों के 22वें द्विवार्षिक राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में न्यायपालिका की पुनर्कल्पना' था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आपको एआई को लेकर घबराना नहीं चाहिए। जब आपके सामने कोई ऐसा मामला आता है जिसमें बहुत जटिल तथ्य और कानून के पेचीदा सवाल शामिल हों, तो आप क्या करते हैं। ऐसे मामलों में निर्णय लेते समय व्यक्ति ज्यादा गहराई से सोचता है, धैर्य रखता है और अंत में निर्णय लेने पर उसे संतोष की भावना भी महसूस होती है।

उन्होंने कहा, जब हम एआई प्रौद्योगिकी का उपयोग सावधानी और जागरूकता के साथ करना शुरू करेंगे, तो यही परिणाम देखने को मिलेगा, बशर्ते यह सुनिश्चित किया जाये कि आपके भीतर का न्यायाधीश स्वतंत्र बना रहे और तकनीक से प्रभावित न हो। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार तथा कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभू बखरू समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

मूल पहचान को खोए बिना खुद को बदलना होगा

सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका में तकनीक को अपनाने के साथ इसकी अंतर्निहित सीमाओं की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। उन्होंने ऐसी प्रणालियों द्वारा उत्पन्न होने वाली अशुद्धियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल में एआई मंचों द्वारा मनगढ़ंत मिसालें, गलत उद्धरण और पूरी तरह से काल्पनिक कानूनी प्रस्ताव तैयार किए जाने के उदाहरण सामने आए हैं। ये भ्रामक जानकारी मामूली तकनीकी खामियां नहीं हैं। ये न्यायिक प्रक्रिया की बुनियाद पर प्रहार करती हैं, जो सटीकता, प्रामाणिकता और विश्वास पर टिकी है। अगर इन्हें रोका न गया तो ये गुमराह कर सकती हैं, कानूनी दलीलों को तोड़मरोड़ सकती हैं और परिणामों को गलत दिशा दे सकती हैं।

"जब मुझे आना पड़ा तो उस समय मैं तैयार ही नहीं था। पावरप्ले के आखिरी दो ओवर में मैं शॉट्स खेलने की कोशिश कर सकता था। केएल के पास अधिकतर स्ट्राइक रही और उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स लगाए जिससे मोमेंटम हमारे साथ रहा। मैंने सोचा कि यदि वह अच्छा खेल रहे हैं तो मैं उन्हें स्ट्राइक देता रहूं।
-ट्रिस्टन स्टब्स

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 19 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

लखनऊ सुपर जाएंट्स
बनाम
पंजाब किंग्स
समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-283 रन
- शुभमन गिल गुजरात-251 रन
- विराट कोहली बेंगलुरु-247 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 13 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात - 11 विकेट
- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु- 10 विकेट

आखिरी ओवर में डेविड मिलर के तूफान से आरसीबी की उम्मीदों पर फिरा पानी

आईपीएल-2026 : एक गेंद रहते दिल्ली कैपिटल्स की रोमांचक जीत

डेविड मिलर।

बेंगलुरु, एजेंसी

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों और डेविड मिलर की आखिरी ओवर में तूफानी शॉट की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में शनिवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को छह विकेट से शिकस्त दी।

सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को आठ विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और छह चौके लगाए। टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की।

इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया। सॉल्ट ने अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए, लेकिन अक्षर पटेल (18 रन पर दो विकेट), कुलदीप यादव (32 रन पर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (39 रन पर दो विकेट) ने अन्य बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया। मुकेश कुमार को भी एक सफलता मिली। सॉल्ट ने पहले विकेट के लिए विराट कोहली (19) के साथ 31 गेंद में 52 रन और दूसरे विकेट के लिए देवदत्त पडिक्कल (18) के साथ 29 गेंद में 47 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन 11वें ओवर में उनके आउट होने के बाद टिम डेविड (17 गेंद में 26 रन) के अलावा कोई भी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को भुवनेश्वर कुमार ने अपने शुरुआती दो ओवर में तीन झटके दिए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

175/8 (20 ओवर)

फिल सॉल्ट का स्टब्स बो कुलदीप	63
विराट कोहली का निसंका बो एनगिडी	19
देवदत्त पडिक्कल का मिलर बो अक्षर	18
रजत पाटीदार का राहुल बो मुकेश	08
टिम डेविड का नटराजन बो अक्षर	26
जितेश शर्मा का मिलर बो एनगिडी	14
रोमारियो शेफर्ड पगबाधा कुलदीप	01
कृणाल पंड्या रन आउट	12
रसिक सलाम नाबाद	00
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	03

अतिरिक्त : 11, **विकेट पर :** 175 रन विकेट पतन : 1-52, 2-99, 3-105, 4-131, 5-146 6-149,7-172

कुल योग : 20 ओवर में आठ विकेट पर : 175 रन विकेट पतन : 1-52, 2-99, 3-105, 4-131, 5-146 6-149,7-172 गेंदबाजी : नबी 3-0-36-0, मुकेश 4-0-32-1, एनगिडी 4-0-39-2, कुलदीप 4-0-32-2, नटराजन 2-0-16-0, अक्षर 3-0-18-2

दिल्ली कैपिटल्स

179/4 (19. 5 ओवर)

पथुम निसंका पगबाधा भुवनेश्वर	01
लोकेश राहुल का कोहली बो कृणाल	57
करुण नायर का सॉल्ट बो भुवनेश्वर	05
समीर रिजवी का जितेश बों भुवनेश्वर	02
टिस्ट्रन स्टब्स नाबाद	60
अक्षर पटेल रिटायर हर्ट	26
डेविड मिलर नाबाद	22

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन :** 1-2, 2-16, 3-18, 4-87, 4-134 (अक्षर रिटायर्ड हर्ट), गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-26-3, हेजलवुड 4-0-38-0, सलाम 4-0-40-0, कृणाल 4-0-24-1, सुयश 3-0-31-0, शेफर्ड 0.5-0-17-0

57 रनों की पारी में दिल्ली के बल्लेबाज लोकेश राहुल ने छह चौके और दो छक्के लगाए

03 विकेट भुवनेश्वर ने लिए उन्होंने गेंदबाजी के दौरान किसी को खुलकर खेलने नहीं दिया

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	5	4	0	1	9	1.067
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
3.	राजस्थान रॉयल्स	5	4	1	0	8	0.889
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	6	3	3	0	6	0.566
5.	दिल्ली कैपिटल्स	5	3	2	0	6	0.310
6.	गुजरात टाइटंस	5	3	2	0	6	0.018
7.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	-0.780
8.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	5	2	3	0	4	-0.804
9.	मुंबई इंडियंस	5	1	4	0	2	-1.076
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	6	0	5	1	1	-1.149

पंत के चोटिल होने से चिंतित एलएसजी के सामने अजेय पंजाब किंग्स की चुनौती

मुल्लांपुर। तालिका में शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में संघर्ष कर रही लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मजबूत बल्लेबाजी पर भरोसा करेगी। लखनऊ की टीम कप्तान ऋषभ पंत की चोट को लेकर भी चिंतित है। पंजाब किंग्स इस सत्र में अब तक एकमात्र अजेय टीम रही है। टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम का नेट रन रेट 1.067 है, जो उसकी दमदार बल्लेबाजी और सधे हुए लक्ष्य-पीछा करने की क्षमता को दर्शाता है। पंजाब ने 2025 सत्र से अब तक लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने पिछले 11 में से नौ मुकाबले जीते हैं, जो उसके दबदबे की बानगी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ हालिया जीत में भी यह झलक साफ दिखी। मेजबान टीम की इस रफ्तार को रोकने के लिए एलएसजी को असाधारण प्रदर्शन करना होगा। अंक तालिका में फिलहाल सातवें स्थान पर मौजूद एलएसजी लगातार दो हार के बाद दबाव में है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत की कोहनी में लगी चोट ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

केकेआर के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेंगे रॉयल्स

कोलकाता, एजेंसी : शानदार फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर जीत के लिए तरस रही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को आईपीएल के मैच में लय वापिस पाने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक रॉयल्स और खराब फॉर्म से परेशान केकेआर के बीच यह मुकाबला होगा। राजस्थान ने लगातार चार जीत दर्ज की लेकिन पिछले मैच में उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया। वहीं केकेआर छह मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर कई मौकों पर जीत के करीब पहुंचकर हार गई है जिससे टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश में धुलने से उसे एकमात्र अंक मिला है।

हाईलाइट

फुटबॉल कोच की तरह हैं आशीष नेहरा : हरभजन सिंह

मुंबई। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा फुटबॉल कोच की तरह है और उन्होंने टीम में एकजुटता भरी है। हरभजन ने जियोस्टार से कहा कि खिलाड़ियों से नेहरा का लगातार संवाद और खेल की गहरी समझ ने गुजरात टाइटंस की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा आशीष नेहरा अकेला ऐसा इंसान है जो कहीं भी, कभी भी माहौल को सहज बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सहज बना देते हैं। मैचों के दौरान नेहरा की भूमिका के बारे में हरभजन ने कहा वह फुटबॉल कोच की तरह है। कभी भी शांत नहीं बैठता।

हताशा का दृढ़ता से किया सामना : रबाडा

अहमदाबाद। पिछले सत्र की निराशा के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस को जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने इस सफर को 'हताशा' से 'दृढता' का बताया है। रबाडा मनोरंजक दवा के सेवन से जुड़े निलंबन के कारण पिछले सत्र में अधिकांश मैच नहीं खेल सके थे। उन्होंने केकेआर के खिलाफ 29 रन देकर तीन विकेट चटकाये जिसकी मदद से उनकी टीम ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। रबाडा ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र काफी निराशाजनक था खासकर इस तरह के शानदार सेटअप में। गुजरात की टीम बहुत ही शानदार है।

पहले टी-20 में द.अफ्रीका से हारी भारतीय महिला टीम

डरबन, एजेंसी

कप्तान लॉरा वोल्वार्ट के अर्धशतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पहले महिला टी20 क्रिकेट मैच में भारत को छह विकेट से हरा दिया। दो महीने बाद होने वाले टी20 विश्व कप की 'ड्रेस रिहर्सल' मानी जा रही सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए शुक्रवार को सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका ने भारत की दिशाहीन गेंदबाजी का फायदा उठाते हुए लक्ष्य पांच गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाजों ने 14 वाइड गेंदें फेंकी।

वोल्वार्ट ने 39 गेंद में 51 रन बनाए। एनेरी डर्कसेन ने 34 गेंद में नाबाद 44 रन बनाए। पांच मैचों की सीरीज का दूसरा मैच आज खेला जाएगा। पिछली चार शृंखलाएं जीत चुकी भारतीय टीम के लिए स्पिनर श्रेयांका पाटिल और श्रीचरणी ने प्रभावित किया लेकिन तेज गेंदबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके। अरूंधति रेड्डी की दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने जमकर धुनाई की।

कप्तान लॉरा वोल्वार्ट व स्मृति मंधाना।

स्मृति मंधाना ने तोड़ा रोहित का रिकॉर्ड

डरबन। दक्षिण अफ्रीका और भारत की महिला टीमों के बीच पहले मैच के दौरान, स्मृति मंधाना ने टी 20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट टीम की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया। स्मृति मंधाना के नाम अब 161 मैचों में 30.31 की औसत और 124.38 के स्ट्राइक रेट से 4244 रन दर्ज हैं। टी20 में उनके नाम 33 अर्धशतक और एक शतक है। रोहित शर्मा ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए 159 मैचों में 32.05 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद ने सीएसके को 10 रनों से हराया

हैदराबाद, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद ने अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक के बाद शानदार गेंदबाजी के बूते शनिवार को यहां आईपीएल टी20 मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रन से शिकस्त देकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक (59 रन) की शानदार शुरूआत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (तीन विकेट) और अंशुल कंबोज (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन (59 रन) के अर्धशतकों को छोड़ दें तो सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी इकाई ने सीएसके के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। यह स्कोर चुनौतीपूर्ण नहीं लग रहा था लेकिन मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने सीएसके जवाब में 20 ओवर में आठ विकेट पर 184 रन ही बना सकी और उसे चौथी हार का मुंह देखना पड़ा। उसके लिए मैथ्यू शॉर्ट 34 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम छह अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। सीएसके को अंतिम छह गेंद में 18 रन बनाने थे। लेकिन जैमी ओवरटन (16 रन) का विकेट गिरने से टीम इसमें सात रन ही बना सकी। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इशान मलिंगा ने 29 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि नीतिश कुमार रेड्डी ने 31 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। प्रफुल हिंगे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार को एक एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके को पहला झटका दूसरे ओवर में संजू सैमसन (07) के आउट होने से लगा जो नीतिश कुमार की गेंद पर हेनरिक क्लासेन के हाथों लपके गए। पर आयुष म्हात्रे और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने तेजी से रन जुटाते हुए टीम को अच्छी शुरूआत कराई। इन दोनों ने 21 गेंद में अर्धशतकीय साझेदारी निभा ली थी। लेकिन अचानक एक रन लेते हुए म्हात्रे के पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया और उपचार लेने के बावजूद उन्हें परेशानी हो रही थी।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते अभिषेक शर्मा। एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद

194/9 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा का सैमसन बो ओवरटन	59
ट्रेविस हेड का गायकवाड़ बो चौधरी	23
ईशान किशन का गायकवाड़ बो चौधरी	00
हेनरिक क्लासेन बो कंबोज	59
अनिकेत वर्मा का नूर बो ओवरटन	02
नीतिश कुमार रेड्डी का शॉर्ट बो ओवरटन	12
सलील अरोड़ा का ब्रेविस बो गुरजपनीत	13
लियाम लिविंगस्टन का ब्रेविस बो कंबोज	01
शिवांग कुमार का गुरजपनीत बो कंबोज	12
प्रफुल हिंगे नाबाद	01

अतिरिक्त : 13, **विकेट पतन :** 1-75, 2-75, 3-93, 4-112, 5-147, 6-177, 7-179, 8-193, 9-194

गेंदबाजी : मैथ्यू शॉर्ट 3-0-38-0, मुकेश चौधरी 2-0-21-2, कंबोज 3-0-22-3, नूर 4-0-33-0, ओवरटन 4-0-37-3, गुरजपनीत 4-0-34-1

चेन्नई सुपर किंग्स

184/8 (20 ओवर)

संजू सैमसन का क्लासेन बो नीतिश रेड्डी	07
रुतुराज गायकवाड़ का अरोड़ा बो मलिंगा	19
आयुष म्हात्रे का क्लासेन बो नीतिश रेड्डी	30
मैथ्यू शॉर्ट का अनिकेत बो मलिंगा	34
सरफराज खान का नीतिश रेड्डी बो मलिंगा	25
डेवाल्ड ब्रेविस का लिविंगस्टन बो शिवांग	00
शिवम दुबे का साकिब हुसैन	21
जेमी ओवरटन का लिविंगस्टन बो हिंगे	16
अंशुल कंबोज नाबाद	13
नूर अहमद नाबाद	01

अतिरिक्त : 18, **विकेट पतन :** 1-15, 2-66, 3-66, 4-112, 5-113, 6-148, 7-154, 8-182

गेंदबाजी : हिंगे 4-0-60-1, नीतिश रेड्डी 4-0-31-2, साकिब हुसैन 4-0-32-1, इशान मलिंगा 4-0-29-3, शिवांग कुमार 3-0-18-1, अभिषेक शर्मा 1-0-13-0

प्रेरणा

एशियाई चैंपियन पहलवान अभिमन्यु मांडवाल जुटे हैं 2028 के लॉस एंजलिस ओलंपिक की तैयारी में

मजबूत मानसिकता और निर्भीक रवैया ही सफलता की कुंजी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पहलवान अभिमन्यु मांडवाल का कहना है कि आधुनिक युग की कुश्ती में मजबूत मानसिकता ही सब कुछ है और वह मानते हैं कि उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी निर्भीक रवैया है। बचपन से ही निर्भीक रवैया उनके अंदर कूट-कूटकर भरा है और अब वह 2028 के लॉस एंजलिस ओलंपिक की तैयारी में जुटे हैं जिसके लिए उन्होंने अपने पसंदीदा 74 किग्रा वर्ग में जाने का फैसला किया है।

इस युवा पहलवान ने हाल में बिश्केक में हुई एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर सफलता की ओर कदम बढ़ाया। स्वर्ण पदक तक पहुंचने के अपने सफर में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के दो पदक विजेताओं को हराया जिनमें 70 किग्रा फाइनल के उनके प्रतिद्वंद्वी मंगोलिया के टोमोर-ओचिरिन तुलगा भी शामिल थे। जगरेब प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने और हाल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद 24 साल के इस पहलवान ने अंडर-23 से सीनियर सर्किट में जगह बना ली है। 2026 में मिली इस शुरुआती सफलता का श्रेय वह कुश्ती की गहरी समझ और मानसिक मजबूती को देते हैं।

मांडवाल ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा आपकी मानसिकता मजबूत होनी चाहिए। इसके बिना कुछ भी मुमकिन नहीं है। आप कितनी भी कड़ी ट्रेनिंग क्यों नहीं कर लें, अगर आपकी मानसिकता मजबूत नहीं है तो आप मुक़ाबला नहीं कर सकते। मैं अपने विरोधियों की चिंता नहीं करता। यही मेरी सबसे बड़ी ताक़त है। हरियाणा के इस पहलवान ने बताया कि उनका निर्भीक रवैया उनकी परवरिश से आया है। उनके पिता और चाचा दोनों ही पहलवान थे और वे उन्हें बिना किसी पुरस्कार की परवाह किए मुकाबलों में भेज देते थे।

मांडवाल ने कहा वे बस मुझसे कहते थे कि जाओ, अखाड़े में खड़े हो जाओ और कुश्ती लड़ो। हमने कभी पैसे या स्तर के बारे में नहीं सोचा। इसी तरह मैं निडर बन गया। मैं किसी भी मुकाबले से पहले जरा भी नहीं हिचकिचाता।

भारतीय पहलवान अभिमन्यु मांडवाल।

वह मुश्किल मुकाबले भी जीत सकता है : कोच

भारत की पुरुषों की फ्रीस्टाइल टीम के मुख्य कोच विनोद कुमार भी इस बात से सहमत हैं। उन्होंने कहा उसमें जबरदस्त इच्छाशक्ति है। ऐसे पहलवान आसानी से नहीं मिलते। वह मुश्किल मुकाबले भी जीत सकता है। मुझे उसकी यह बात सबसे ज्यादा पसंद है। हम उसे और भी बेहतर पहलवान बनाने के लिए सबकुछ करेंगे। भविष्य के बड़े टूर्नामेंट में वह जरूर अच्छा प्रदर्शन करेगा। अब तक गैर ओलंपिक 70 किग्रा वर्ग में खेलने वाले मांडवाल का पूरा ध्यान अब 74 किग्रा वर्ग में जाने पर है। उनका मानना है कि यह वर्ग उनके शरीर और उनके लंबे समय के लक्ष्यों के लिए एकदम सही है जिनमें एशियाई खेल और ओलंपिक शामिल हैं। उन्होंने कहा यही मेरा मुख्य लक्ष्य है। अगर मैं वहां अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया तो फिर इसका कोई मतलब नहीं है। मैं निश्चित रूप से 74 किग्रा वर्ग में खेलूंगा। यह मेरा पसंदीदा वजन वर्ग है। मेरा सामान्य वजन लगभग 74-75 किग्रा है। और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मैं इसे बढ़ाकर लगभग 78 किग्रा तक ले जाना चाहता हूं।

- अंडर-23 से सीनियर सर्किट में बना ली है जगह

मुश्किल में फंसी केकेआर टीम से जुड़ेंगे मथीशा पथिराना

कोलकाता। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना आखिरकार शनिवार देर रात कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में शामिल हो रहे हैं जिससे टीम का मनोबल बढ़ेगा जो इस समय आईपीएल तालिका में सबसे नीचे चल रही है।

टी20 विश्व कप के दौरान पिंडली में आई चोट से उबरने के बाद पथिराना ने श्रीलंका क्रिकेट द्वारा जरूरी फिटनेस परीक्षण पास कर लिया है और उन्हें एनओसी भी मिल गया है। वह इस समय सफर कर रहे हैं और रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम के साथ जुड़ जाएंगे। हालाकि टीम के एक सूत्र के अनुसार उन्हें तुरंत अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना कम है क्योंकि टीम की मेडिकल टीम उनकी मैच फिटनेस का आकलन करेगी।

खुलकर खेलने से दूर होंगे मुश्किल के दिन : रहाणे

अहमदाबाद, एजेंसी

छह मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी कोलकाता नाइट राइडर्स की प्लेआफ की राह मुश्किल होती जा रही है लेकिन कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम से मुश्किल दिनों का सामना करने, खुलकर खेलने और एक समय में एक ही मैच पर फोकस रखने का आग्रह किया है। छह मैचों में से पांच हार चुकी कोलकाता को एकमात्र अंक पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश में धुले मैच से मिला है।

गुजरात टाइटंस से पांच विकेट से मिली हार के बाद रहाणे ने शुक्रवार को कहा इन कठिन दिनों को स्वीकार करने और उनका सामना करने की जरूरत है। हर दिन नया है और हमें एक दूसरे का साथ देते हुए खुलकर खेलना होगा। दस टीमों की लीग में प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखने के लिये कम से कम सात मैच जीतने जरूरी हैं। अब आठ मैच बाकी है और केकेआर को हर हालत में हार से बचना होगा। रहाणे ने कहा हम एक समय पर एक ही मैच के बारे में सोच रहे हैं। हारने पर हालात कठिन होते हैं लेकिन हर कोई पूरी कोशिश कर रहा है।